DECEMBER-2023

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश

In big leap, UP set to cover 75% tapwater coverage in villages

Neha.Lalchandani
@timesgroup.com

Lucknow: In what is likely to be a major achievement for the state in providing tap water to rural areas, the department of Namami Gange and rural water supply has completed around 71% of its target and is working towards 75% coverage of tapwater in rural areas by December 31.

The state had a coverage of just 25% on December 31 last year.

According to the data shared by the department, Mahoba and Lalitpur districts have the highest coverage of over 97%. In Mahoba, 97.57% of the target has been met while in Lalitpur, 97.24% work has been completed.

"We have already completed 71% of our target of supplying tap water to rural parts of the state. The department has set a target of 75% coverage by December 31 and is on track to meet its goal. In just one year, we have managed to meet 50% of the target. Tap coverage was just 25% on December 31 last year while by the end of this year, we will definitely touch 75%," said Anurag Srivastava, principal secretary, rural water supply.

The state had a coverage of just 25% on December 31 last year

The total number of households in rural UP to which tapwater connections are yet to be provided are 2,63,22,140. Against this, connections have already been provided to 1,86,36,097. Out of 96,308 villages, there is 100% coverage of tapwater connections in 29,063 villages while work is yet to start in nine.

In addition to Mahoba and Lalitpur, there are 11 districts where more than 90% of the target of tap connections has been met. These include Gautam Budh Nagar, Varanasi, Meerut, Shahjahanpur, Chitrakoot, Shamli, Kanpur Dehat, Baghpat, Banda, Jhansi and Mirzapur.

There are 39 districts where the coverage is below 75% and five districts where coverage is below 50%. Unnao, with 12.91% coverage, is on the bottom of the list with only around 63,000 households having tapwater connections against a total of 4,87,952 that are to be covered.

Cos fined for negligence in laying water pipelines

Lucknow (PNS): Companies laying water pipelines in rural areas are now facing substantial fines for negligence in road maintenance as they have been asked to pay penalties for not repairing roads after laying pipelines under the Jal Jeevan Mission. "The cost of such negligence has amounted to crores of rupees, with companies paying hefty penalties," an official said. In a significant move on Wednesday, Principal Secretary (Namami Gange and Rural Water Supply) Anurag Shrivastava imposed fines worth crores on about half a dozen responsible agencies during a review meeting. According to officials of the department, after laying pipeline networks under the Jal Jeevan Mission's Har Ghar Jal scheme, negligence in road maintenance by agencies working in Jaunpur and Jhansi resulted in a one per cent penalty on the BCCL company. A one per cent penalty was also imposed on L&T in Varanasi and Prayagraj and a similar penalty was levied on JMC Laxmi in Muzaffarnagar and Maharajganj. A penalty was also levied on BSA Infra. During the meeting, attended by executive engineers from 75 districts, additional district magistrates (ADMs) from Bundelkhand-Vindhya, and senior officials of Namami Gange, strict action was ordered against negligent agencies and officers in road maintenance. In another development, four negligent junior engineers in Kushinagar will face dismissal for negligence in work. Disciplinary action will also be taken against the executive engineer, and orders have been issued for the transfer of six contractual engineers in Jhansi.

STATE GOVT WORKING FOR REVIVAL OF RIVERS: MIN

LUCKNOW : UP Jal Shakti minister Swatantra Dev Singh has said the BJP government in Uttar Pradesh is working for the preservation and revival of rivers. He was speaking at an event after inaugurating the newly constructed administrative building of Jal Nigam (rural) located on Rana Pratap Marg in Lucknow on Friday.

He also felicitated women volunteers working for the cleanliness of the Ganga and officers working in the Jal Jeevan Mission. "In last 10 years, the condition of all rivers in the country has improved and the flow has become clean. The rivers are the basic natural resource and it is the duty of all of us to preserve these rivers as well as to work for the revival of the dying rivers," he said.

"The work of cleaning Ganga can't be accomplished without the contribution of these volunteers. The urban sewerage and solid waste management work have made progress in the state. Small rivers are being rejuvenated. Efforts are being made to make the public aware of the cleanliness and revival of the rivers," he said.

Reviewing the Namami Gange and rural water supply department schemes, the minister directed officers to hold water chaupals in all village to create awareness among the people about tap water supply scheme.

The women working with voluntary organisations and Ganga committees working to clean Ganga in various districts were felicitated with the Ganga Samman by the minister. Anurag Srivastava, principal secretary, Namami Gange and rural water supply department, called upon the officers and the volunteers to make the clean Ganga campaign a mass movement by taking it to each household. **HTC**

उपलब्धि | राष्ट्रीय औसत 72 प्रतिशत, यूपी ने 72.2 प्रतिशत घरों तक पहुंचाया नल से जल

नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से आगे यूपी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपी में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है। प्रदेश ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा कर लिया है। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिए गये हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने वाला यूपी अकेला राज्य है। इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है।

बुंदेलखंड-विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत घरों तक पहुंचा जलः उन्होंने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। बुंदेलखंड के अधिकतर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है। महोबा में 97.57 फीसदी, ललितपुर में 97.33, झांसी में 96.40 और बांदा में 95.39 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है। वहीं विंध्य क्षेत्र में मिर्जापुर में 96.27 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। पश्चिम क्षेत्र में बागपत में 93.77 फीसदी, शामली में 92.94, मेरठ 91.32 प्रतिशत और वाराणसी में 90 फीसदी ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ पेयजल सप्लाई शुरू हुई है।

- मंत्री ने कहा, जल्द हर घर तक जल पहुंचाने का लक्ष्य होगा पूरा
- नमामि गंगे, ग्रामीण जलापूर्ति और जल निगम (ग्रामीण) को बधाई दी

बाढ़ से जुड़ी परियोजनाएं शीघ्र पूरी करें: स्वतंत्र देव

लखनऊ। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी बाढ़ परियोजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए समय से पूर्ण कराया जाए।

राष्ट्रीय औसत 72 प्रतिशत, उप्र ने 72.2 प्रतिशत घरों तक पहुंचाया नल से जल

नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकला उत्तर प्रदेश

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को दी बधाई

बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत घरों तक पहुंचा नल से जल

अब आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर फोकस

योजना से मिले ग्रामीण युवाओं व महिलाओं को रोजगार के मौके

नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से आगे निकला यूपी

स्वरूप ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रोजाना युद्धस्तर पर दिए जा रहे नल कनेक्शन का असर अब आंकड़ों में भी दिखने लगा है। यूपी में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है। यूपी ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है। इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश निरंतर जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में बुलंदियां हासिल कर रहा है। हम बहुत जल्द यूपी के एक-एक ग्रामीण परिवार तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा करेंगे। 2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब यूपी में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था। वही 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था। इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में यूपी का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। बुंदेलखंड के अधिक्तर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है। महोबा में 97.57 प्रतिशत, ललितपुर में 97.33 प्रतिशत, झांसी में 96.40 प्रतिशत और बांदा में

95.39 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है। वहीं विंध्य क्षेत्र में भी तेजी से नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। मिर्जापुर जिले में 96.27 प्रतिशत प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। बुंदेलखंड और विंध्य के जिलों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के बाद अब सरकार का फोकस आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर है।

योजना से मिले ग्रामीण युवाओं व महिलाओं को रोजगार

उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की ग्रामीण परिवारों को हर घर जल पहुंचाने की योजना का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा है। योजना से ग्रामीण युवाओं को रोजगार के मौके भी दिये जा रहे हैं। अब तक सात लाख से अधिक युवाओं को प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, मोटर मैकेनिक, फिटर, राजमिस्त्री और पम्प ऑपरेटर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 4,80,000 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को पानी जांच की ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

सफलता राष्ट्रीय औसत 72 प्रतिशत, यूपी ने 72.2 प्रतिशत घरों तक पहुंचाया नल से जल

नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से आगे निकला यूपी

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में योजना सुदृढ़ता पर दिए जा रहे नल कनेक्शन का असर अब आंकड़ों में भी दिखने लगा है। यूपी में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है। यूपी ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने वाला यह अकेला राज्य है। इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश निरंतर जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में सुर्खियां हासिल कर रहा है। हम बहुत जल्द यूपी के एक-एक

ग्रामीण परिवार तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा करेंगे।

इसलिए महत्वपूर्ण है ये उपलब्धि

2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब यूपी में मात्र 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था। वहीं 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था। इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में यूपी का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है।

बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत अधिक घरों तक पहुंचा नल से जल

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। बुंदेलखंड के अधिकतर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है। महोबा में 97.57%, ललितपुर में 97.33%, झांसी में 96.40% और बांदा में 95.39% ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है। वहीं विंध्य क्षेत्र में भी तेजी से नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। मिर्जापुर जिले में 96.27% प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। पश्चिम क्षेत्र की बात करें तो बागपत जिले में 93.77%, शामली में 92.94%, मेरठ 91.32% और पूरब के वाराणसी में ग्रामीण परिवारों को 90% से ऊपर नल कनेक्शन प्रदान कर स्वच्छ पेयजल की सप्लाई भी शुरू करा दी गई है।

» यूपी ने नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत को भी किया पार

» जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में यूपी को फिर मिली एक और उपलब्धि

अब आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर फोकस

बुंदेलखंड और विंध्य के जिलों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के बाद अब सरकार का फोकस आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर है। योजना के चतुर्थ फेज के तहत इन जिलों में गंगा और यमुना नदियों से पानी देने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इन जिलों में जल सप्लाई पहुंचाने का कार्य दिसम्बर 2024 तक पूरा किया जाना है।

योजना से मिले ग्रामीण युवाओं व महिलाओं को रोजगार के मौके

उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की ग्रामीण परिवारों को हर घर जल पहुंचाने की योजना का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा है। योजना से ग्रामीण युवाओं को रोजगार के मौके भी दिये जा रहे हैं। अब तक सवा लाख से अधिक युवाओं को प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, मोटर मैकेनिक, फिटर, राजमिस्त्री और पंप ऑपरेटर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से आगे निकला यूपी

राष्ट्रीय औसत 72 प्रतिशत, यूपी ने 72.2 प्रतिशत घरों तक पहुंचाया नल से जल, यूपी ने नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत को भी किया पार

[illegible] ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रोजाना मुहाल्ला पर दिए जा रहे नल कनेक्शन का असर अब आंकड़ों में भी दिखने लगा है। यूपी में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है। यूपी ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं।

इस उपलब्धि को हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है। इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश जिस जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में बुलंदियां

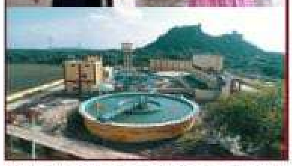

हासिल कर रहा है। हम बहुत जल्द यूपी के एक-एक ग्रामीण परिवार तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का

- जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में यूपी को फिर मिली एक और उपलब्धि
- जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को दी बधाई
- स्वतंत्र देव सिंह ने कहा ग्रामीणों तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को यूपी जल्द पूरा करेगा
- यूपी ने मंगलवार तक 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को दिये नल कनेक्शन
- राष्ट्रीय स्तर पर देश में नल कनेक्शन देने का 72 प्रतिशत कार्य किया गया पूरा
- युद्ध स्तर पर यूपी में पूरा किया जा रहा हर घर जल योजना का कार्य

लक्ष्य भी पूरा करेंगे। 2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब यूपी में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था। वहीं 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था। इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में यूपी का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है।

बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत अधिक घरों तक पहुंचा नल से जल

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। बुंदेलखंड के अधिकतर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है। महोबा में 97.57%, ललितपुर में 97.33%, झांसी में 96.42% और बांदा में 95.39% ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है। वहीं विंध्य क्षेत्र में भी तेजी से नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। मिर्जापुर जिले में 96.27 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। पश्चिम क्षेत्र की बात करें तो बागपत जिले में 93.77 प्रतिशत, शामली में 92.94 प्रतिशत, मेरठ 91.32 प्रतिशत और पूरब के वाराणसी में ग्रामीण परिवारों को 80 प्रतिशत से ज्यादा नल कनेक्शन प्रदान कर स्वच्छ पेयजल की सप्लाई भी शुरू करा दी गई है।

अब आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर फोकस

बुंदेलखंड और विंध्य के जिलों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के बाद अब सरकार का फोकस आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर है। योजना के चतुर्थ फेज के तहत इन जिलों में गंगा और यमुना नदियों से पानी देने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इन जिलों में जल सप्लाई पहुंचाने का कार्य दिसम्बर 2024 तक पूरा किया जाना है।

योजना से मिले ग्रामीण युवाओं व महिलाओं को रोजगार के मौके

उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की ग्रामीण परिवारों को हर घर जल पहुंचाने की योजना का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा है। योजना से ग्रामीण युवाओं को रोजगार के मौके भी दिये जा रहे हैं। अब तक लाख से अधिक युवाओं को प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, मोटर मैकेनिक, फिटर, राजमिस्त्री और पंप ऑपरेटरों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 4,80,000 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को पानी जांच की ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से आगे निकला यूपी

लखनऊ। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना में नल कनेक्शन देने में यूपी राष्ट्रीय औसत से आगे निकल गया है। नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत 72 प्रतिशत है जबकि यूपी ने 72.2 प्रतिशत घरों तक नल से जल पहुंचाया है। मिशन ग्रामीण के निदेशक डॉ. बलकार सिंह ने बताया कि 2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब यूपी में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था। तब राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था। इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है। यह उपलब्धि को हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है। वहीं, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने प्रदेश में संचालित बाढ़ परियोजनाओं को अभियान चलाकर तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को राज्य बाढ़ नियंत्रण परिषद की स्थायी संचालन समिति की 57वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बाढ़ परियोजनाओं में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ब्यूरो

अगले साल दिसंबर तक हर घर को मिलेगा नल से जल

आगरा, वरिष्ठ संवाददाता। आगरा सहित फिरोजाबाद और मथुरा की जनता को खारे और फ्लोराइडयुक्त पानी से जल्द मुक्ति मिल जाएगी। जल जीवन मिशन योजना के तहत दिसम्बर 2024 तक तीनों जिलों के 9.70 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल मिलने लगेगा।

आगरा में 2600 करोड़, फिरोजाबाद में 1994 करोड़ और 2558 करोड़ की लागत से मथुरा बहुल ग्राम समूह पेयजल योजनाओं (सतही स्रोत) में कार्य कराए जाने हैं। शनिवार को आगरा आए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने जल निगम कार्यालय में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से तीनों जिलों में कार्यों की प्रगति जानी। अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिये कि वो अपने-अपने कार्यों का होमवर्क करें, हर हाल में फील्ड में उतरें और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें। उन्होंने फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने और यात्राओं को सफल बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं को समय से पूरा करने को भी कहा। समीक्षा बैठक में आगरा जल निगम के इंजीनियर और जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

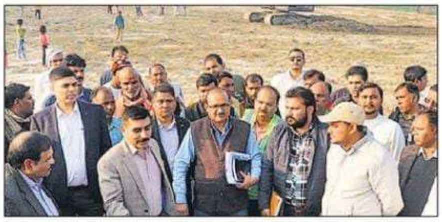

जल निगम के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने शनिवार को योजनाओं की समीक्षा की।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया

समीक्षा बैठक के बाद नामामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने मथुरा पहुंचकर नौझील विकासखंड की मांट तहसील के बैरा गांव में बन रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी स्थलीय निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों से कार्य को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिये।

लैब में कमियां मिलने पर जताई नाराजगी: नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने समीक्षा बैठक के बाद जल निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। वो जल निगम में बनी लैब भी गए, जहां कमियां पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों से नाराजगी व्यक्त की। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए कहा। जल निगम नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग हर घर को नल से जल पहुंचाने की योजना को तेजी से पूरा करने में जुटा है। अधिकारियों की ओर से बराबर योजनाओं की मॉनीटरिंग और निरीक्षण किया जा रहा है। इन तीनों जिलो में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सतही जल स्रोत से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

खारे व फ्लोराइडयुक्त पानी से मिलेगी मुक्ति

धरातल पर उतरी हर घर जल योजना। 2024 तक मिलने लगेगा मीठा पानी

जागरण संवाददाता, आगरा: मथुरा, आगरा और फिरोजाबाद जिलों के नौ लाख 70 हजार ग्रामीण परिवारों को दिसंबर 2024 तक खारे और फ्लोराइडयुक्त पानी से मुक्ति मिल जाएगी। जल जीवन मिशन योजना की हर घर जल योजना धरातल पर उतर चुकी है। शनिवार को संजय पैलेस स्थित जल निगम के कार्यालय में समीक्षा करते हुए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डा. बलकार सिंह ने यह जानकारी दी।

संजय पैलेस स्थित जल निगम के कार्यालय में बैठक करते जल निगम के प्रबंध निदेशक डा. बलकार सिंह। मौजूद हैं अन्य अधिकारीगण ● सौ. सूचना विभाग

जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करें। उन्होंने फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने और यात्राओं को सफल बनाने के भी निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में जल निगम के इंजीनियर और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने समीक्षा बैठक के बाद जल निगम की लैब का भी निरीक्षण किया। लैब में कई खामियां पाई गई, इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई।

ये होने हैं कार्य: आगरा में 17 भूमिगत जलाशय, 407 ओवरहैड टैंक और 10,241 किमी पाइप लाइन बिछाने के साथ 3,96,213 ग्रामीण परिवारों में क्रियाशील गृह जल कनेक्शन दिये जाएंगे।

खारे पानी से मिलेगी मुक्ति

दिसंबर 2024 तक हर घर में मिलेगा मीठा और शुद्ध पानी

agra@inext.co.in

AGRA (16 Dec.) : मथुरा, आगरा और फिरोजाबाद जिलों के नौ लाख 70 हजार ग्रामीण परिवारों को दिसंबर 2024 तक खारे और फ्लोराइडयुक्त पानी से मुक्ति मिल जाएगी. जल जीवन मिशन योजना की हर घर जल योजना धरातल पर उतर चुकी है. शनिवार को संजय पैलेस स्थित जल निगम के कार्यालय में समीक्षा करते हुए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने यह जानकारी दी.

फेज-4 की समीक्षा की

जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करें. उन्होंने फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने और यात्राओं को सफल बनाने के भी निर्देश दिए. समीक्षा बैठक में जल निगम के इंजीनियर और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे. उन्होंने समीक्षा बैठक के बाद जल निगम की लैब का भी निरीक्षण किया. लैब में कई खामियां पाई गई, इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई.

● बैठक करते जल निगम के एमडी डॉ. बलकार सिंह.

ये होने हैं कार्य

आगरा में 17 भूमिगत जलाशय, 407 ओवरहैड टैंक और 10,241 किमी पाइप लाइन बिछाने के साथ 3,96,213 ग्रामीण परिवारों में क्रियाशील गृह जल कनेक्शन दिये जाएंगे.

फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में खत्म होगा खारे पानी का संकट

9 लाख 70 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को मिलेगा शुद्ध पेयजल का तोहफा

स्वरूप ब्यूरो

लखनऊ/आगरा। भूगर्भ जल के खारा और फ्लोराइडयुक्त होने का संकट अब फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में खत्म होने वाला है। जल जीवन मिशन योजना की हर घर जल योजना यहां जमीन पर उतर चुकी है। दिसम्बर 2024 तक तीनों जिलों के के 9 लाख 70 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सौगात देने की तैयारी है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम(ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने जल निगम कार्यालय में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी तीनों जिलों में कार्यों की प्रगति जानी। अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिये कि वो अपने-अपने कार्यों का होमवर्क करें, हर हाल में फील्ड में उतरें और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें। उन्होंने फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने और यात्राओं को सफल बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए योजनाओं को समय से पूरा करने को भी कहा। समीक्षा बैठक में आगरा जल निगम के इंजीनियर और जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

हर घर जल योजना से 2024 तक आगरा मंडल के ग्रामीण क्षेत्रों में खत्म होगा खारे पानी का संकट

आगरा, मथुरा और फिरोजाबाद जिले के 9 लाख 70 हजार परिवारों को नल से मिलेगा शुद्ध पेयजल

जल निगम (ग्रामीण) आगरा के लैब भी गए, कमियां दिखने पर जिम्मेदार अधिकारियों को लगाई फटकार

स्वदेश संवाददाता ■ आगरा

भूगर्भ जल के खारा और फ्लोराइडयुक्त होने का संकट अब मंडल के जिलों आगरा, मथुरा और फिरोजाबाद में खत्म होने वाला है। जल जीवन मिशन योजना की हर घर जल योजना यहां जमीन पर उतर चुकी है। दिसम्बर 2024 तक मंडल के तीनों जिलों के 9 लाख 70 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सौगात देने की तैयारी है। शनिवार को आगरा पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम(ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने जल निगम कार्यालय में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं के फेज-4 की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी तीनों जिलों में कार्यों की प्रगति जानी। अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिये कि वो अपने-अपने कार्यों का होमवर्क करें, हर हाल में फील्ड में उतरें और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें।

जल निगम के अधिकारियों को लगाई फटकार

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने समीक्षा बैठक के बाद जल निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। वह जल निगम में बनी लैब भी गए जहां कमियां पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों को उन्होंने फटकार लगाई। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए भी कहा। बता दें कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग हर घर को नल से जल पहुंचाने की योजना को तेजी से पूरा करने में जुटा है। अधिकारियों की ओर से बराबर योजनाओं की मॉनीटरिंग और निरीक्षण किया जा रहा है। इन तीनों जिलो में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सतही जल स्रोत से पेयजल उपलब्ध

हर घर जल योजना के तहत हो रहे कार्यों का निरीक्षण करते हुए सचिव डॉ. बलकार सिंह एवं अन्य अधिकारी।

ये होगे कार्य

आगरा- 2600 करोड़ की लागत से 17 भूमिगत जलाशय, 407 ओवर हैड टैंक और 10241 किमी पाइप लाइन बिछाने के साथ 396213 ग्रामीण परिवारों में क्रियाशील गृहजल संयोजन का कार्य।

मथुरा- 2558 करोड़ की लागत से 214 एमएलडी का एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 7 सीडब्ल्यूआर, 214 ओवर हैड टैंक बनाने के साथ 294054 ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील गृहजल संयोजन दिये जाने के साथ 5400 किमी पाइप लाइन बिछाने का कार्य।

फिरोजाबाद- 1994 करोड़ की लागत से 473 एमएलडी का एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 8 सीडब्ल्यूआर, 268 ओवर हैड टैंक और 280696 गृहजल संयोजन देने के साथ 5600 किमी पाइप लाइन बिछाने का कार्य।

बढ़ैरा गांव में बनेगा जल शोधन प्लांट

गांव में पहुंचकर एमडी जल निगम (ग्रामीण) डॉ. बलकार सिंह ने की समीक्षा। विभाग

संवाद न्यूज एजेंसी

एटा। जिले के बढ़ैरा गांव में रविवार रात जल निगम के प्रबंध निदेशक पहुंचे। बताया कि यहां जल शोधन प्लांट (वाटर ट्रीटमेंट प्लांट) बनने जा रहा है। जो उत्तर भारत के सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में से एक होगा।

प्लांट की तैयारी को लेकर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने योजना पर निरंतर निगरानी के निर्देश दिए हैं। प्रमुख सचिव के निर्देश पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने एटा पहुंचकर जिला प्रशासन, जल

जल निगम के प्रबंध निदेशक ने देखा परियोजना स्थल

निगम, सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस बात की पड़ताल कर लें कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण स्थल के निर्धारित क्षेत्र में जलभराव की स्थिति तो नहीं है। निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार का विवाद नहीं होना चाहिए। निर्माण के दौरान आने वाली समस्याओं का भी तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए। इस प्लांट से पानी को ट्रीट करके ग्रामीणों के घरों तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति पहुंचाई जाएगी।

फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा अगले साल तक हर घर जल

» डॉ. बलकार सिंह पहुंचे आगरा, जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं की समीक्षा की

» हर घर जल योजना से फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में खत्म होगा खारे पानी का संकट

विश्ववार्ता ब्यूरो

आगरा। भूगर्भ जल के खारा और फ्लोराइडयुक्त होने का संकट अब फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में खत्म होने वाला है। जल जीवन मिशन योजना की हर घर जल योजना यहां जमीन पर उतर चुकी है। दिसम्बर 2024 तक तीनों जिलों के के 9 लाख 70 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सौगात देने की तैयारी है।

शनिवार को आगरा पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम(ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने जल निगम कार्यालय में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी तीनों जिलों में कार्यों की प्रगति जानी। अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिये कि वो अपने-अपने कार्यों का होमवर्क करें, हर हाल में फील्ड में उतरें और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें। उन्होंने फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने और यात्राओं को सफल बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए योजनाओं को समय से पूरा करने को भी कहा। समीक्षा बैठक में आगरा जल निगम के इंजीनियर और जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

सचिव नमामि गंगे ने मथुरा में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का स्थलीय निरीक्षण भी किया

समीक्षा बैठक के बाद नामामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने मथुरा पहुंचकर नौझील विकासखंड की मांट तहसील के बैरा गांव में बन रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी स्थलीय निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों से कार्य को तेजी से पूरा कराने के भी उन्होंने सख्ती से निर्देश दिये।

जल निगम लैब में कमियां मिलने पर अधिकारियों की फटकार लगाई

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने समीक्षा बैठक के बाद जल निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। वो जल निगम में बनी लैब भी गए जहां कमियां पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों को उन्होंने फटकार लगाई।

साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए भी कहा। बता दें कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग हर घर को नल से जल पहुंचाने की योजना को तेजी से पूरा करने में जुटा है। अधिकारियों की ओर से बराबर योजनाओं की मॉनीटरिंग और निरीक्षण किया जा रहा है। इन तीनों जिलो में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सतही जल स्रोत से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। फिरोजाबाद में 1994 करोड़, आगरा में 2600 करोड़ और 2558 करोड़ की लागत से मथुरा बहुल ग्राम समूह पेयजल योजनाओं (सतही स्रोत) में कार्य कराए जाने हैं।

हर घर जल योजना के तहत होने वाले निर्माण कार्य

फिरोजाबाद :- 473 एमएलडी का एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 8 सीडब्ल्यूआर, 268 ओवर हैड टैंक और 280696 गृहजल संयोजन देने के साथ 5600 कि.मी. पाइप लाइन बिछाई जानी है

आगरा :- 17 भूमिगत जलाशय , 407 ओवर हैड टैंक और 10241 कि.मी. पाइप लाइन बिछाने के साथ 396213 ग्रामीण परिवारों में क्रियाशील गृहजल संयोजन दिये जाएंगे

- मथुरा :- 214 एमएलडी का एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 7 सीडब्ल्यूआर, 214 ओवर हैड टैंक बनाने के साथ 294054 ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील गृहजल संयोजन दिये जाने हैं। यहां 5400 कि.मी. पाइप लाइन बिछाने का काम किया जाएगा।

निरीक्षण | प्रमुख सचिव नमामि गंगे व जल निगम ग्रामीण के एमडी ने अफसरों को दी कड़ी चेतावनी, काम कर रहीं एजेंसियों को 10 दिनों का अल्टीमेटम दिया

जल जीवन मिशन के कार्यों में देरी पर जेल जाने को तैयार रहें अफसर

अलीगढ़, कार्यालय संवाददाता। जल जीवन मिशन ग्रामीण के कार्यों की कछुआ चाल शासन के आला अधिकारियों के सामने रविवार को ही गई। प्रमुख सचिव व एमडी अफसरों को चेतावनी देते हुए कहा कि हालात जल्द नहीं सुधरे को एफआईआर व जेल जाने को तैयार रहें।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने रविवार को खैर तहसील के हसनपुर जरैलिया गांव में जल जीवन मिशन की योजन का निरीक्षण किया। इस दौरान जरैलिया गांव के निवासी वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी प्रताप सिंह, जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, डीएम इंद्र विक्रम सिंह, जल निगम के चीफ इंजीनियर, अधिशासी अभियंता समेत विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रमुख सचिव ने जरैलिया गांव के लोगों को आश्वस्त किया कि अब उनके गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। इससे पहले कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव, नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव ने जल निगम के चीफ इंजीनियर और अधिशासी अभियंता को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि योजना के कार्य की प्रगति धीमी रही तो अधिकारियों की खैर नहीं। उन्होंने एक-एक कर तीनों एजेंसियों पीएनसी, जेएमसी और आयन एक्सचेंज से कार्य प्रगति प्राप्त की। तीनों एजेंसियों की धीमी कार्य प्रगति को देखते हुए चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हालात जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने के लिए तैयार रहें। अगली समीक्षा बैठक के बाद उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई का फैसला लिया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को कार्य सुधारने के लिए अगले 10 दिन का समय दिया है। उन्होंने कहा कि अब प्राविधान किया गया है कि पाइप लाइन बिछाये जाने के लिए सडक को तोडा नहीं जायेगा बल्कि कटाई की जाएगी।

नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव, एमडी डा. बलकार सिंह, डीएम इंद्रविक्रम सिंह ग्राम उसरह रसूलपुर स्थित कोयला मंत्रालय की निदेशक शशि सिंह के आवास भी पहुंचे।

23 स्थानों पर खारे पानी की समस्या

जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा में पाया गया की एजेंसी पीएनसी द्वारा 655 गांव में 418 परियोजनाएं संचालित है। 395 पर बोरिंग का कार्य पूर्ण हो गया है। 23 स्थानों पर खारे पानी की समस्या है। समीक्षा में पाया गया की 418 परियोजनाओं में 2,52,911 संयोजन के सापेक्ष 1,35,639 संयोजन हो चुके हैं। जेएमसी द्वारा बताया गया कि 159 के सापेक्ष 151 कर पूर्ण हो चुके हैं। 8 में खारे पानी की समस्या है। एजेंसी द्वारा 63000 संयोजन के सापेक्ष कुल 36000 संयोजन हुए हैं। आयन एक्सचेंज द्वारा बताया गया कि 155 के सापेक्ष 153 परियोजनाओं में बोरिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है।

मानव शक्ति व तकीनक बढ़ाकर कराएं कार्य

प्रमुख सचिव ने ऐजेंसीवार मानव शक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त की तो ज्ञात हुआ कि किसी भी ऐजेंसी द्वारा एक तिहाई से अधिक लेवर नहीं लगाया गया है। उन्होंने कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देशित किया कि मानव शक्ति एवं तकनीक को बढ़ाकर जल्द से जल्द लक्ष्य पूर्ति की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी या एजेंसी किसी गलतफहमी में न रहे, लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस दौरान उन्होंने ग्राम में स्थापित ओवर हैड टेंक का भी मौके पर जाकर स्थलीय सत्यापन भी किया। इस दौरान सतेन्द्र पाल सिंह, ग्राम प्रधान सुधीर पाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष भाजपा प्रमेन्द्र पाल सिंह गुड्डू, शैलेन्द्र पाल सिंह आदि मौजूद थे।

विद्यायल में निर्मित दो कक्षों का लोकार्पण

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव ने तहसील खैर के ग्राम हसनपुर जरैलिया पहुंच विभागीय योजनाओं की समीक्षा के साथ स्थलीय निरीक्षण भी किया। यहा प्रमुख सचिव ने गांव के कम्पोजिट विद्यालय में चैपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया। ग्राम में पाइप पेयजल योजना वर्ष 2017-18 में स्वीकृत हुई थी। 100किलो लीटर की क्षमता वाला ओवरहैड टैंक स्थापित है। 280 घरों को शुद्व पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आयकर आयुक्त प्रताप सिंह की माताजी को प्रणाम करते हुए कहा कि धन्य है वह माता जिन्होंने प्रताप सिंह को जन्म दिया।

स्वयं सेवी संस्थाओं की महिलाओं को मिला गंगा सम्मान

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत शुक्रवार को जल निगम (ग्रामीण) के प्रेक्षागृह में गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें

जलशक्ति मंत्री ने किया महिलाओं के सराहनीय कार्यों पर सम्मानित

राज्य के विभिन्न जनपदों में गंगा सफाई के लिये कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, गंगा समितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह व प्रमुख सचिव नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर देश में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन करने वाले यूपी के विभिन्न जिलों के अधिकारियों को भी जल शक्ति मंत्री ने सम्मानित किया। ल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। अविरल नदियाँ मूल प्राकृतिक संसाधन है इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वच्छता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से व्यापक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि जनसहयोग बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति की है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। प्रगति का जो जश्न हम आज मना रहे है वो महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का ही परिणाम है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर -घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि जहाँ पहले नदियों में 5500 करोड़ प्रति लीटर सीवेज होता था उसमे से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था वहीं आज 3500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में यूपी में जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वो सभी तैयार हो जायेंगे। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल निगम (ग्रामीण) में इस अवसर पर आयोजित नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग कि योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से गांव -गांव में पंप हाउस परिसरों जल चौपाल लगाने के निर्देश दिए। इन जल चौपाल में ग्रामीणों के साथ जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित रहेंगे और जल सप्लाई की निरंतर निगरानी होगी। इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री ने उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण के प्रशासनिक भवन का उद्घाटन भी किया।

गंगा सम्मान का जश्न महिलाओं के समर्पण और सहयोगात्मक प्रयास का परिणाम

नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य :स्वतंत्र देव

स्वरूप ब्यूरो

लखनऊ। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें राज्य के विभिन्न जनपदों में गंगा सफाई के लिये कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, गंगा समितियों में राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव ने कहा कि पिछले 10 सालों में मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। अविरल नदियाँ मूल प्राकृतिक संसाधन है इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वछता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से अमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों के बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता। जल शक्ति मंत्री ने बताया कि यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति कि है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर-घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि जहाँ पहले नदियों में 5500 करोड़ प्रति लीटर सीवेज होता था उसमे से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था वहीं आज 3500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में यूपी में जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वो सभी तैयार हो जायेंगे।

गांव -गांव में लागेगी जल चौपाल

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल निगम (ग्रामीण) में इस अवसर पर आयोजित नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग कि योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से गांव -गांव में पंप हाउस परिसरों जल चौपाल लगाने के निर्देश दिए। इन जल चौपाल में ग्रामीणों के साथ जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित रहेंगे और जल सप्लाई की निरंतर निगरानी होगी।

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र
सहानुभूति
09 दिसम्बर शनिवार 2023

नदियों को संरक्षण हम सबका कर्तव्य : स्वतंत्र देव

लखनऊ (संवाददाता)। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत शुक्रवार को जल निगम ग्रामीण के प्रेक्षागृह में गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमे राज्य के विभिन्न जनपदो में गंगा सफाई के लिये कार्य करने वाली स्वयसेवी संस्थाओ, गंगा समितियो में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव व प्रमुख सचिव नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जल निगम ग्रामीण के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर देश में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन करने वाले यूपी के विभिन्न जिलो के अधिकारियों को भी जल शक्ति मंत्री ने सम्मानित किया।जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियो की स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। अविरल नदियाँ मूल प्राकृ

तिक संसाधन है इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने कार्यक्रम मे मौजूद गंगा स्वच्छता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से अमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों के बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता। जल शक्ति मंत्री ने बताया कि यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति कि है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। प्रगति का जो जश्न हम आज मना रहे है वो महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का ही परिणाम है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर –घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि जहाँ पहले नदियों मे 5500 करोड़ प्रति लीटर सीवेज होता था उसमे से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था वहीं आज 3500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में यूपी मे जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वो सभी तैयार हो जायेंगे।जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल निगम ग्रामीण में इस अवसर पर आयोजित नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग कि योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से गांव –गांव में पंप हाउस परिसरों जल चौपाल लगाने के निर्देश दिए। इन जल चौपाल में ग्रामीणों के साथ जल निगम ग्रामीण के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित रहेंगे और जल सप्लाई की निरंतर निगरानी होगी। जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण की विभिन्न श्रेणियों में अव्वल रहे अधिकारियों को सम्मानित भी किया। भारत में श्रेष्ठ जनपदों को सम्मानित किये जाने हेतु जल जीवन सर्वेक्षण अवार्ड व प्रमाण पत्र दिए। अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 के बीच विभिन्न श्रेणियों में सम्पूर्ण भारत में उत्तर प्रदेश के जनपदो ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया है। जल शक्ति मंत्री ने राणा प्रताप मार्ग स्थित उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण द्वारा नवनिर्मित प्रशासनिक भवन और अमृत वाटिका का विधि विधान और पंडितों के मन्त्रों उच्चारण के बीच उद्घाटन किया।

आयोजन गंगा सम्मान का जश्न महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का परिणाम

नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य: स्वतंत्र देव सिंह

» गांव में पेयजल सप्लाई की निगरानी के लिये अधिकारी लगाएं चौपाल

» नदियों के प्रति समाज की सोच बदलना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी: अनुराग

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत शुक्रवार को जल निगम (ग्रामीण) के प्रेक्षागृह में गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें राज्य के विभिन्न जनपदों में गंगा सफाई के लिये कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, गंगा समितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव व प्रमुख सचिव नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर देश में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन करने वाले यूपी के विभिन्न जिलों के अधिकारियों को भी जल शक्ति मंत्री ने सम्मानित किया।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। अविरल नदियाँ मूल प्राकृतिक संसाधन है इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वच्छता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों के बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता। जल शक्ति मंत्री ने बताया कि यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति कि है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। प्रगति का जो जश्न हम आज मना रहे है वो महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का ही परिणाम है।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर-घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी।

भूगर्भ जल के खारा और फ्लोराइडयुक्त होने का संकट अब फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में खत्म

रिपोर्ट कृष्णा त्यागी
परिधि समाचार आगरा

भूगर्भ जल के खारा और फ्लोराइडयुक्त होने का संकट अब फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में खत्म होने वाला है। जल जीवन मिशन योजना की हर घर जल योजना यहां जमीन पर उतर चुकी है। दिसम्बर 2024 तक तीनों जिलों के के 9 लाख 70 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सौगात देने की तैयारी है। शनिवार को आगरा पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम(ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने जल निगम कार्यालय में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज–4) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारी–बारी तीनों जिलों में कार्यों की प्रगति जानी। अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिये कि वो अपने–अपने कार्यों का होमवर्क करें, हर हाल में फील्ड में उतरें और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें। उन्होंने

फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने और यात्राओं को सफल बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए योजनाओं को समय से पूरा करने को भी कहा। समीक्षा बैठक में आगरा जल निगम के इंजीनियर और जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

'सचिव नमामि गंगे ने मथुरा में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का स्थलीय निरीक्षण भी किया'

समीक्षा बैठक के बाद नामामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने मथुरा पहुंचकर नौझील विकासखंड की मांट तहसील के बैरा गांव में बन रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी स्थलीय निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों से कार्य को तेजी से पूरा कराने के भी उन्होंने सख्ती से निर्देश दिये।

'जल निगम लैब में कमियां मिलने पर अधिकारियों की फटकार लगाई'

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने समीक्षा बैठक के बाद जल निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। वो जल निगम में बनी लैब भी गए जहां कमियां पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों को उन्होंने फटकार लगाई। साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए भी कहा। बता दें कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग हर घर को नल से जल पहुंचाने की योजना को तेजी से पूरा करने में जुटा है। अधिकारियों की ओर से बराबर योजनाओं की मॉनीटरिंग और निरीक्षण किया जा रहा है। इन तीनों जिलो में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सतही जल स्रोत से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। फिरोजाबाद में 1994 करोड़, आगरा में 2600 करोड़ और 2558 करोड़ की लागत से मथुरा बहुल ग्राम समूह पेयजल योजनाओं (सतही स्रोत) में कार्य कराए जाने हैं।

'हर घर जल योजना के तहत होने वाले निर्माण कार्य'

– 'फिरोजाबाद' रू– 473 एमएलडी का एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 8 सीडब्ल्यूआर, 268 ओवर हैड टैंक और 280696 गृहजल संयोजन देने के साथ 5600 कि.मी. पाइप लाइन बिछाई जानी है

– 'आगरा' रू– 17 भूमिगत जलाशय , 407 ओवर हैड टैंक और 10241 कि.मी. पाइप लाइन बिछाने के साथ 396213 ग्रामीण परिवारों में क्रियाशील गृहजल संयोजन दिये जाएंगे

– 'मथुरा' रू– 214 एमएलडी का एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 7 सीडब्ल्यूआर, 214 ओवर हैड टैंक बनाने के साथ 294054 ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील गृहजल संयोजन दिये जाने हैं। यहां 5400 कि.मी. पाइप लाइन बिछाने का काम किया जाएगा।

काम सुस्त रहा तो जेल जाने के लिए तैयार रहें : प्रमुख सचिव

जरैलिया के विद्यालय में हुए कार्यक्रम में मौजूद प्रमुख सचिव व अन्य अतिथि। *संवाद*

संवाद न्यूज एजेंसी

अलीगढ़। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने रविवार को खैर तहसील के हसनपुर जरैलिया गांव में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया।

समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव ने जल निगम के चीफ इंजीनियर और अधिशासी अभियंता को जमकर फटकार लगाई। कहा कि कार्य की प्रगति धीमी रही तो उनकी खैर नहीं। उन्होंने काम कर रही एजेंसियों की रिपोर्ट ली। चेतावनी दी कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने के लिए तैयार रहें। तोड़ी गई सड़कों को पुराने स्वरूप में लौटाने के निर्देश दिए।

इस दौरान गांव के निवासी वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी प्रताप सिंह, जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह, सीडीओ आकांक्षा राना, जल निगम के चीफ इंजीनियर, अधिशासी अभियंता समेत विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। प्रमुख सचिव ने जरैलिया गांव के लोगों को आश्वस्त किया कि अब उनके गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। जहां खारे पानी की समस्या है, वहां कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। प्रमुख सचिव कंपोजिट विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए ।

पेयजल योजनाओं की निगरानी करें अधिकारी

एटा, कार्यालय संवाददाता। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने रविवार को जिला प्रशासन, जल निगम, सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्यों की समीक्षा की। यह प्लांट से फिरोजाबाद और आगरा को पानी की आपूर्ति दी जाएगी।

जल निगम (ग्रामीण) के एमडी रविवार देर शाम बढ़ैरा गांव में निर्मित होने वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वो इस बात की पड़ताल कर लें कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण स्थल के निर्धारित क्षेत्र में जलभराव की स्थिति तो नहीं है। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार का विवाद नहीं होना चाहिए। निर्माण के दौरान आने वाली समस्याओं का भी तत्काल निस्तारण कराने के भी उन्होंने अधिकारियों से कहा है। जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के तहत एटा में उत्तर भारत का सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनने जा रहा है। इस डब्ल्यूटीपी पर पानी को ट्रीट करके ग्रामीणों के घरों तक शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंचाई जाएगी। उत्तर प्रदेश का भी यह सबसे सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट होगा। इस प्लांटसे फिरोजाबाद और आगरा को भरपूर पानी मिलेगा।

पेयजल योजनाओं की निरंतर निगरानी करें अधिकारी

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ/ एटा। एटा के बढ़ैरा गांव में उत्तर भारत का सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट(डब्ल्यूटीपी) बनने जा रहा है। इसकी तैयारी को लेकर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने योजना पर निरंतर निगरानी के निर्देश दिये हैं।

प्रमुख सचिव के निर्देश पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने रविवार को एटा पहुंचकर जिला प्रशासन, जल निगम, सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्यों की समीक्षा की। जल निगम(ग्रामीण) के एमडी रविवार देर शाम बढ़ैरा गांव में निर्मित होने वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वो इस बात की पड़ताल कर लें कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण स्थल के निर्धारित क्षेत्र में जलभराव की स्थिति तो नहीं है। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार का विवाद नहीं होना चाहिये। निर्माण के दौरान आने वाली समस्याओं का भी तत्काल निस्तारण कराने के भी उन्होंने अधिकारियों से कहा है। बता दें कि जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के तहत एटा में उत्तर भारत का सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनने जा रहा है। इस डब्ल्यूटीपी पर पानी को ट्रीट करके ग्रामीणों के घरों तक शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंचाई जाएगी।

सड़कों की मरम्मत में लापरवाही कई कंपनियों पर लगाया जुर्माना

चार संविदा जेई किए जाएंगे बर्खास्त, छह संविदा इंजीनियरों के तबादला करने के भी निर्देश

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए पाइप लाइन बिछा रही कंपनियों को सड़क मरम्मत में लापरवाही करना महंगा पड़ा है। जलशक्ति विभाग ने छह कंस्ट्रक्शन कंपनियों के खिलाफ पूरे प्रोजेक्ट की राशि का एक-एक प्रतिशत जुर्माना लगाया है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में मुद्दा उठने के बाद विभाग ने कार्रवाई शुरू की है।

विधानसभा में मुद्दा उठाया गया था कि गांवों में पाइप लाइन बिछा रही कंपनियां दोबारा सड़क निर्माण नहीं करा रही है। इससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कार्यवाही का आश्वासन दिया था। गोमतीनगर स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में बुधवार को हुई समीक्षा बैठक में जलशक्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने इंजीनियरों को फटकार लगाई। उन्होंने जल निगम ग्रामीण के प्रबंध निदेशक बलकार सिंह को सड़क मरम्मत पर लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। काम की निगरानी के लिए तैनात टीपीआई एजेंसी सेंसिस के दो अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

विधानसभा में मामला उठने के बाद हरकत में आया विभाग

इन कंपनियों पर लगा जुर्माना

पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी कंपनी पर एक फीसदी जुर्माना लगाया गया। वाराणसी और प्रयागराज में एलएनटी पर एक फीसदी जुर्माना लगाया गया है। मुज्जफरनगर और महाराजगंज में काम कर रही जेएमसी लक्ष्मी और बीएसए इंफ्रा पर भी एक प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा सड़क मरम्मत में लापरवाही पर कुशीनगर में कार्यरत चार संविदा जेई बर्खास्त होंगे। प्रमुख सचिव ने अधिशासी अभियंता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ छह संविदा इंजीनियरों के तबादला करने के निर्देश भी दिए हैं।

सड़क मरम्मत में लापरवाही पर 4 जेई बर्खास्त, 6 का तबादला

एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : गांवों में पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़क की मरम्मत न होने का मामला विधानसभा में उठने के बाद सरकारी महकमा बुधवार को सक्रिय हुआ। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सड़कों की मरम्मत में हीलाहवाली बरतने वाले कुशीनगर के अधिशासी अभियंता अनुराग गौतम के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने के साथ ही संविदा पर तैनात चार जूनियर इंजिनियरों को बर्खास्त करने और छह इंजिनियरों का तबादला किए जाने के निर्देश दिए हैं।

पेजयल लाइन बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत में हो रही थी कोताही, चार कंपनियों पर लगा जुर्माना

प्रमुख सचिव ने बुधवार को जल जीवन मिशन की 'हर घर जल' योजना की समीक्षा की। उन्होंने उन्होंने सड़क मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली छह कंपनियों पर जुर्माना लगाने के भी निर्देश दिए यह जुर्माना संबंधित काम की लागत का एक फीसदी होगा। इसमें जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी, वाराणसी और प्रयागराज में एलऐंडटी, मुजफ्फरनगर और महाराजगंज में काम कर रही जेएमसी लक्ष्मी और बीएसए इंफ्रा शामिल है। प्रमुख सचिव ने कहा कि एक हफ्ते में अगर प्रदेशभर में ऐसी सड़कों की मरम्मत नहीं हुई तो जिम्मेदारी तय कर इंजिनियरों के खिलाफ आगे कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सड़क मरम्मत के कामों की निगरानी के लिए तैनात एजेंसी के दो अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए।

सड़क मरम्मत में लापरवाही, चार अवर अभियंता होंगे बर्खास्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कंपनियों को सड़क मरम्मत में कोताही महंगी पड़ गई। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में छह कार्यदायी कंपनियों पर काम के कुल लागत का एक-एक प्रतिशत जुर्माना लगाया है। प्रमुख सचिव ने लापरवाही बरतने के मामले में कुशीनगर के चार अवर अभियंताओं को बर्खास्त करने व अधिशासी अभियंता के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ छह संविदा अभियंताओं के तबादले के निर्देश दिए हैं।

गोमतीनगर के किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में बुधवार को परियोजना की समीक्षा बैठक में पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी, वाराणसी और प्रयागराज में काम कर रही एलएनटी, मुजफ्फरनगर और महाराजगंज में काम कर रही जेएमसी लक्ष्मी कंपनी और बीएसए इन्फ्रा पर एक-एक प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। कार्यों की निगरानी के लिए तैनात सेंसिस एजेंसी के दो अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

प्रमुख सचिव ने परियोजना की देखरेख की कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डा. बलकार सिंह को सौंपी है। बैठक में 75 जिलों के अधिशासी अभियंता, बुंदेलखंड-विंध्य के एडीएम नमामि गंगे और आला अधिकारी मौजूद रहे।

सख्ती

- पेयजल लाइन बिछा रही कंपनियों को महंगी पड़ी सड़क मरम्मत में कोताही, एक-एक प्रतिशत जुर्माना

लापरवाही पर प्रभारी उपायुक्त को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि

ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं खासकर पीएम आवास योजना (ग्रामीण) लागू करने में लापरवाही बरतना सीतापुर के प्रभारी उपायुक्त (स्वतः रोजगार) जितेन्द्र कुमार मिश्र को भारी पड़ा। उप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक दीपा रंजन के निर्देश पर उन्हें विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से जागरुकता अभियान चलाकर पात्र लाभार्थियों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ते हुए भारत सरकार के सखी एप पर अपलोड किया जाना था, लेकिन वह नहीं किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को भी स्वयं सहायता समूह से जोड़ते हुए उसका डाटा भी आनलाइन अपलोड नहीं किया गया।

पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को महंगी पड़ी मरम्मत में कोताही

सड़कों की मरम्मत में लापरवाह एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना

लखनऊ (स्वरूप ब्यूरो)। ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को सड़क मरम्मत में कोताही महंगी पड़ गई। लापरवाही की कीमत कम्पनियों को करोड़ों में चुकानी पड़ी। जल जीवन मिशन की हर घर योजना के तहत गांव-गांव में बिछाई जा रही पाइप लाइनों को डालने के बाद सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना ठोका है। गोमतीनगर के किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में समीक्षा बैठक बड़े ही गंभीर माहौल में हुई। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव भी मौजूद रहे। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी कम्पनी पर एक फीसदी जुर्माना लगाया गया। वाराणसी और प्रयागराज में एलएनटी पर एक फीसदी जुर्माना ठोका गया। मुज्जफरनगर और महाराजगंज में जेएमसी लक्ष्मी पर एक फीसदी का जुर्माना ठोका गया है। बीएसए इंफ्रा पर भी जुर्माना लगाया गया है। इस मामले में उन्होंने इंजीनियरों को भी जमकर फटकार लगाते हुए चेतावनी जारी की है। समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव ने सड़क मरम्मत पर लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए इसकी कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह को सौंपी है। बैठक में 75जिलों के अधिशासी अभियंता, बुंदेलखंड-विंध्य के एडीएम नमामि गंगे और आला अधिकारी मौजूद रहे। कार्यों की निगरानी के लिए तैनात टीपीआई एजेंसी सेंसिस के दो अधिकारियों के खिलाफ प्रमुख सचिव ने तत्काल कार्यवाई कर सूचित करने के निर्देश दिये हैं। सड़क मरम्मत में लापरवाह कुशीनगर के चार जेई बर्खास्त होंगे। अधिशासी अभियंता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ 6 संविदा इंजीनियरों के तबादले के निर्देश जारी भी किये गये हैं।

पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को महंगी पड़ी सड़क मरम्मत में कोताही

सड़कों की मरम्मत में लापरवाह एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना

- समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव की खरी-खरी, जमीन पर दिखे रिजल्ट वरना सख्त कार्रवाई के लिए रहें तैयार
- जल जीवन मिशन के तहत काम कर रहीं करीब आधा दर्जन एजेंसियों पर एक-एक फीसदी का ठोका जुर्माना

स्वससे ■ लखनऊ

ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को सड़क मरम्मत में कोताही महंगी पड़ गई। लापरवाही की कीमत कम्पनियों को करोड़ों में चुकानी पड़ी। जल जीवन मिशन की हर घर योजना के तहत गांव-गांव में बिछाई जा रही पाइप लाइनों को डालने के बाद सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना ठोका है।

गोमतीनगर के किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में समीक्षा बैठक बड़े ही गंभीर माहौल में हुई। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव भी मौजूद रहे।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी कम्पनी पर एक फीसदी जुर्माना लगाया गया। वाराणसी और प्रयागराज में एलएनटी पर एक फीसदी जुर्माना ठोका गया। मुज्जफरनगर और महाराजगंज में जेएमसी लक्ष्मी पर एक फीसदी का जुर्माना ठोका गया है। बीएसए इंफ्रा पर भी जुर्माना लगाया गया है। इस मामले में उन्होंने इंजीनियरों को भी जमकर फटकार लगाते हुए चेतावनी जारी की है। समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव ने सड़क मरम्मत पर लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए इसकी कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह को सौंपी है। बैठक में 75जिलों के अधिशासी अभियंता, बुंदेलखंड-विंध्य के एडीएम नमामि गंगे और आला अधिकारी मौजूद रहे। कार्यों की निगरानी के लिए तैनात टीपीआई एजेंसी सेंसिस के दो अधिकारियों के खिलाफ प्रमुख सचिव ने तत्काल कार्रवाई कर सूचित करने के निर्देश दिये हैं।

कुशीनगर के 4 लापरवाह जेई होंगे बर्खास्त

सड़क मरम्मत में लापरवाह कुशीनगर के चार जेई बर्खास्त होंगे। अधिशासी अभियंता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ 6 संविदा इंजीनियरों के तबादले के निर्देश जारी भी किये गये हैं। सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं और अधिशासी अभियंताओं को सड़क मरम्मत और हर घर जल पहुंचने में सुस्ती पर चेतावनी भी दी गई है।

गांव की सड़कों का हाल जानने जल निगम ने उतारी अफसरों की टीम

सड़कों की दशा देखने जल निगम के अधिकारियों की टीम गांव-गांव पहुंच रही हैं। सड़कों के तेजी से मरम्मत और निगरानी के लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने मुख्यालय स्तर से सभी मण्डलों के नोडल नामित करने के साथ ही गांव में पहुंचकर सड़कों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिये हैं।

भूगर्भ जल के खारा और फ्लोराइडयुक्त होने का संकट अब फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में खत्म

रिपोर्ट कृष्णा त्यागी
परिधि समाचार आगरा

भूगर्भ जल के खारा और फ्लोराइडयुक्त होने का संकट अब फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में खत्म होने वाला है। जल जीवन मिशन योजना की हर घर जल योजना यहां जमीन पर उतर चुकी है। दिसम्बर 2024 तक तीनों जिलों के के 9 लाख 70 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सौगात देने की तैयारी है। शनिवार को आगरा पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम(ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने जल निगम कार्यालय में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज–4) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारी–बारी तीनों जिलों में कार्यों की प्रगति जानी। अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिये कि वो अपने–अपने कार्यों का होमवर्क करें, हर हाल में फील्ड में उतरें और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें। उन्होंने

फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने और यात्राओं को सफल बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए योजनाओं को समय से पूरा करने को भी कहा। समीक्षा बैठक में आगरा जल निगम के इंजीनियर और जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

'सचिव नमामि गगे ने मथुरा में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का स्थलीय निरीक्षण भी किया'

समीक्षा बैठक के बाद नामामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने मथुरा पहुंचकर नौझील विकासखंड की मांट तहसील के बैरा गांव में बन रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी स्थलीय निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों से कार्य को तेजी से पूरा कराने के भी उन्होंने सख्ती से निर्देश दिये।

'जल निगम लैब में कमियां मिलने पर अधिकारियों की फटकार लगाई'

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने समीक्षा बैठक के बाद जल निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। वो जल निगम में बनी लैब भी गए जहां कमियां पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों को उन्होंने फटकार लगाई। साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए भी कहा। बता दें कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग हर घर को नल से जल पहुंचाने की योजना को तेजी से पूरा करने में जुटा है। अधिकारियों की ओर से बराबर योजनाओं की मॉनीटरिंग और निरीक्षण किया जा रहा है। इन तीनों जिलो में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सतही जल स्रोत से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। फिरोजाबाद में 1994 करोड़, आगरा में 2600 करोड़ और 2558 करोड़ की लागत से मथुरा बहुल ग्राम समूह पेयजल योजनाओं (सतही स्रोत) में कार्य कराए जाने हैं।

'हर घर जल योजना के तहत होने वाले निर्माण कार्य'

– 'फिरोजाबाद' रू– 473 एमएलडी का एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 8 सीडब्ल्यूआर, 268 ओवर हैड टैंक और 280696 गृहजल संयोजन देने के साथ 5600 कि.मी. पाइप लाइन बिछाई जानी है

– 'आगरा' रू– 17 भूमिगत जलाशय , 407 ओवर हैड टैंक और 10241 कि.मी. पाइप लाइन बिछाने के साथ 396213 ग्रामीण परिवारों में क्रियाशील गृहजल संयोजन दिये जाएंगे

– 'मथुरा' रू– 214 एमएलडी का एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 7 सीडब्ल्यूआर, 214 ओवर हैड टैंक बनाने के साथ 294054 ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील गृहजल संयोजन दिये जाने हैं। यहां 5400 कि.मी. पाइप लाइन बिछाने का काम किया जाएगा।

योजना ही नहीं ये है वरदान, जल ज्ञान यात्रा से छात्रों को मिला ज्ञान

गाजियाबाद। औद्योगिक नगरी गाजियाबाद में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। जल जीवन मिशन की ओर से निकाली गई यात्रा में सरकारी स्कूलों के बच्चों को जल के प्रति जागरूक किया गया। ग्रामीण परिवारों को दी जा रही पानी सप्लाई की जानकारी देने के साथ ही स्कूली बच्चों को परियोजना का भ्रमण भी कराया गया। उन्हें जल निगम की प्रयोगशाला घुमाया गया और जल गुणवत्ता की जांच करके दिखाई गई। छात्रों को विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण और संचयन के बारे में भी बताया गया।

गाजियाबाद जिले में भोजपुर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा को रवाना किया। यात्रा के दौरान जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता भारत भूषण, असिस्टेंट इंजीनियर रामदत्त, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर आशीष कुमार गोंड मौजूद रहे। खंड कार्यालय भोजपुर से शुरू हुई जल ज्ञान यात्रा में शामिल स्कूली बच्चों को जल निगम गाजियाबाद प्रयोगशाला ले जाया गया और वहां जल नमूनों की जांच करके दिखाई गई।

पानी की जांच के तरीके बताए

मंझनपुर। नमामि गंगे योजना के तहत शुक्रवार को 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन किया गया। इसमें कई स्कूलों के बच्चे शामिल हुए, जिन्हें हर घर जल-हर घर नल के तहत कराए जा रहे कार्यों से रूबरू कराया गया।

कलक्ट्रेट में डीएम सुजीत कुमार और सीडीओ डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी ने जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जल निगम के एक्सईएन जैपाल सिंह अन्य अभियंताओं के साथ सबसे पहले बच्चों को समदा रोड स्थित जल निगम की प्रयोगशाला का भ्रमण कराया। यहां पर बच्चों को पानी की जांच के तौर तरीके बताए गए। पानी की गुणवत्ता परखने का प्रयोग करके भी दिखाया गया। घर पर पानी की शुद्धता को कैसे परखा जाए, इसकी जानकारी भी दी गई। इस दौरान बच्चों ने विशेषज्ञों से तमाम सवाल भी दिए, जिनके जवाब भी उन्हें दिए गए।

इसके बाद बच्चों को कड़ा ब्लॉक के ग्राम पंचायत अफजलपुर सांतो ले जाया गया। यहां हर घर जल, हर घर नल योजना के तहत पेयजल परियोजना का काम कराया गया है। गांव का भ्रमण कराकर बच्चों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर अवर अभियंता रामेश्वर निराला, अजय कुमार, विष्णु तिवारी, संतोष सोनी समेत अन्य लोग मौजूद रहे। संवाद

शुक्रवार को जिलाधिकारी ने जल ज्ञान यात्रा बस को हरी झंडी दिखा रवाना किया।

कलक्ट्रेट से जल ज्ञान यात्रा रवाना

मंझनपुर। डीएम सुजीत कुमार ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट परिसर से 'जल ज्ञान यात्रा' बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से स्कूली बच्चों को वर्तमान के जल संकट, जल संचयन एवं जल संरक्षण प्रबंधन के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस क्रम में भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही अति महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन के अन्तर्गत चल रही समस्त जल परियोजनाओं के बारे में जागरूक किया जाना है।

जल ज्ञान यात्रा को डीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जासं,कौशांबी: जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर से जल ज्ञान यात्रा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से स्कूली बच्चों को वर्तमान के जल संकट, जल संचयन एवं जल संरक्षण प्रबंधन के बारे में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित सभी जल परियोजनाओं के बारे में जागरूक किया जाना है। वहीं, खंड शिक्षाधिकारी कौशांबी एवं चायल द्वारा चिन्हित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को इस यात्रा के माध्यम से अफजलपुर सातों पेयजल योजना विकास खंड कड़ा एवं जनपदीय जल परीक्षण प्रयोगशाला, मंझनपुर का एक्सपोजर विजिट कराया गया। बस को रवाना करने के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डा. रवि किशोर त्रिवेदी, अधिशापी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) रामेश्वर निराला, सहायक अभियंता अजय कुमार, कनिष्ठ अभियंता विष्णु तिवारी, श्री संतोष सोनी आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर से जल ज्ञान यात्रा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डीएम सुजीत कुमार● सौजन्य सूवि

प्रयोगशाला में बच्चों की जल की गुणवत्ता की जांच करके दिखाते विशेषज्ञ ● सौजन्य सूवि

जीवन बनेगा स्वस्थ और खुशहाल, 'जल ज्ञान यात्रा' से सीखें नौनिहाल : धार्मिक नगरी कौशांबी में शुक्रवार का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास रहा।

सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल 'जल ज्ञान यात्रा' में शामिल होने का मौका मिला। छात्रों को इस बारे में जागरूक किया गया कि कैसे नल से शुद्ध जल के इस्तेमाल से जीवन स्वस्थ और खुशहाल बन सकता है। यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों को जल की कीमत और उससे जीवन के महत्व के बारे में बताया गया। बच्चों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से मिलने वाले लाभ की जानकारी भी हासिल की।

छात्रों ने जल निगम की प्रयोगशाला भी पहली बार देखी। साथ ही उन्हें पेयजल स्कीम का भ्रमण कराया गया। छात्रों ने वहां बनाई गई पानी टंकी व पंप हाउस देखा और उसकी प्रक्रिया समझी। स्कूली बच्चों ने यात्रा के दौरान 'हर घर जल-हर घर नल' के नारे भी लगाए। स्कूली बच्चों को जल जांच प्रयोगशाला ले जाया गया। यहां उन्हें जल गुणवत्ता की जांच करके दिखाई गई। बच्चों के लिए यह नजारा एकदम नया था, इससे स्कूली बच्चों में उत्साह देखते ही बना। उन्हें शुद्ध पेयजल से होने वाले फायदों की जानकारी दी गई। छात्रों ने अधिकारियों से कई तरह के सवाल भी किए, जिसका जवाब पाकर वे संतुष्ट भी हुए। इसके बाद स्कूली बच्चों को विकासखंड कड़ा स्थित ग्राम पंचायत अफजलपुर सांतो की पेयजल स्कीम ले जाया गया। यहां उन्हें गांव-गांव के घर तक की जाने वाली शुद्ध पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई।

अभियान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल : धार्मिक नगरी कौशांबी में जल ज्ञान यात्रा का किया आयोजन

जीवन बनेगा स्वस्थ व खुशहाल, जल ज्ञान यात्रा से सीखें नौनिहाल

- डीएम सुजीत कुमार ने यात्रा को दिखाई हरी झंडी, छात्रों ने जाने नल के शुद्ध जल के लाभ
- जल निगम की प्रयोगशाला में स्कूली बच्चों ने एफटीके किट से जानी जल गुणवत्ता की जांच

विश्ववार्ता ब्यूरो

कौशांबी। धार्मिक नगरी कौशांबी में शुक्रवार का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास रहा। सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल 'जल ज्ञान यात्रा' में शामिल होने का मौका मिला।

छात्रों को इस बारे में जागरूक किया गया कि कैसे नल से शुद्ध जल के इस्तेमाल से जीवन स्वस्थ और खुशहाल बन सकता है। यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों को जल की कीमत और उससे जीवन के महत्व के बारे में बताया गया। बच्चों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से मिलने वाले लाभ की जानकारी भी हासिल की।

छात्रों ने जल निगम की प्रयोगशाला भी पहली बार देखी। साथ ही उन्हें पेयजल स्कीम का भ्रमण कराया गया। छात्रों ने वहां बनाई गई पानी टंकी व पम्प हाउस देखा और उसकी प्रक्रिया समझी। स्कूली बच्चों ने यात्रा के दौरान 'हर घर जल-हर घर नल' के नारे भी लगाए। जल जागरूकता के लिए निकाली गई जल ज्ञान यात्रा को जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विकास खंड चायल के उच्चतर प्राथमिक विद्यालयों के करीब 100 बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। इस दौरान जल निगम (ग्रामीण) अधिशासी अभियंता जयपाल सिंह, [illegible] अभियंता रामेश्वर निराला व जे.ई. अजय कुमार भी मौजूद रहे।

बर्मी की निराली है बात, गांव में हर घर पेयजल

- भ्रमण कर छात्रों ने देखी जल गुणवत्ता की जांच
- बर्मी में देखी अमृत वाटिका जल की समझी महत्ता

सीतापुर, संवाददाता। जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव में शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंच रही है। सीतापुर के बर्मी गांव का तो क्या ही कहना, जिसे हर घर जल गांव घोषित किया जा चुका है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर जिले में जल ज्ञान यात्रा आयोजित की गई। यहां बर्मी गांव में आए बदलाव को सरकारी स्कूलों के बच्चों ने नजदीक से देखा। मंगलवार को सरकारी स्कूलों के बच्चों को जल जीवन मिशन की पेयजल परियोजनाओं का भ्रमण कराया गया। जल निगम (ग्रामीण) की प्रयोगशाला में जाकर बच्चों ने जल गुणवत्ता की जांच भी देखी।

जल ज्ञान यात्रा को बीएसए कार्यालय से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता आलोक पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जल ज्ञान यात्रा सबसे पहले जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला पहुंची। यहां स्कूली बच्चों को पानी की जांच में प्रयोग होने वाले उपकरणों और उसके इस्तेमाल को दिखाया गया। बच्चों को गांव-गांव में फील्ड टेस्ट किट से पानी की जांच कर रही ग्रामीण महिलाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किस तरह ये महिलाएं घर-घर जाकर एफटीके किट से 11 तरह की जल जांच करती है। बाद में मिश्रिख की ग्राम पंचायत बर्मी पहुंचकर बच्चों ने ग्रामीणों को दी जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया देखी। जल निगम के अधिकारियों ने स्कूली बच्चों को हर घर जल योजना से ग्रामीणों के जीवन में आए बदलाव की जानकारी भी दी। छात्रों को पेयजल के महत्व और उपलब्धता के साथ ही सोलर संचालित ओवरहैड टैंक भी दिखाया गया। उन्हें ग्राम पंचायत बर्मी मिश्रिख में बने अमृत वाटिका ले जाया गया, जहां नुक्कड़-नाटक के माध्यम से जल के जीवन में महत्व को बताया गया।

कार्यक्रम में बच्चों को पेयजल की जानकारी देते अफसर।

नन्हे-मुन्नों ने देखी पानी आपूर्ति व्यवस्था

जल जीवन मिशन के तहत जल ज्ञान यात्रा निकालते बच्चे ● जागरण

संसू, सीतापुर : जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के तहत नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर जिले में जल ज्ञान यात्रा आयोजित की गई। यात्रा बीएसए कार्यालय से जल निगम ग्रामीण के अधिशाषी अभियंता आलोक पटेल ने हरी झंडी दिखाई।

जल ज्ञान यात्रा सबसे पहले जल निगम ग्रामीण प्रयोगशाला पहुंची। यहां स्कूली बच्चों को पानी की जांच में प्रयोग होने वाले उपकरणों और उसके इस्तेमाल को दिखाया गया। बच्चों को गांव-गांव में फील्ड टेस्ट किट से पानी की जांच कर रही ग्रामीण महिलाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किस तरह ये महिलाएं घर-घर जाकर किट से 11 तरह की जल जांच करती है।

इसके बाद बच्चे बर्मी पहुंचे और ग्रामीणों को दी जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया देखी। जल निगम के अधिकारियों ने स्कूली बच्चों को हर घर जल योजना से ग्रामीणों के जीवन में आए बदलाव की जानकारी भी दी। मौके पर छात्रों को पेयजल के महत्व और उपलब्धता के साथ ही सोलर से संचालित ओवरहेड टैंक भी दिखाया गया।

स्कूली बच्चों ने देखी हर घर जल योजना से बदलती तस्वीर

लखनऊ/सीतापुर (स्वरूप ब्यूरो)। जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव में शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंच रही है। सीतापुर के बर्मी गांव का तो क्या ही कहना, जिसे हर घर जल गांव घोषित किया जा चुका है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण

जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर जिले में जल ज्ञान यात्रा आयोजित की गई। यहां बर्मी गांव में आए बदलाव को सरकारी स्कूलों के बच्चों ने नजदीक से देखा। बच्चों के लिए यह नजारा बिलकुल ही अलग था। बर्मी गांव उनके लिए किसी मॉडल विलेज से कम नहीं था, जहां पीने के पानी की अब कोई समस्या नहीं है। यहां हर घर में नल कनेक्शन लगा है, जिससे ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल मिल रहा है। साथ ही यहां स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ ही चिकित्सालय और पंचायत भवन पर भी नल कनेक्शन लगा हुआ है। सीतापुर के सरकारी स्कूलों के बच्चों को जल जीवन मिशन की योजना के तहत बनाई गई पेयजल परियोजनाओं का भ्रमण कराया गया। छात्रों को जल निगम (ग्रामीण) की प्रयोगशाला में जल गुणवत्ता की जांच भी दिखाई गई। हर घर जल गांव पहुंचे बच्चों को ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें योजना से किस तरह लाभ मिल रहा है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा को बी.एस.ए कार्यालय से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता आलोक पटेल ने हरी झंडी दिखाई। जल ज्ञान यात्रा सबसे पहले जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला पहुंची। यहां स्कूली बच्चों को पानी की जांच में प्रयोग होने वाले उपकरणों और उसके इस्तेमाल को दिखाया गया। बच्चों को गांव-गांव में फील्ड टेस्ट किट से पानी की जांच कर रही ग्रामीण महिलाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्हें ग्राम पंचायत बर्मी मिश्रिख में बने अमृत वाटिका ले जाया गया, जहां नुक्कड़-नाटक के माध्यम से जल के जीवन में महत्व को बताया गया।

अमृत वाटिका देख चहके जल ज्ञान यात्रा निकाली

जीआईसी से जल जीवन मिशन के तहत जल ज्ञान यात्रा निकालते बच्चे। -स्रोत:सूचना विभाग

संवाद न्यूज एजेंसी

सीतापुर। जल जीवन मिशन के तहत मंगलवार को बीएसए कार्यालय से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता आलोक पटेल ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा रवाना की। यात्रा मंगलवार को बर्मी ग्राम पंचायत पहुंची। इसमें शामिल छात्रों को अमृत वाटिका की सैर कराई गई। वाटिका देखकर बच्चे चहक उठे।

बर्मी ग्राम पंचायत पहुंची जल ज्ञान यात्रा

बर्मी गांव उनके लिए किसी मॉडल विलेज से कम नहीं था। बच्चों को बताया गया कि यहां पीने के पानी की कोई समस्या नहीं है। हर घर में नल कनेक्शन लगा है।

ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल मिल रहा है। स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ ही चिकित्सालय और पंचायत भवन पर भी नल कनेक्शन लगा हुआ है। सरकारी स्कूलों के बच्चों को जल जीवन मिशन योजना के तहत बनाई गई पेयजल परियोजनाओं का भ्रमण कराया गया।

बच्चों ने सिखाया पानी की जांच का तरीका

छात्रों को जल निगम (ग्रामीण) की प्रयोगशाला में जल गुणवत्ता की जांच भी दिखाई गई। जल ज्ञान यात्रा जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला पहुंची। यहां बच्चों को पानी की जांच में प्रयोग होने वाले उपकरणों और उसके इस्तेमाल को दिखाया गया। बच्चों को गांवों में फील्ड टेस्ट किट से पानी जांच रहीं ग्रामीण महिलाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि किस तरह ये महिलाएं घर-घर जाकर एफटीके किट से 11 तरह की जल जांच करती हैं। छात्रों को पेयजल के महत्व और उपलब्धता के साथ ही सोलर संचालित ओवरहैड टैंक भी दिखाया गया। उन्हें नुक्कड़-नाटक के माध्यम से जल के जीवन में महत्व को बताया गया।

बच्चों के लिए यादगार बनी जल ज्ञान यात्रा

लखीमपुर खीरी। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल पर बुधवार को विकास भवन से जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान सरकारी स्कूलों के बच्चों ने यात्रा निकाली। लोगों को जल की कीमत बताते हुए जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना की जानकारी दी।

साथ ही जल निगम की लैब में जल जांच करके दिखाई गई। वहीं जल गुणवत्ता की उपयोगिता बताने के साथ ग्रामीणों को जल सप्लाई की जाने वाली परियोजना का भी भ्रमण कराया गया। लखीमपुर में सरकारी स्कूल के बच्चों में जल जागरूकता के लिए निकाली गई जल ज्ञान यात्रा को अपर जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह एवं डीडीओ दिनकर विद्यार्थी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संवाद

बच्चों के लिए यादगार बनी जल ज्ञान यात्रा

संसू, लखीमपुर: नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल पर बुधवार को लखीमपुर जिले में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन हुआ। सरकारी स्कूलों के बच्चों को यात्रा के दौरान जल की कीमत बताने के साथ जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना की जानकारी दी। उनको जल निगम की लैब में जल जांच करके दिखाई गई। जल गुणवत्ता की उपयोगिता बताने के साथ ग्रामीणों को जल सप्लाई की जाने वाली परियोजना का भी भ्रमण कराया गया।

लखीमपुर में सरकारी स्कूल के बच्चों में जल जागरूकता के लिए निकाली। जल ज्ञान यात्रा को एडीएम संजय कुमार सिंह, डीडीओ दिनकर विद्यार्थी, अधिशासी अभियंता वाईके नीरज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्कूली बच्चों को जल जीवन मिशन द्वारा निर्मित पानी टंकी (ग्राम पेयजल-डिम्होरा साइट) ले जाया गया। यहां ग्रामीणों को पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई। इसके बाद जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला पहुंचे, बच्चों को जल गुणवत्ता जांच करके दिखाई और जांच के फायदे भी बताए गए।

स्मार्ट सि
वाराण
अलौकिक • आध्यात्मि
Ref. No.: 1127/VSCL/20
The Request for Proposals (

जल की एक-एक बूंद का महत्व समझें, संरक्षण का लें संकल्प

जागरण संवाददाता, बांदा : जीआइसी मैदान से बुधवार को जल शक्ति राज्यमंत्री व जिलाधिकारी ने जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जल जीवन मिशन से स्कूली बच्चों को जोड़ने की अनूठी पहल है। राज्यमंत्री ने कहा कि जल की एक-बूंद का महत्व समझें। इसके संरक्षण की दिशा में आज से ही संकल्प लें। अपने स्वजन को भी प्रेरित करें। उन्होंने बच्चों को जल संरक्षण से संबंधित पुस्तिका भी वितरित की।

जल शक्ति राज्यमंत्री जल ज्ञान यात्रा में कहा कि इसके माध्यम से बच्चों को जल संरक्षण के साथ पानी की महत्ता एवं उपयोगिता पता चलेगी। जल जीवन मिशन के जरिए खटान पाइप पेयजल परियोजना से किस प्रकार जल को शुद्ध कर घर-घर तक इतनी दूर से पहुंचाया जा रहा, पर भी जानकारी हासिल करेंगे। जनपद में एक वर्ष के अंदर हर घर जल पहुंचेगा। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि बड़ोखर खुर्द विकास खंड के दस विद्यालयों के 100 बच्चों को इस जल ज्ञान यात्रा में सम्मिलित कर भेजा जा रहा है। इस यात्रा के दौरान बच्चों को पीने के पानी को कैसे पेयजल परियोजना तक पहुंचाया जाता है और कैसे पानी को शुद्ध करने के बाद घरों तक पानी पहुंचता है, के बारे में बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने परिवार तथा अन्य लोगों को भी जल के दुरुपयोग को रोकने के संबंध में जरूर बताएं। जल की एक-एक बूंद के महत्व को समझें। खटान पाइप पेयजल परियोजना बहुत बड़ी योजना है, जिसके जरिए 354 गांवों को जोड़कर घर-घर जल भेजने का कार्य किया जा रहा है। जल ज्ञान यात्रा के जरिए नुक्कड़ नाटक, क्विज प्रतियोगिता व अन्य माध्यमों से भी बच्चों को जानकारी दी जाएगी।

जीआइसी मैदान में जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखातीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद● सौजन्य सूचना विभाग

जागरूकता

जल ज्ञान यात्रा को मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

बच्चों को पानी का महत्व समझना जरूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

बांदा। जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद व जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बुधवार को जीआईसी मैदान से जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राज्यमंत्री ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य है कि बच्चे जल जीवन मिशन से जुड़े और पानी के महत्व को समझे। बच्चों को भ्रमण के दौरान खटान पाइप पेयजल परियोजना के माध्यम से किस प्रकार जल को शुद्ध कर घर-घर कैसे पहुंचाया जा रहा है इसकी जानकारी दी जाएगी।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि बडोखर खुर्द विकास खण्ड के दस विद्यालयों के 100 बच्चों को इस जल ज्ञान यात्रा में सम्मिलित करते हुए बस से भेजा जा रहा है। इस यात्रा के दौरान बच्चों को पीने के पानी को कैसे पेयजल परियोजना तक पहुंचाया जाता है और कैसे पानी को शुद्ध घरों तक पानी पहुंचता है के बारे में बताया जाएगा।

बच्चों से कहा कि वह भ्रमण के बाद पानी बचाने व उसके दुरुपयोग को रोकने के लिए परिवार व आसपास के लोगों को बताए। इस जल ज्ञान यात्रा के द्वारा बच्चों को जल के महत्व के संबंध में नुक्कड नाटक, क्विज एवं अन्य माध्यमों से भी जानकारी प्रदान की जाएगी। इस जल ज्ञान यात्रा में जल जीवन मिशन की सचल वैन द्वारा भी जल जीवन के संबंध में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में पद्मश्री उमाशंकर पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे एपपी सिंह एवं अधिशाषी अभियंता जल जीवन मिशन आदि मौजूद रहे।

जल ज्ञान यात्रा को झंडी दिखाते राज्यमंत्री व डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

05:45 2 6.00 KB/S 16

epaper
हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चों ने सीखा जल जांच और भूजल उपचार

जल ज्ञान यात्रा

- छात्र छात्राओं को खटान पेयजल परियोजना से कराया जाएगा रुबरु
- जल शोधन की बारीकियां जानने के साथ सप्लाई प्रक्रिया समझी

बांदा, संवाददाता। महर्षि वामदेव की तपोभूमि कहे जाने वाले जनपद में छात्रों के लिए गुरुवार का दिन बेहद खास रहा। सरकारी स्कूलों के सैकड़ों छात्रों को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा से जुड़ने का मौका मिला। जल जागरूकता के लिए निकाली गई यात्रा में बच्चों ने जल के जीवन में महत्व और उसकी उपयोगिता समझी। नौनिहालों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाई जा रही शुद्ध पेयजल सप्लाई की परियोजना देखी। यह पहला मौका था जब बांदा के स्कूली बच्चों को जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना को नजदीक से समझने और फायदों के बारे में जानकारी मिली।

जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ जलशक्ति विभाग राज्यमंत्री रामकेश निषाद एवं डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल ने जीआईसी ग्राउंड से किया। यात्रा में पद्मश्री उमाशंकर पाण्डेय, एडीएम नमामि गंगे एमपी सिंह, एक्सईएन जल निगम (ग्रामीण) महेन्द्र राम भी मौजूद रहे। पानी की कीमत समझाने कि लिए निकाली गई यात्रा में बडोखरखुर्द विकास खण्ड की चिन्हित ग्राम पंचायतों के अंतर्गत 10 उच्च प्राथमिक विद्यालयों के सैकड़ों छात्र शामिल हुए। यहां उन्हें जल जांच की प्रक्रिया दिखाने के साथ ही भूजल उपचार और अन्य संबंधित मुद्दों की जानकारी दी गई। छात्रों को सबसे पहले कमासिन विकास खण्ड के किटहाई स्थित खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल परियोजना ले जाया गया और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, जलाशय, पंप हाउस की कार्यप्रणाणी की जानकारी दी गई। फील्ड टेस्ट किट प्रशिक्षित महिलाओं ने स्कूली बच्चों को जल गुणवत्ता की जांच करके दिखाई।

स्कूली बच्चों के लिए जल जागरूकता पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर ही किया गया।

© 2023 All Rights Reserved. Powered by Summit

जल ज्ञान यात्रा में बच्चों ने पूछे सवाल

लखनऊ। पीने के पानी में कौन-कौन से हैवी मेटल होते हैं?, पानी का पीएच लेवल कितना होता है? यह सवाल बख्शी का तालाब के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने बृहस्पतिवार को ग्राम पंचायत कुम्हरावां में जल जीवन मिशन की ओर से आयोजित जल ज्ञान यात्रा में पूछे। विशेषज्ञों ने बच्चों को बताया कि जल परीक्षण से ही भारी धातुओं का पता लगाया जा सकता है। हैवी मैटल मानव शरीर में बीमारियों का मुख्य कारण होते हैं। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने बूंद-बूंद जल का महत्व समझा। इटौंजा के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय और लखनऊ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, बीकेटी के 100 स्कूली बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। (संवाद)

सेहतमंद रहने के लिए पानी की गुणवत्ता शुद्ध होना जरूरी

राही (रायबरेली)। जल निगम ग्रामीण की ओर से बृहस्पतिवार को जल ज्ञान यात्रा निकाली गई। इसमें 10 विद्यालयों के 10-10 बच्चों ने प्रतिभाग किया। नुक्कड़ के जरिए पानी की गुणवत्ता और पानी के बचाव के तरीके बताए गए। मुख्य अतिथि सदर विधायक अदिति सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के हर घर को शुद्ध पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि सेहतमंद रहने के लिए शुद्ध पानी की अहम भूमिका होती है। दूषित पानी से बीमारियां फैलती हैं। उन्होंने जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरुक किया।

यात्रा जल निगम की जल प्रयोगशाला से शुरू हुई। यहां पर बच्चों को पानी की शुद्धता जांचने की जानकारी दी गई। इसके बाद यात्रा राही ब्लॉक क्षेत्र के रायपुर महेरी गांव पहुंची। यहां पर बच्चों को नुक्कड़ नाटक के जरिए जीवन में जल की उपयोगिकता के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में कंपोजिट विद्यालय मुबारकपुर, प्राथमिक विद्यालय किला बाजार, प्राथमिक विद्यालय मुंशीगंज, प्राथमिक विद्यालय सलेथू समेत 10 विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया।

जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता एस रहमान ने रायपुर महरी में निर्माणाधीन पानी टंकी के संचालन, जलापूर्ति समेत अन्य जानकारियां दी। इस मौके अवनीश मिश्रा, ज्योत्सना गुप्ता, मुदिता जायसवाल, महताब, हरिहर शरन, मीनाक्षी पांडेय, शिखा गुप्ता आदि मौजूद रहे। (संवाद)

बच्चों ने सीखे पानी बचाने के गुर

लखनऊ। पीने के पानी में कौन-कौन से हैवी मेटल होते हैं? पानी का पीएच लेवल कितना होता है? इस तरह के प्रश्न बीकेटी के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने गुरुवार को राजधानी में जल जीवन मिशन की ओर से आयोजित 'जल ज्ञान यात्रा' में पूछे। जल निगम लैब के विशेषज्ञों ने उत्तर देते हुए बताया कि जल परीक्षण से ही भारी धातुओं का पता लगाया जा सकता है।

रायबरेली

जल जीवन मिशन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम हुए

एम्स। राही ब्लाक के रायपुर महेरी गांव में जल जीवन मिशन के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सदर विधायिका अदिति सिंह रहीं। मुख्य अतिथि ने दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

आयोजित कार्यक्रम में एक दर्जन से अधिक कंपोजिट विद्यालय के बच्चों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि ने जल जीवन यात्रा के बारे में बताया साथ मे लोगों को जल संरक्षण व शुद्ध पेयजल के बारे में जागरूक किया। जल की उपयोगिता को समझाते हुए कहा कि सरकार के द्वारा हर घर पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। जिसका लाभ सभी को मिलना चाहिए। सहायक अभियंता शैलेंद्र कुमार ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप पानी की टंकी से सप्लाई गांव के सभी घरों में लगभग पहुंच रही है।

अब तक लगभग 398 कनेक्शन किए जा चुके हैं। साथ ही साथ अभी कनेक्शन देने का काम किया जा रहा है। 14 किलो वाट क्षमता का सोलर पैनल काम कर रहा है। पानी की शुद्धता को ध्यान में रखते हुए क्लोरीन प्लांट भी लगा हुआ है। रायपुर महेरी के पूरे गंगा दीन, पूरे पहेली, पूरे रामदास सहित सभी मजरों में पानी की सप्लाई की जा रही है। सहयोग राशि के रूप में रु 50 प्रतिमाह लिया जा रहा है।

रायपुर महेरी में कार्यक्रम में मौजूद बच्चे।

स्कूली बच्चों को बताई पानी की जांच की उपयोगिता

पीलीभीत। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से आयोजित जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों को जल निगम ग्रामीण की प्रयोगशाला में जल जांच के बारे में बताते हुए जल संरक्षण आदि के संदेश दिए गए। बच्चों ने पानी टंकी परिसर में पौधरोपण कर हरियाली का संदेश दिया। जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता मनीष गंगवार ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारम्भ किया। स्कूली बच्चों ने जल ही जीवन है के नारे लगाए। उनको सबसे पहले जल निगम(ग्रामीण) प्रयोगशाला ले जाया गया, जहां उनको जल गुणवत्ता जांच करके दिखाई गई।

'जल ज्ञान यात्रा' में बच्चों ने सीखे बूंद-बूंद बचाने के गुर

बीकेटी की ग्राम पंचायत कुम्हरावां में जल जीवन मिशन ने आयोजित की जल ज्ञान यात्रा

स्वदेश संवाद ■ लखनऊ

पीने के पानी में कौन-कौन से हैवी मेटल होते हैं?, पानी का पीएच लेविल कितना होता है? इस तरह के प्रश्न बीकेटी के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने गुरुवार को राजधानी में जल जीवन मिशन की ओर से आयोजित 'जल ज्ञान यात्रा' में पूछे। जल निगम लैब के विशेषज्ञों ने उत्तर देते हुए बताया कि जल परीक्षण से ही भारी धातुओं का पता लगाया जा सकता है। हैवी मैटल मानव शरीर में बीमारियों का मुख्य कारण होते हैं। कुछ इस तरह का नजारा बीकेटी की ग्राम पंचायत कुम्हारावां में देखने को मिला। स्कूली बच्चों ने यहां बूंद-बूंद संभालने के गुर भी सीखे।

इंटौंजा के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय और लखनऊ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, बीकेटी के 100 स्कूली बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। सोलर से संचालित 225 किलो लीटर क्षमता की 14 मीटर ऊँची पानी टंकी की खासियत जानना उनके लिए एकदम नया अनुभव था। उन्होंने यात्रा में हर घर जल योजना के तहत गांव में पानी सप्लाई के लिए बनाई गई पेयजल योजना को नजदीक से पहली बार देखा। यहां बना पम्प हाउस कैसे कार्य करता है उसकी जानकारी प्राप्त की। उसमें लगे पैनल्स का क्या कार्य है जैसे कई सवाल भी किये। जिसके जवाब प्लांट पर मौजूद जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारियों ने उनको दिये। जल से संबंधित जानकारी लेने की उत्सुकता उनमें देखते ही बनी। पानी टंकी परिसर में उनको जल गुणवत्ता की जांच करके दिखाई गई। यहां स्कूली बच्चों ने कई सवाल किये। जिसके उत्तर उनको मिले। इस अवसर पर जल को संरक्षित करने और योजना की जानकारी देता नुक्कड़ नाटक भी उनको सीख दे गया।

स्कूली बच्चों की सेल्फी में दिखाई दी कुम्हरांवा की पानी टंकी: स्कूली बच्चों को बताया गया कि पेयजल योजना सोलर से संचालित होती है। हर घर जल योजना के तहत जल सप्लाई करने के साथ बिजली की बचत भी की जा रही है। स्कूलों की छात्राओं की ओर से ली गई सेल्फी में कुम्हरांवा की पानी टंकी भी दिखाई दी। उनको बताया गया कि इस पानी टंकी से वर्तमान में चार गांव को पानी सप्लाई की जा रही है।

कुम्हरावां में जल जीवन मिशन ने आयोजित की जल ज्ञान यात्रा

● जल निगम लैब के विशेषज्ञों से स्कूली बच्चों ने जल जांच से संबंधित पूछे उत्सुकता भरे कई सवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पीने के पानी में कौन.कौन से हैवी मेटल होते हैं, पानी का पीएच लेविल कितना होता है। इस तरह के प्रश्न बीकेटी के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने गुरुवार को राजधानी में जल जीवन मिशन की ओर से आयोजित जल ज्ञान यात्रा में पूछे। जल निगम लैब के विशेषज्ञों ने उत्तर देते हुए बताया कि जल परीक्षण से ही भारी धातुओं का पता लगाया जा सकता है। हैवी मैटल मानव शरीर में बीमारियों का मुख्य कारण होते हैं। कुछ इस तरह का नजारा बीकेटी की ग्राम पंचायत कुम्हरावां में देखने को मिला। स्कूली बच्चों ने यहां बूंद.बूंद संभालने के गुर भी सीखे। गुरुवार को इंटौंजा के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय और लखनऊ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल बीकेटी के 100 स्कूली बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। सोलर से संचालित 225 किलो लीटर क्षमता की 14 मीटर ऊँची पानी टंकी की खासियत जानना उनके लिए एकदम नया अनुभव था। उन्होंने यात्रा में हर घर जल योजना के तहत गांव में पानी सप्लाई के लिए बनाई गई पेयजल योजना को नजदीक से पहली बार देखा। यहां बना पम्प हाउस कैसे कार्य करता है उसकी जानकारी प्राप्त की। उसमें लगे पैनल्स का क्या कार्य है जैसे कई सवाल भी किये। जिसके जवाब प्लांट पर मौजूद जल निगम के अधिकारियों ने उनको दिये। जल से संबंधित जानकारी लेने की उत्सुकता उनमें देखते ही बनी। पानी टंकी परिसर में उनको जल गुणवत्ता की जांच करके दिखाई गई। यहां स्कूली बच्चों ने कई सवाल किये। जिसके उत्तर उनको मिले। इस अवसर पर जल को संरक्षित करने और योजना की जानकारी देता नुक्कड़ नाटक भी उनको सीख दे गया।

'स्कूली बच्चों की सेल्फी में दिखाई दी कुम्हरांवा की पानी टंकी': स्कूली बच्चों को बताया गया कि पेयजल योजना सोलर से संचालित होती है। हर घर जल योजना के तहत जल सप्लाई करने के साथ बिजली की बचत भी की जा रही है। स्कूलों की छात्राओं की ओर से ली गई सेल्फी में कुम्हरांवा की पानी टंकी भी दिखाई दी। उनको बताया गया कि इस पानी टंकी से वर्तमान में चार गांव को पानी सप्लाई की जा रही है। पहली बार गांवों में ग्रामीणों के घरों में हर घर जल योजन के तहत नल कनेक्शन पहुंचे हैं।

ज्ञान यात्रा निकालकर किया जागरूक

शामली। सिंभालका में जल निगम की प्रयोगशाला से जानकी प्रसाद मेमोरियल रिसर्च एंड एजुकेशन ट्रस्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जल ज्ञान यात्रा निकाली गई। यात्रा के माध्यम से छात्रों को पानी जांच करने का तरीका भी बताया। इस दौरान लोगों से पानी संरक्षण करने का आह्वान किया।

बृहस्पतिवार को जल ज्ञान यात्रा के तहत जल निगम (ग्रामीण) व जानकी प्रसाद मेमोरियल रिसर्च एंड एजुकेशन ट्रस्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा यात्रा का शुभारंभ जल निगम के सिंभालका गांव स्थित प्रयोगशाला में एफटीके किट के माध्यम से जल नमूने जांच कर किया गया। इस दौरान बच्चों को ग्राउंड वॉटर रिचार्ज स्ट्रक्चर के बारे में समझाया गया। वहीं बच्चों ने स्लोगन के माध्यम से जल संचयन एवं जल संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद बच्चों को जलालपुर पेयजल योजना पर ले जाया गया। वहां पर बच्चों को जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पेयजल योजना, उससे संबंधित सरंचनाओं को दिखाया गया। वहीं नुक्कड़ नाटक से पेयजल बचाने के लिए जागरूक किया गया। अनिल कुमार नोडल अधिकारी, फूल सिंह यादव अधिशासी अभियंता, मनोज पाल सिंह सहायक अभियंता, कपिल कुमार शर्मा अवर अभियंता, जिला समन्वयक संजय सिंह, पवन प्रकाश सिंह मौजूद रहे। संवाद

गंगा की सफाई के लिए दिया सम्मान

लखनऊ, विशेष संवाददाता। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को यूपी में गंगा सफाई में विशेष कार्य करने वाली संस्थाओं व गंगा समितियों में काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि गंगा सम्मान का जश्न महिलाओं के समर्पण और सहयोग के प्रयास का परिणाम है। नदियों के प्रति समाज की सोच बदलना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दिशा में आगे बढ़कर सबको काम करना होगा। इस मौके पर जल शक्ति मंत्री ने राणा प्रताप मार्ग स्थित उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) द्वारा नवनिर्मित प्रशासनिक भवन और अमृत वाटिका का मन्त्रोंचार के बीच विधिवत उद्घाटन किया।

लखनऊ में शुक्रवार को सम्मानित लोगों के साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत जल निगम (ग्रामीण) के प्रेक्षागृह में गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह थे। सम्मानित होने वाली महिलाओं व संस्थाओं की संख्या करीब 70 थी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति बेहतर हुई है और प्रवाह निर्मल हुआ है। गंगा की स्वच्छता में महिलाओं का योगदान सराहनीय रहा है। यूपी की छोटी नदियों का भी कायाकल्प हो रहा है। स्वतंत्र देव सिंह ने जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण की विभिन्न श्रेणियों में अव्वल रहे अधिकारियों को भी सम्मानित किया।

गंगा सफाई में योगदान देने वाले सम्मानित

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को गंगा सफाई के लिए काम करने वालों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में देश की सभी नदियों की स्थिति मजबूत और उनका प्रवाह निर्मल हुआ है। इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है।

सम्मान समारोह — **गंगा सम्मान का जश्न महिलाओं के समर्पण और सहयोगात्मक प्रयास का परिणाम : जल शक्ति मंत्री**

नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य : स्वतंत्र देव

स्वदेश संवाद ■ लखनऊ

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत शुक्रवार को जल निगम (ग्रामीण) के प्रेक्षागृह में गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें राज्य के विभिन्न जनपदों में गंगा सफाई के लिये कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, गंगा समितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव व प्रमुख सचिव नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर देश में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन करने वाले यूपी के विभिन्न जिलों के अधिकारियों को भी जल शक्ति मंत्री ने सम्मानित किया।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वछता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से अमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों के बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता।

जल शक्ति मंत्री ने बताया कि यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति की है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। जल शक्ति मंत्री ने राणा प्रताप मार्ग स्थित उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) द्वारा नवनिर्मित प्रशासनिक भवन और अमृत वाटिका का विधि विधान और पंडितों के मंत्रों उच्चारण के बीच उद्घाटन किया। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर -घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि जहां पहले नदियों में 5,500 करोड़ प्रति लीटर सीवेज होता था उसमे से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था वहीं आज 3,500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में यूपी में जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वो सभी तैयार हो जाएंगे।

गांव-गांव में लगेगी जल चौपाल

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों से गांव-गांव में पंप हाउस परिसरों जल चौपाल लगाने के निर्देश दिए। इन जल चौपाल में ग्रामीणों के साथ जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित रहेंगे और जल सप्लाई की निरंतर निगरानी होगी।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शामिल जनपदों के अधिकारियों का भी सम्मान

जल शक्ति मंत्री ने जल जीवन मिशन के राष्टीय सर्वेक्षण की विभिन्न श्रेणियों में अव्वल रहे अधिकारियों को सम्मानित भी किया। भारत में श्रेष्ठ जनपदों को सम्मानित किये जाने हेतु जल जीवन सर्वेक्षण अवार्ड एवं प्रमाण पत्र दिए। अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 के बीच विभिन्न श्रेणियों में सम्पूर्ण भारत में कई जनपदों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसमें शाहजहांपुर, बुलन्दशहर, बरेली, हापुड़, मिर्जापुर, झांसी, ललितपुर, देवरिया श्रावस्ती शामिल है। बुंदेलखंड एवं विंध्य के बांदा, महोबा, हमीरपुर, चित्रकूट सोनभद्र जनपद के अधिकारी भी सम्मानित हुए।

मुजफ्फरनगर के मोरना में निकाली गई जल ज्ञान यात्रा में शामिल बच्चे • सौजन्य जल निगम

जल ज्ञान यात्रा में बच्चों ने समझी जल की महत्ता

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगरः जल है तो कल है की थीम पर शहर और देहात में बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा निकाली। अधिकारियों ने बच्चों को जल बचाने और जांच संबंधित जानकारी दी। उन्हें जल निगम की प्रयोगशाला और ओवर हेड टैंक के उपयोग के बारे में जानकारी दी।

जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ विकास भवन से सीडीओ संदीप भागिया, मनरेगा के जिला समन्वयक आरके यादव, बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर किया। जल निगम के एक्सईएन संजय कुमार ने बताया, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा निकाली गई। बच्चों को जल की जीवन में महत्ता के बारे में जानकारी दी गई। जल को संरक्षित करने के तरीके बताए। घर-घर पहुंचाई जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया को भी बताया गया। बच्चों ने पानी की टंकी और पंप हाउस को नजदीक से देखा। जल ज्ञान यात्रा में सरकारी और निजी स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) की प्रयोगशाला में ले जाया गया। जहां जल परीक्षण करके दिखाया गया।

बच्चों ने जल परीक्षण किया। इसके साथ ही इलाहबास ग्राम पेयजल योजना, विकास खंड-मोरना का भ्रमण कराया गया। गांवों में दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई। हर घर जल योजना की जानकारी दी गई। बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए पानी टंकी परिसर में कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों ने समझी जल की महत्ता

विश्ववार्ता ब्यूरो

» स्कूली बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए हुए कई कार्यक्रम

» ग्राम पेयजल योजना पर पानी टंकी, पम्प हाउस का कराया भ्रमण, स्वच्छ पेयजल की उपियोगिता समझाई

जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला में जल जांच परीक्षण कराया गया

मुजफ्फरनगर। चीनी, इस्पात और कागज उद्योगों के लिए मशहूर मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें उनको जल की जीवन में महत्ता के बारे में जानकारी मिली। उनको मालूम चला कि जल को संरक्षित करना जीवन में कितना जरूरी है। स्कूली बच्चों ने यात्रा में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जल जांच की उपयोगिता जानी। घर-घर पहुंचाई जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया को ग्राम पेयजल योजना पर जाकर समझा। पानी की टंकी और पम्प हाउस को नजदीक से देखा।

सीडीओ संदीप भागिया, मनरेगा के जिला समन्वयक आरके यादव और बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला ने हरी झण्डी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। मुजफ्फरनगर में पहली बार आयोजित जल ज्ञान यात्रा में सरकारी और प्राइवेट स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। सबसे पहले उनको जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला में ले जाया गया। जहां उनको जल परीक्षण करके दिखाया गया। बच्चों ने भी अपने हाथों से जल परीक्षण किया। इस अवसर पर उनको जल जांच की उपियोगिता बताई गई। स्कूली बच्चों ने जल निगम अधिकारियों से कई सवाल किये जिसके उनको उत्तर भी मिले। इसके बाद उनको इलाहबास ग्राम पेयजल योजना, विकास खण्ड-मोरना का भ्रमण कराया गया। यहां उनको गांव-गांव में दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई। हर घर जल योजना की जानकारी दी गई। बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए पानी टंकी परिसर में कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों ने समझी जल की महत्ता

मुजफ्फरनगर। चीनी, इस्पात और कागज उद्योगों के लिए मशहूर मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें उनको जल की जीवन में महत्ता के बारे में जानकारी मिली। उनको मालूम चला कि जल को संरक्षित करना जीवन में कितना जरूरी है। स्कूली बच्चों ने यात्रा में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जल जांच की उपयोगिता जानी। घर-घर पहुंचाई जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया को ग्राम पेयजल योजना पर जाकर समझा। पानी की टंकी और पम्प हाउस को नजदीक से देखा। सीडीओ संदीप भागिया, मनरेगा के जिला समन्वयक आरके यादव और बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला ने हरी झण्डी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। मुजफ्फरनगर में पहली बार आयोजित जल ज्ञान यात्रा में सरकारी और प्राइवेट स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। सबसे पहले उनको जल निगम(ग्रामीण) प्रयोगशाला में ले जाया गया। जहां उनको जल परीक्षण करके दिखाया गया। बच्चों ने भी अपने हाथों से जल परीक्षण किया। इस अवसर पर उनको जल जांच की उपियोगिता बताई गई। स्कूली बच्चों ने जल निगम अधिकारियों से कई सवाल किये जिसके उनको उत्तर भी मिले। इसके बाद उनको इलाहबास ग्राम पेयजल योजना, विकास खण्ड-मोरना का भ्रमण कराया गया। यहां उनको गांव-गांव में दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई। हर घर जल योजना की जानकारी दी गई। बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए पानी टंकी परिसर में कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

गांवों में पंप हाउस पर लगाई जाएगी जल चौपाल : स्वतंत्र देव

लखनऊ। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि गांवों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गांव-गांव में पंप हाउस पर जल चौपाल लगाई जाएगी। वह शुक्रवार को जल निगम (ग्रामीण) के सभागार में राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत आयोजित गंगा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गंगा सफाई का कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, गंगा समितियों से जुड़ीं महिलाओं को सम्मानित किया।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में विभिन्न श्रेणियों में यूपी अव्वल रहा है। इस दौरान जल जीवन मिशन ग्रामीण के नवनिर्मित भवन अमृत वाटिका का उद्घाटन किया गया। मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शामिल यूपी के अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव, मिशन के एमडी बलकार सिंह भी मौजूद थे। ब्यूरो

नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्यः स्वतंत्र देव सिंह

● जल निगम, ग्रामीण के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का जल शक्ति मंत्री ने किया उद्घाटन

● गंगा स्वछता में योगदान दें रहीं जागरूक महिलाओं को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत शुक्रवार को जल निगम (ग्रामीण) के प्रेक्षागृह में गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें राज्य के विभिन्न जनपदों में गंगा सफ ई के लिऽ कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओंए गंगा समितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह व प्रमुख सचिव नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जल निगम, ग्रामीण के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर देश में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन करने वाले यूपी के विभिन्न जिलों के अधिकारियों को भी जल शक्ति मंत्री ने सम्मानित किया।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों को स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। अविरल नदियां मूल प्राकृतिक संसाधन हैं। इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वछता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से व्यापक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि जनसहयोग बिना गंगा सफ ाई का कार्य नहीं हो सकता। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति की है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। प्रगति का जो जश्न हम आज मना रहे है वो महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का ही परिणाम है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफ ाई की जागरूकता को राज्य के घर-घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि जहां पहले नदियों में 5500 करोड़ प्रति लीटर सीवेज होता था उसमे से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था वहीं आज 3500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में यूपी में जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वो सभी तैयार हो जायेंगे।

जल शक्ति मंत्री ने जल निगम, ग्रामीण में इस अवसर पर आयोजित नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग कि योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से गांव-गांव में पंप हाउस परिसरों जल चौपाल लगाने के निर्देश दिए। इन जल चौपाल में ग्रामीणों के साथ जल निगम, ग्रामीण के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित रहेंगे और जल सप्लाई की निरंतर निगरानी होगी।

Duty of citizens to protect, preserve rivers: Minister

Lucknow PNS): Jal Shakti Minister Swatantra Dev Singh said it is the duty of each citizen of the country to protect and preserve the rivers as these are the lifeline of the human civilisation that nurtures the ecosystem.

"It is our collective responsibility to preserve and protect these vital natural resources. We should acknowledge the contributions of women involved in Ganga cleanliness as they have played a pivotal role in bringing about positive transformations," he said while addressing people during a felicitation programme here on Friday. Women working in voluntary organisations for Ganga cleanliness in various districts of the state were honoured during the programme. Addressing the gathering, the minister highlighted the significant improvement in the condition of all rivers in the country over the past 10 years, particularly under Prime Minister Modi's leadership. Singh commended the progress in urban sewage and solid waste management in Uttar Pradesh, saying that small rivers are undergoing revitalisation, thanks to public awareness efforts. Furthermore, the minister directed officials to set up water chaupals at pump houses in every village, fostering continuous monitoring of the drinking water supply. He commended the officials for their active involvement in the Ganga cleanliness campaign.He urged officials to engage with rural communities through water chaupals, ensuring constant vigilance over water supply. In the same programme, officials from various districts of Uttar Pradesh, demonstrating outstanding performance in the National Survey of the Jal Jeevan Mission, were honoured by the minister.

जल ज्ञान यात्रा से जाना पानी का महत्व

संवाद न्यूज एजेंसी

पीडीडीयू नगर। जल जीवन मिशन से स्कूली बच्चों को जोड़ने के लिए जल ज्ञान यात्रा की शुरूआत बुधवार गई है। इस यात्रा के माध्यम से पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की जटिल प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जा रही है और उन्हें जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पहले दिन विभिन्न स्कूलों के सौ छात्र- छात्राओं को सोलर पंप हाउस और पानी टंकी दिखाई गई। मुख्यालय स्थित बीएसए कार्यालय से निकाली गई यात्रा को सीडीओ सुरेंद्रनाथ श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता जलनिगम राकेश कुमार और डीपीएमयू के जिला समन्वयक डॉ. जगन्नाथ सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एफटीके महिलाओं ने जल जांच का परीक्षण कर बच्चों को जल उपयोगिता के महत्व बताए। स्कूली पेयजल स्कीम पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया गया। रैली में प्राथमिक विद्यालय अलीनगर, बरहुली, चंदाईत, महेवा, रेमा, उच्च प्राथमिक विधालय धपरी, धरना, कटरिया व पुरैनी के लगभग 100 छात्र-छात्रा शामिल हुईं। इस मौके पर बीईओ मनोज कुमार यादव, संतोष कुमार श्रीवास्तव, गोविंदनाथ तिवारी, प्रदीप कुमार जायसवाल रहे।

महेवा में सोलर से चलने वाली पानी टंकी और पंप हाउस के बारे में जानकारी लेते बच्चे। संवाद

प्रशिक्षण लेने वालों को दिया प्रमाणपत्र

सकलडीहा। कस्बा स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पर बुधवार को तीन दिवसीय प्राथमिक शिक्षकों का गणित किट के प्रभावी उपयोग के लिए चल रहे प्रशिक्षण का समापन हुआ। डायट प्राचार्य डॉ. माया सिंह के निर्देशन में प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता ने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

इस मौके पर डॉ बैजनाथ पांडेय, डॉ रोशन सिंह, देवेंद्र कुमार, जयंत कुमार, डॉ. जितेंद्र सिंह, रामाज्ञा शर्मा, इंदु श्रीवास्तव, जयनारायण सिंह, दीनदयाल पांडेय, कुंवर कलाधर, प्रमोद कुमार गुप्ता रहे। संवाद

जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सीडीओ सुमित यादव।

बच्चों ने नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक

मुरादाबाद। विकास भवन परिसर से बुधवार को जल जीवन मिशन के तहत जल ज्ञान यात्रा को रवाना किया गया। समारोह में दस परिषदीय तो दो निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया। सीडीओ सुमित यादव ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। जिसमें स्कूली बच्चे भी यात्रा के साथ गए। बच्चों को आशियाना स्थित जल निगम की प्रयोगशाला लेकर जाया गया।

बीएसए कार्यालय से बुधवार को हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारम्भ करते सीडीओ सुरेंद्रनाथ श्रीवास्तव।

स्कूली बच्चों को बताई गई पेयजल की उपयोगिता

चंदौली। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल पर बुधवार को जल ज्ञान यात्रा आयोजित की गई। शुभारंभ बीएसए कार्यालय से सीडीओ सुरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर किया। वहीं स्कूली बच्चों को पेयजल की उपयोगिता बतायी गई। इस दौरान स्कूली बच्चों को जल जीवन मिशन की महेवा पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया।

कलाकारों ने नाटक में ग्रामीणों को बताए पानी बचाने के तरीके

नानमऊ गांव में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल की महत्ता बताते कलाकार व मौजूद अधिकारी • जागरण

- ग्राम पंचायत नानमऊ में जल जीवन मिशन के तहत हुआ कार्यक्रम
- विद्यालयों के बच्चों ने जल संरक्षण के लिए निकाली जागरूकता रैली

संवादसूत्र, सतरिख (बाराबंकी) : हरख ब्लाक की ग्राम पंचायत नानमऊ में जल जीवन मिशन के तहत विद्यालयों के बच्चों ने जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता के लिए रैली निकाली। नुक्कड़ नाटक के जरिए भी ग्रामीणों को पानी बचाने के लिए प्रेरित किया गया। रैली में कंपोजिट विद्यालय नरौली, सतरिख, पनिहल और तमरसेपुर के छात्र-छात्राएं व अध्यापक शामिल रहे।

रैली का शुभारंभ अधिशासी अभियंता अमित कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया। जिला परियोजना समन्वयक सोनू सैनी, सहायक जिला परियोजना अधिकारी सीता सिंह, प्रशिक्षक सत्येंद्र कुमार, वैभव शुक्ल, आकाश कुमार, जितेंद्र कुमार, राहुल वर्मा, जगदीश, शुभम व नानमऊ ग्राम प्रधान सुधीर कुमार वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

शीतल शुक्ल और अशोक कुमार सहित अन्य कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए ग्रामीणों को पानी बचाने के तरीके भी बताए। नोडल अधिकारी हरिपाल सिंह ने बताया कि जल स्रोत के निकट कचरा नहीं डालना चाहिए। कचरे को कम से कम 200 मीटर दूर गड्ढे में दबाना चाहिए, जिससे जल दूषित नहीं होगा और कूड़े कचरे से कंपोजिट खाद भी तैयार हो जाएगी।

महेवा में सोलर संचालित पंप हाउस की स्कूली बच्चों ने जानी खासियत

जागरण संवाददाता, चंदौली : नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से बुधवार को जल ज्ञान यात्रा आयोजित की गई। इसमें बड़ी संख्या में सरकारी स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से ग्रामीणों को दी जा रही पेयजल आपूर्ति को तो देखा ही सोलर से चलने वाली पानी की टंकी और पंप हाउस के साथ प्लांट का भी अवलोकन किया। महिलाओं ने जल का परीक्षण कर बच्चों को जल उपयोगिता के महत्व के बारे में बताया। यात्रा का शुभारंभ बीएसए कार्यालय से सीडीओ सुरेंद्र नाथ श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर किया। स्कूली बच्चों को पेयजल की उपयोगिता बताने के साथ जल जीवन मिशन की महेवा पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। स्कूली बच्चों को पानी की टंकी और पंप हाउस दिखाया गया। उनको ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही पेयजल आपूर्ति की प्रक्रिया दिखाई गई। सोलर से संचालित इस योजना में हो रही बिजली की बचत और इससे होने वाले फायदे भी समझाए गए। पेयजल स्कीम पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया गया। खंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार यादव, नीलम तिवारी, संतोष श्रीवास्तव, गोविंद नाथ तिवारी, मदनलाल चौधरी आदि लोग उपस्थित थे।

सोलर से चलने वाले पंप हाउस के बारे में छात्रों को जानकारी देते अधिकारी ● जागरण

जल ज्ञान यात्रा : बच्चों को समझाया पानी का महत्व

- मुख्य विकास अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना की यात्रा
- हर घर जल योजना के तहत पेयजल स्रोतों की जांच की भी दी जानकारी

जासं, मुरादाबाद: बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को जल के महत्व के बारे में बताया गया।

जल जीवन मिशन हर घर जल योजना के अंतर्गत जनपद मुरादाबाद में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव व अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) इंजीनियर फ़राहीम अहमद ने जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर विकास भवन से विकास खंड, छजलैट के कुरा मीरपुर के लिए रवाना किया। जल जीवन मिशन हर घर जल योजना के अंतर्गत जल ज्ञान यात्रा में जनपद के अलग-अलग विद्यालयों से बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) की प्रयोगशाला व अवर जलाशय के निर्माण संबंधित कार्य की जानकारी दी गई। इसके पश्चात एफकेटी कीट के माध्यम से जल निगम के प्रयोगशाला में बच्चों को पेयजल स्त्रोतों की जांच के बारे में बताया। दूषित पेयजल से होने वाली गंभीर बीमारियों के बारे में भी बताया गया। इसके पश्चात ग्राम पंचायत कुरामीरपुर में पेयजल योजना को दिखाया। किस प्रकार से प्रत्येक घर को पानी की सप्लाई दी जा रही है तथा पंप हाउस किस प्रकार से कार्य करता है। आइइसी गतिविधियों के अंतर्गत कार्यदायी संस्था अप्पेन्वेंटिव टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों को जल संरक्षण से संबंधित जानकारी दी गयी।

विकास भवन से जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव(बाएं) व आयोजन के दौरान मौजूद अन्य लोग • जागरण

जल निगम (ग्रामीण) से अवर अभियंता इंजीनियर राजीव कुमार, मेधज टेक्नो कान्सेप्ट प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ की चयनित (डीपीएमयू) की टीम से जिला समन्वयक रमन कुमार यादव, आइएसए समन्वयक विकास शर्मा, सीबी एंड टी समन्वयक भुवनेश चौहान , पीएमएम एंड ई शिवाकांत शुक्ला, जीआइएस सौरभ मिश्रा , एमआइएस शंशांक विश्नोई आदि उपस्थित रहे।

****

जलज्ञान यात्रा में बतायी पानी की अहमियत

संवाद न्यूज एजेंसी

सतरिख (बाराबंकी)। जल जीवन मिशन की ओर से बुधवार को दो ग्राम पंचायतों में जलज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें पांच स्कूलों के बच्चों ने इन यात्राओं में भाग लिया और जल उपयोगिता जानी। स्कूली बच्चों ने जल ही जीवन है के नारे लगाए। बच्चों ने पानी की हर एक बूंद का संचयन करने और परिवारजनों, मित्रों से पानी को व्यर्थ नहीं बहाने की शपथ ली।

स्कूली बच्चों को दिया जल संचय का संदेश

नानमऊ गांव में जल ज्ञान यात्रा के तहत बच्चों को जानकारी देते कर्मचारी। -संवाद

राज्य सरकार की अनूठी पहल देश में पहली बार भावी पीढ़ी को जल जीवन मिशन की परियोजनाओं का सहभागी बनाने के लिए ग्रामीणों के साथ विद्यालय के बच्चों व अध्यापकों को जानकारी दी गई। हरख ब्लॉक की दो ग्राम पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जलज्ञान यात्रा का शुभारंभ ग्राम पंचायत नानमऊ से किया गया। इसमें पांच विद्यालयों के बच्चे मजीठा गांव पहुंचे। बच्चों को जल ज्ञान के विषय में जानकारी दी गई। बच्चों को बताया गया कि पानी को किस तरह से प्रयोग करना है। किस तरह से पानी को बचाया जा सकता है। कार्यक्रम के माध्यम से जल निगम विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें पानी के बचाव और संरक्षित करने के विषय में जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत में साफ सफाई के साथ आवासीय घर से दो सौ मीटर दूरी पर कूड़ा डालने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता अमित कुमार, सहायक अभियंता आशीष कुमार त्रिवेदी, विनीत कुमार, नोडल अधिकारी हरपाल सिंह, सुमित भटनागर मौजूद रहे।

बच्चों को बताया, ऐसे बचाएं पानी

गोंडा के बालाजी मंदिर पहुंचा छात्र-छात्राओं का दल। - संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

मोतीगंज (गोंडा)। शिक्षा क्षेत्र झंझरी के अंतर्गत बृहस्पतिवार को पूरे उदई, पिपरा पदुम, मझौआ व भदुआ तरहर के 110 बच्चों ने जल जीवन मिशन की ओर से जलज्ञान यात्रा की। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बच्चों ने यात्रा में भाग लिया और जल जांच की उपयोगिता को समझा। स्कूली बच्चों को जल निगम के विशेषज्ञों ने जल संरक्षण करना सिखाया।

जलनिगम के अधिशासी अभियंता मो. इमरान ने स्कूली बच्चों के सवालों का जवाब दिया। बच्चों को जल की उपयोगिता बताई और जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

बालाजी मंदिर व जलनिगम कार्यालय का भी किया भ्रमण

समन्वयक शाहिद अली ने बताया कि स्कूली बच्चों को जल निगम के प्रयोगशाला में पानी की जांच की विधि बताई गई। उन्होंने कहा कि शुद्ध जल के इस्तेमाल से जीवन स्वस्थ रहेगा। वहीं विद्यालय की प्रधानाध्यापक निवेदिता द्विवेदी ने कहा कि बच्चों ने पानी की टंकी व पंप हाउस देखा। उसके बाद बाला जी मंदिर पूरेखेमकरन घुमाते हुए जल निगम के कार्यालय पहुंचकर जल के बारे में जानकारी ली। इस मौके रामबरन तिवारी, अनिल तिवारी, आयुषी सिंह, पूनम देवी, प्रतिभा सिंह, नीलम पांडेय सहित अन्य उपस्थित थे।

जल ज्ञान यात्रा में बताया पानी का महत्व

गंगोह। गांव मुबारिकपुर में नमामि गंगे व ग्रामीण जल पूर्ति विभाग द्वारा जल ज्ञान यात्रा आयोजित की गई। गंगोह ब्लॉक के सौ स्कूली बच्चों ने भाग लिया।यात्रा का शुभारंभ खंड कार्यालय जल निगम (ग्रामीण) सहारनपुर के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार, सहायक अभियंता अनुज चौधरी व जिला समन्वयक विनेश भास्कर ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान बच्चों को प्रयोगशाला के विशेषज्ञ की ओर से जल की जांच करने के बारे में बताया गया। बच्चों व अध्यापकों को गांव में पेयजल योजना पर भ्रमण कराते हुए पंप हाउस, पानी की टंकी, गृह जल संयोजन दिखा कर जल जीवन मिशन के कार्यों को समझाया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्कूली छात्र-छात्राओं को जल संरक्षण के महत्व को बताया गया। संवाद

बच्चों ने जाना पानी का महत्व

बस्ती। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल जल ज्ञान यात्रा का आयोजन जिले में पहली बार किया गया। सरकारी स्कूलों के बच्चों को यात्रा के दौरान जल की कीमत बताने के साथ जल जीवन मिशन की हर घर, जल योजना की जानकारी दी गई। उनको जल निगम की लैब में जल जांच करके दिखाया गया। जल गुणवत्ता की उपयोगिता बताने के साथ ग्रामीणों को जल सप्लाई की जाने वाली परियोजना का भी भ्रमण कराया गया।

विकासखंड सांऊघाट के खुटहना ग्राम पेयजल योजना के लिए स्कूली बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) अधिशासी अभियंता अनिल कुमार राव ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

स्कूली बच्चों ने निकाली जल जागरूकता रैली

आयोजन

- नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित
- पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया जानी, जल गुणवत्ता जांच का परीक्षण भी देखा

गोण्डा, संवाददाता। हाथों में जल संरक्षण के स्लोगन लिखी तख्तियां लिये स्कूली बच्चे गांव वालों को जल बचाने का संदेश दे रहे थे तो दूसरी ओर कुछ बच्चे जल की कीमत समझाने वाले पम्फलेट घर-घर में बांट रहे थे। मौका था नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का। जिसमें स्कूली बच्चों ने जल जागरूकता रैली निकाली।

यह आयोजन गोण्डा में किया गया। इसमें बड़ी संख्या में सरकारी स्कूली बच्चों ने भाग लिया। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। स्कूली बच्चों ने जल जागरूकता रैली निकाली। उनको जल जीवन मिशन की ग्रामीण पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। योजना परिसर में उनको पानी गुणवत्ता की जांच का परीक्षण भी दिखाया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संरक्षण के लिए उन्हें जागरूक भी किया गया। स्कूली बच्चों को सबसे पहले उदयी पेयजल योजना ले जाया गया। यहां छात्र-छात्राओं को पानी टंकी और पम्प हाउस दिखाया गया। पेयजल सप्लाई की कार्यप्रणाली समझाने के साथ ही ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया भी दिखाई गई। योजना परिसर में ही फील्ड टेस्ट किट प्रशिक्षित महिलाओं ने जल जांच का परीक्षण करके दिखाया। उन्होंने बताया कि स्वच्छ पेयजल स्वास्थ्य के लिए बेहतर है। यहां जल जागरूकता कार्यक्रमों में भी बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

गुरुवार को जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखतीं डीएम नेहा शर्मा।

डीएम ने यात्रा को रवाना किया

बहराइच। कलेक्ट्रेट परिसर से डीएम गुरुवार को जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीएम ने कहाकि देश की भावी पीढ़ी को जल के महत्व को प्रायोगिक रूप से अवलोकन कराने के लिए सरकार की ओर से अभिनव पहल की गई है, ताकि जल की महत्त व जल स्त्रोतों के बारे में विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से ज्ञार्नाजन हासिल हो सके। राज्य सरकार की अभिनव पहल पर देश की भावी पीढ़ी को जल जीवन मिशन की परियोजनाओं का सहभागी बनाने, आमजन को जल के विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए जल ज्ञान यात्रा की शुरुआत की गई है।

जल संरक्षण पर छात्रों को जागरुक किया

सहारनपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग द्वारा बच्चों को जल संरक्षण के विषय में जागरुक किया गया। जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया।

गंगोह ब्लाक से शुरू हुई यात्रा सबसे पहले जल निगम ग्रामीण की लैब पहुंची। यहां मौजूद विशेषज्ञों ने स्कूली बच्चों को जल जांच की उपयोगिता बताई। जल में कौन-कौन से कीटाणु होते हैं इसकी जानकारी उनको दी गई। बच्चों ने भी उत्सुकता से भरे कई सवाल किए। मुबारकपुर पेयजल योजना पहुंचे छात्र-छात्राओं को यहां बनी पानी टंकी, पम्प हाउस और सोलर पैनल देखने को मिले।

चितौरा में मोजूद विभिन्न स्कूल से आए छात्र-छात्राएं • जागरण

गुणवत्ता जांच के लिए स्कूली बच्चों ने निकाली जल ज्ञान यात्रा

जासं, बहराइच : नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की जल ज्ञान यात्रा स्कूली बच्चों के लिए यादगार बन गया। ग्रामीण पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। शुद्ध पेयजल का महत्व जानने के साथ हर घर जल योजना की उपयोगिता की जानकारी ली। यहां ग्रामीणों को पहुंचाई जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई। उनको जल गुणवत्ता जांच करके दिखाई गई।

यह पहला मौका था जब बहराइच के स्कूली बच्चों को पेयजल योजना को नजदीक से देखने का मौका मिला। कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का उद्घाटन किया। उन्होंने स्कूली बच्चों को जल के महत्व की जानकारी दी। सबसे पहले स्कूली बच्चों को सुसरौली पेयजल योजना ले जाया गया। यहां ग्रामीणों को पेयजल सप्लाई पहुंचाने की प्रक्रिया दिखाने के साथ सोलर संचालित पानी टंकी, पंप हाउस में ले जाया गया।

बच्चों को श्यामपुर नदौना पेयजल योजना भी ले जाया गया। जहां फील्ड टेस्ट किट से प्रशिक्षित महिलाओं ने स्कूली बच्चों को जल जांच का तरीका सिखाया। यहां नुक्कड़ नाटक से स्कूली बच्चों को जल संरक्षण का महत्व बताया गया।

विद्यार्थियों ने सीखा जल को शुद्ध करने का तरीका

संसू, गोंडा : चार विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भ्रमण कर जल जीवन मिशन की परियोजना देखी। इसके बाद उन्हें जल शुद्ध करने का तरीका भी सिखाया गया। गुरुवार की सुबह जूनियर हाई स्कूल भदुआ तरहर,कंपोजिट विद्यालय पूरे उदई, मझौवा व पिपरा पुदम से आए छात्र-छात्राएं कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचे। यहां जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बच्चों के भ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जल जीवन मिशन के तहत रैली को रवाना करतीं डीएम नेहा शर्मा • जागरण

पिपरा पदुम से शबाना,शिक्षा मित्र शिवकुमार यादव, पूरे उदई की शिक्षिका निवेदिता द्विवेदी, डिस्ट्रिक प्रोजेक्ट मानीटरिंग यूनिट के जिला संयोजक राम भवन,जल जीवन मिशन की जिला समन्वयक अनिल त्रिपाठी व पूनम देवी की अगुवाई में बच्चों का दल पूरे उदई गांव पहुंचा जहां जल जीवन मिशन की चल रही परियोजना देखी। यहां ग्रामीणों को शुद्ध जल देने के लिए हो रही बोरिंग व निर्माणाधीन पानी टंकी व पाइप लाइन समेत अन्य कार्यों को देखकर बच्चे जल निगम कार्यालय आए। जल निगम कार्यालय परिसर में बच्चों को जल की जांच कर व उसे शुद्ध करने का तरीका बताया गया। इसके बाद बच्चों ने बाला जी का दर्शन किया। इसके बाद सभी बच्चे विद्यालय लौट गए।

सत्य संगम
हिन्दी दैनिक

राजधानी

स्कूली बच्चों को नजदीक से देखने को मिली ग्रामीण पेयजल योजना

गोण्डा, सहारनपुर, बस्ती, बहराइच में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल का आयोजन

सत्य संगम संवाददाता

लखनऊ। हाथों में जल संरक्षण के स्लोगन लिखी तख्तियां लिये स्कूली बच्चे गांव वालों को जल बचाने का संदेश दे रहे थे तो दूसरी ओर कुछ बच्चे जल की कीमत समझाने वाले पम्फलेट घर-घर में बांट रहे थे। मौका था नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का। जिसमें स्कूली बच्चों ने जल जागरूकता रैली निकाली। कुछ इस तरह का माहौल गोण्डा, सहारनपुर, बस्ती, बहराइच में दिखाई दिया। बड़ी संख्या में इन जल ज्ञान यात्राओं में सरकारी स्कूली बच्चों ने भाग लिया।

गोण्डा में जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। स्कूली बच्चों ने जल जागरूकता रैली निकाली। उनको जल जीवन मिशन की ग्रामीण पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। पेयजल सप्लाई की कार्यप्रणाली समझाने के साथ ही ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया भी दिखाई गई।

इसी तरह सहारनपुर में जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया। गंगोह ब्लाक से शुरू हुई यात्रा सबसे पहले जल निगम ग्रामीण की लैब पहुंची। मुबारकपुर पेयजल योजना पहुंचे छात्र-छात्राओं को यहां बनी पानी टंकी, पम्प हाउस और सोलर पैनल देखने को मिले। बस्ती में विकासखंड साऊंघाट के खुटहना ग्राम पेयजल योजना के लिए स्कूली बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) अधिशासी अभियंता अनिल कुमार राव ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। स्कूली बच्चों को खुटहना ग्राम पेयजल योजना में पानी टंकी और पम्प हाउस दिखाया गया।

बहराइच में जिलाधिकारी कार्यालय से डीएम मोनिका रानी ने हरी झण्डी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने स्कूली बच्चों को जल के महत्व की जानकारी दी। सबसे पहले स्कूली बच्चों को सुमरौली पेयजल योजना ले जाया गया। स्कूली बच्चों को विकास खंड चित्तौरा से श्यामपुर नदौना पेयजल योजना भी ले जाया गया। यहां नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्कूली बच्चों को जल संरक्षण की कीमत समझाई गई। हर घर जल योजना से ग्रामीणों को मिले फायदे भी बताए गये।

- जल ज्ञान यात्रा में शामिल स्कूली बच्चों ने निकाली जल जागरूकता रैली
- जल संरक्षण के स्लोगन लिखी तख्तियां हाथों में लिये बच्चों ने जल संरक्षण का संदेश दिया
- जल जीवन मिशन ग्रामीण पेयजल योजना का स्कूली बच्चों ने किया भ्रमण
- योजना पर पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया जानी, जल गुणवत्ता जांच का परीक्षण भी देखा

एजेंसियों को 10 दिन का अल्टीमेटम, चीफ इंजीनियर को डाट

विश्ववार्ता ब्यरो

अलीगढ़। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने रविवार को खैर तहसील के हसनपुर जरैलिया गांव में जल जीवन मिशन की योजन का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रमुख सचिव ने जरैलिया गांव के लोगों को आश्वस्त किया कि अब उनके गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। जिन गांव में खारे पानी की समस्या है वहां लगातार कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। दिसम्बर 2024 तक हर घर को शुद्ध पेयजल की सप्लाई देने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। प्रमुख सचिव गांव वालों की ओर से कम्पोजित विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

इससे पहले कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव, नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव ने जल निगम के चीफ इंजीनियर और अधिशासी अभियंता को जमकर फटकार लगाई। कहा कि योजना के कार्य की प्रगति धीमी रही तो अधिकारियों की खैर नहीं। उन्होंने एक-एक कर एजेंसियों की रिपोर्ट ली। कार्य की धीमी प्रगति को देखते हुए चेतावनी दी कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने के लिए तैयार रहें। अगली समीक्षा बैठक के बाद उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई का फैसला लिया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को कार्य सुधारने के लिए अगले 10 दिन का समय दिया है।

- जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण करने अलीगढ़ पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे
- खैर तहसील के हसनपुर जरैलिया गांव के कम्पोजिट विद्यालय में गांव वालों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए प्रमुख सचिव
- प्रमुख सचिव ने गांव वालों को किया आश्वस्त-अब उनके गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी, सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत

इस दौरान जरैलिया गांव के निवासी वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी प्रताप सिंह, जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह, जल निगम के चीफ इंजीनियर, अधिशासी अभियंता समेत विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बच्चों को बताया गया जल का महत्व

बस्ती। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल पर पहली बार जल ज्ञान यात्रा का आयोजन हुआ। इसमें सरकारी स्कूलों के बच्चों को शामिल किया गया। यात्रा के दौरान उन्हें जल का महत्व बताया गया। बच्चों को जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना की जानकारी दी गई। उन्हें जल निगम के लैब में जल जॉंच करके दिखाया गया। संवाद

स्वस्थ जीवन के लिए करें स्वच्छ जल का प्रयोगः जिलाधिकारी

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर : जिलाधिकारी पवन कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में हर घर जल ज्ञान रथ यात्रा को रवाना किया। विभिन्न विद्यालय के छात्रों को जलनिगम के लैब में वाटर टेस्टिंग की विधि बताई गई। ज्ञान रथ ने उस्का बाजार ब्लाक क्षेत्र का भ्रमण किया। कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया।

डीएम ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ जल का प्रयोग करना चाहिए। स्वच्छ पेयजल प्रयोग करने से कई प्रकार के रोग से बचाव संभव है। दूषित जल से सर्वाधिक पेट से संबंधित रोग होते हैं। पाचन क्रिया प्रभावित होने लगती है। इससे शरीर कमजोर होता है और गंभीर रोग से व्यक्ति ग्रसित हो जाता है। खुले में शौच करने से कीटाणु हवा के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं। विषम परिस्थितियों में दूषित जल को शुद्ध किया जा सकता है। इसकी जानकारी सभी लोगों को होनी चाहिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में मानसून जब सक्रिय होता है तो ग्रामीण को चाहिए कि वह घरेलू विधि से जल को शुद्ध बनाए। पानी को उबालने के बाद उसके सभी कीटाणु समाप्त हो जाते हैं। अधिशासी अभियंता जलनिगम मदन रामपाल, चंद्रपाल सोनी, अंकित पाठक, ग्राम प्रधान रामप्रकाश यादव, तौकीर आजम, गोविंद सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

- कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना हुई हर घर जल ज्ञान रथ यात्रा
- नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक

कलेक्ट्रेट के सामने झंडी दिखाकर जल जीवन मिशन का शुभारंभ करते जिलाधिकारी पवन अग्रवाल बाएं • जागरण

डीएम ने गठित की टीम, नाली निर्माण की होगी जांचः सिद्धार्थनगर : बांसी-इटवा मार्ग स्थित रानीगंज-सूपा चेतिया मार्ग के बीच में नाली का निर्माण कराया जा रहा है। कुछ लोगों ने जिलाधिकारी से शिकायत की कि नाली निर्माण में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती जा रही है। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने इसे गंभीरता सेते हुए मामले की जांच के लिए दो सदस्यीय टीम कर दी है। इसमें से उप जिलाधिकारी बांसी कुणाल की अध्यक्षता मं टीम गठित कर दी है। टीम में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड को सदस्य के रूप में रखा गया है। टीम जांच के बाद अपनी रिपोर्ट डीएम को सौंपेगी। डीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेंगे।

यहां और अन्य खबरें देंखे
https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

छात्र-छात्राओं ने जल की जरूरत को समझा

जल ज्ञान यात्रा के लिए बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करतीं राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला● सौ. सूचना विभाग

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात : परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा के तहत जल की कीमत और बचाने की जरूरत को समझा। जल निगम लैब में जल की गुणवत्ता की जांच देखी।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से आयोजित जल ज्ञान यात्रा को ले जा रही बस को माती से महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला व बीएसए रिद्धी पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के दौरान छात्र छात्राओं ने जल की कीमत को समझा और जल बचाने के लिए लोगों को जागरूक करने की शपथ भी ली।

जल निगम (ग्रामीण) लैब ले जाया गया जहां बच्चों ने जल गुणवत्ता की जांच देखी और उसकी उपयोगिता जानी। साथ ही पंप हाउस और सोलर पैनल भी दिखाए गए। कार्यक्रम का आयोजन स्वजन फाउंडेशन एवं साइबर एकेडमी की सहभागिता से संचालित हुआ। इस दौरान अनुश्रवण इकाई के जिला समन्वयक शशांक यादव, आइएसए समन्वयक ज्योति चौधरी, परियोजना प्रबंधक अजमल परवाज खान उपस्थित रहे।

बच्चों को बताई गई जल संरक्षण की अहमियत

गोरखपुर। गोरखपुर ग्रामीण विधायक बिपिन कुमार सिंह ने मंगलवार को जल ज्ञान यात्रा में बच्चों को संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का संकल्प दिलाया। इस दौरान नुक्कड़ नाटक, निबंध प्रतियोगिता के विजयी छात्रों को उन्होंने पुरस्कृत भी किया। इससे पूर्व सीडीओ संजय कुमार मीना ने हरी झंडी दिखा यात्रा को रवाना किया। जिला जल विश्लेषण प्रयोगशाला राप्तीनगर में हुए कार्यक्रम में जल निगम (ग्रामीण) के मुख्य अभियंता सौरभ सुमन, नोडल देवेश गुप्ता आदि रहे।

जल ज्ञान यात्रा को राज्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

कानपुर देहात। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा आयोजित की गई। यात्रा का शुभारंभ राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला व बीएसए रिद्धी पांडेय ने संयुक्त रुप से हरी झंडी दिखाकर किया। यात्रा में स्कूली बच्चों ने जल ही जीवन की महत्ता को समझा। कार्यक्रम का आयोजन स्वजन फाउंडेशन एवं साइबर एकेडमी के सहयोग से संचालित किया गया। इस दौरान डीसी शशांक यादव,आईएसए समन्वयक ज्योति चौधरी,पीडी अजमल परवाज खान मौजूद रहे।

जल ज्ञान यात्रा को डीएम ने दिखाई हरी झंडी

सिद्धार्थनगर। जल जीवन मिशन हर घर जल के जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत कलक्ट्रेट परिसर से डीएम पवन अग्रवाल ने जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें तीन बसों पर 10 विद्यालयों के 125 बच्चों के साथ 14 शिक्षक जल ज्ञान यात्रा में शामिल रहे। विभिन्न विद्यालयों से आए छात्रों को जल निगम ले जाकर लैब में वॉटर टेस्टिंग करना सिखाया गया। इसके बाद उसका ब्लॉक के ग्राम पंचायत कटकी में परियोजना का अवलोकन कराया गया। इस दौरान जल जीवन मिशन पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डीसी चंद्रपाल सोनी, डीपीएमयू अंकित पाठक, प्रधान राम प्रकाश यादव, तौकीर आजम, गोविंद सिंह मौजूद रहे। संवाद

जल ज्ञान यात्रा में बच्चों ने सीखा जलापूर्ति का तरीका

कानपुर देहात। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से मंगलवार को बीआरसी अकबरपुर से राज्यमंत्री ने परिषदीय स्कूलों को जल ज्ञान यात्रा के लिए झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के शुभारंभ मौके पर राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि इससे बच्चों को पेयजल की आपूर्ति और इससे जुड़े तंत्र को समझने का मौका मिलेगा। यहां बीएसए रिद्धी पांडेय भी रहीं। स्कूली बच्चों ने पेयजल के महत्व को समझ कर पानी बचाने की शपथ ली। ये बच्चे माती स्थित जल निगम (ग्रामीण) लैब में गए। यात्रा स्वजन फाउंडेशन एवं साइबर एकेडमी की सहभागिता से की गई। यहां अनुश्रवण इकाई के जिला समन्वयक शशांक यादव ज्योति चौधरी व अजमल परवाज खान रहे। (संवाद)

स्कूली बच्चों को बताई गयी जल संरक्षण की एहमियत

गोरखपुर में जल ज्ञान यात्रा का किया गया आयोजन

- सरकारी स्कूली बच्चों ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा
- स्कूली बच्चों को जल गुणवत्ता जांच, वॉटर सप्लाई स्कीम आदि का भ्रमण कराया
- जागरूकता के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक, निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सत्य संगम संवाददाता

गोरखपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से मंगलवार को गोरखपुर में जल ज्ञान यात्रा का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीडीओ आईएएस संजय मीणा जी ने हरी झंडी दिखाकर किया। जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से स्कूली बच्चों को जल संरक्षण एवं उसके महत्त्व के बारे में बताया गया। इस यात्रा में स्कूली बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जल ज्ञान यात्रा के अंतर्गत सभी बच्चों को जल जांच की प्रक्रिया दिखाने के साथ-साथ भूजल उपचार और अन्य संबंधित मुद्दों की जानकारी दी गयी। सबसे पहले उन्हें जिला जल विश्लेषण प्रयोगशाला ले जाया गया जहाँ उन्होंने जल गुणवत्ता जांच को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इसके बाद बच्चों ने वॉटर सप्लाई स्कीम का भ्रमण किया साथ ही पेयजल परियोजनाओं के बारे में भी जाना। जल संरक्षण व उसकी गुणवत्ता से जुड़ी जानकारियाँ प्राप्त करने के बाद बच्चों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया गया और निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों को बताई जल संरक्षण की अहमियत

स्वदेश संवाद ■ लखनऊ

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से मंगलवार को गोरखपुर, सिद्धार्थनगर और कानपुर देहात में जल ज्ञान यात्रा का सफल आयोजन किया गया। गोरखपुर में सीडीओ संजय मीणा, कानपुर देहात में बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला और सिद्धार्थनगर में जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने यात्रा का शुभारंभ किया। जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से स्कूली बच्चों को जल संरक्षण एवं उसके महत्व के बारे में बताया गया।

इस यात्रा में स्कूली बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जल ज्ञान यात्रा के अंतर्गत सभी बच्चों को जल जांच की प्रक्रिया दिखाने के साथ-साथ भूजल उपचार और अन्य संबंधित मुद्दों की जानकारी दी गयी। सबसे पहले उन्हें जिला जल विश्लेषण प्रयोगशाला ले जाया गया जहाँ उन्होंने जल गुणवत्ता जांच को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इसके बाद बच्चों ने वॉटर सप्लाई स्कीम का भ्रमण किया साथ ही पेयजल परियोजनाओं के बारे में भी जाना। जल

संरक्षण व उसकी गुणवत्ता से जुड़ी जानकारियाँ प्राप्त करने के बाद बच्चों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया गया और निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

सिद्धार्थनगर में ग्राम पंचायत कटकी विकासखंड उसका बाजार में परियोजना का अवलोकन कराया गया। कानपुर देहात में तिगाई पेयजल योजना का भ्रमण करने के दौरान स्कूली बच्चों को यहां बने पम्प हाउस को देखने का मौका मिला। उन्होंने वहां लगी मशीनों के कार्यों की जानकारी ली।

सुस्त मिला काम, कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने की चेतावनी

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने मोंठ तहसील में बरथरी ग्राम पेयजल योजना का निरीक्षण किया। जल जीवन मिशन का कार्य कर रही बीजीसीसी कंपनी का काम सुस्त मिला। उन्होंने कंपनी को निर्देश दिए कि तीन दिन में काम नहीं सुधरा तो टर्मिनेशन के साथ ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा।

प्रमुख सचिव ने कंपनी को सड़कों की मरम्मत के लिए सभी गांव में तत्काल टीम तैनात करने, सभी प्रोजेक्ट पर मैन पावर तीन गुना करने के निर्देश दिए। बरथरी में डब्ल्यूटीपी की दशा देख बिफरे प्रमुख सचिव ने बीजीसीसी कंपनी प्रबंधन से सवाल पूछा कि नीयत नहीं है या क्षमता।

उनके सवालों पर कंपनी प्रबंधन और जल निगम के अफसर बगले झांकते नजर आए। कंपनी प्रबंधन ने प्रमुख सचिव नमामि गंगे से एक और मोहलत मांगी है। इससे पहले बरथरी ग्राम पेयजल योजना का

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव ने किया मोंठ में निरीक्षण

अधिकारियों को हर सप्ताह काम की मॉनीटरिंग करने के दिए निर्देश

लगभग एक घंटे तक उन्होंने निरीक्षण किया। एक-एक चीज देखी और अधिकारियों से सवाल भी किए। वहीं, उन्होंने कहा कि अगर कंपनी काम नहीं कर पा रही है तो उसको ब्लैकलिस्ट करने के साथ जुर्माना राशि बढ़ाई जाए। वहीं, अधिकारी भी काम की मॉनीटरिंग लगातार करते रहे।

इससे पहले प्रमुख सचिव ने ललितपुर में भी योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने झांसी सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ योजनाओं की समीक्षा की।

यहां से वो सीधे बरथरी ग्राम पेयजल योजना का निरीक्षण करने पहुंचे। उनके साथ जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह भी रहे।

बहजोई में जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करतीं सीडीओ।

जल ज्ञान यात्रा को रवाना किया

बहजोई। गुरुवार को कलेक्टेट परिसर से सीडीओ कमलेश सचान ने जल ज्ञान यात्रा के तहत बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा में सरकारी स्कूलों ने हिस्सा लिया। बच्चों को जल निगम की प्रयोगशाला ले जाकर जल गुणवत्ता की जांच का परीक्षण कर दिखाया गया। बताया कि गांव में महिलाएं फील्ड टेस्ट किट से 11 तरह के पानी की जांच कर सकती हैं।

जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों को मिली 'जल संरक्षण' की सीख

स्वदेश संवाद ■ संभल

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन गुरुवार को संभल जिले में किया गया। इसमें बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों से आए बच्चों ने भाग लिया। उनको यहां जल की महत्ता और उपयोगिता की जानकारी मिली। ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रही जल जीवन मिशन की हर घर योजना के बारे में उन्हें पता चला। योजना के तहत बनाई गई पानी टंकी और पम्प हाउस में पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया भी देखने को मिली। जल गुणवत्ता की जांच भी उन्होंने जल निगम (ग्रामीण) की लैब में जाकर देखी।

संभल सीडीओ श्रीमती कमलेश सचान ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया जिसमें स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों को जल निगम प्रयोगशाला ले जाया गया जहाँ उन्होंने जल गुणवत्ता की जांच का परीक्षण करके दिखाया गया। स्कूली बच्चों को बताया गया कि ग्रामीण महिलाएं गांव-गांव में फील्ड टेस्ट किट से 11 तरह की पानी जांच करती हैं। स्कूली बच्चों ने भी अपने हाथ से

जल की जांच करके देखी। इसके बाद उन्हें सिरोही पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। यहां पानी की टंकी देखी और पम्प हाउस में पहुंचे बच्चों ने कई तरह के सवाल परिसर में मौजूद जल निगम के अधिकारियों से किये।परिसर में ही उनके लिए जल जागरूकता की क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। स्कूली बच्चों को जल ज्ञान यात्रा में शामिल होने के लिए प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये। पहली बार जल ज्ञान यात्रा में भाग लेने वाले बच्चों के लिए यह यात्रा यादगार बन गई।

पानी के महत्व को बताया

श्रावस्ती। युवा पीढ़ी को जल जीवन मिशन की परियोजनाओं का सहभागी बनाने के लिए जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया जा रहा है। शुक्रवार को अपर जिलाधिकरी अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट परिसर में जल ज्ञान यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। बच्चों को पानी के महत्व को बताया गया।

सुनो गांव-शहर के भाई, बिन जल न जीवन बच पाई

- छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाल पानी बचाने को किया जागरूक
- मनिहारी की उच्च प्राथमिक कन्या विद्यालय के बच्चों ने किया कार्यक्रम

संवाद सहयोगी, गाजीपुर: मनिहारी की उच्च प्राथमिक कन्या विद्यालय की कक्षा सात में पढ़ने वाली छात्रा अंजलि 'सुनो गांव-शहर के भाई, बिन जल न जीवन बच पाई' जल गीत सुना रही थीं, तो दूसरी ओर कक्षा आठ की प्रीति, आफरीन बानो और कक्षा सात की किरन कुमारी जल पर 'नाटक' प्रस्तुत कर रही थीं। जल जागरुकता की अलख जगाते स्कूली बच्चे हाथों में जल संरक्षण के स्लोगन लिखी तख्तियां पकड़े गांव में जागरुकता फैला रहे थे। कुछ इस तरह का माहौल शुक्रवार को मनिहारी खंड के गुरैनी गांव में देखने को मिला।

मनिहारी के ग्राम गुरैनी में जलापूर्ति योजना को देखते उच्च प्राथमिक कन्या विद्यालय मनिहारी के बच्चे • जागरण

यहां नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया था। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, मनिहारी से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता मो. कासिम हाशमी, खंड शिक्षा अधिकारी हेमवंत कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया। जल ज्ञान यात्रा में आठ स्कूलों के 200 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया।

पढ़ाई के साथ बच्चों ने जल संरक्षण का भी ज्ञान प्राप्त किया। यात्रा के दौरान बच्चों ने जल निगम (ग्रामीण) लैब में पानी की जांच देखी। पेयजल योजना का भ्रमण किया साथ ही उन्हें जल का महत्व बताने वाली सामग्री भी बांटी गयी। स्कूली बच्चों में जल ज्ञान यात्रा में भाग लेने के लिए उत्साह देखते ही बना।

खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्रारंभ हुई जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों को सबसे पहले पेयजल योजना ग्राम गुरैनी, खंड मनिहारी ले जाया गया। यहां उनको हर घर जल योजना के तहत बनी पानी टंकी और पंप हाउस दिखाया गया। पंप हाउस से कैसे पानी टंकी से ग्रामीणों को सप्लाई के लिए भेजा जाता है इसकी प्रक्रिया दिखाई गई।

परिसर में ही स्कूली बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) लैब कर्मियों ने जल जांच परीक्षण करके दिखाया। उनको फील्ड टेस्ट किट प्रशिक्षित महिलाओं ने 11 तरह की जल जांच करके भी दिखाई। नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों ने हर घर जल योजना से गांव-गांव आए बदलाव की कहानी प्रस्तुत की। जल संरक्षण के लिए जागरूक भी किया गया। स्कूली बच्चों को जल ज्ञान यात्रा में भाग लेने के लिए प्रमाण पत्र भी दिए गए।

जल ज्ञान यात्रा निकाली

श्रावस्ती। युवाओं को जल जीवन मिशन परियोजना का सहभागी बनाने के लिए शुक्रवार को जल ज्ञान यात्रा निकाली गई। एडीएम ने कलेक्ट्रेट परिसर से इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एडीएम अमरेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि जल ज्ञान यात्रा में जिले के परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को गिलौला के औरैया निधान पेयजल परियोजना का भ्रमण कराया जाएगा। साथ ही बच्चों को जल जांच की प्रक्रिया दिखाने व उन्हें जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के छात्र छात्राएं एवं जल निगम के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। (संवाद)

कलेक्ट्रेट में जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाते एडीएम। संवाद

जल ज्ञान यात्रा : सुनो गांव-शहर के भाई, बिन जल न जीवन बच पाई

स्वदेश संवाद ■ लखनऊ

गाजीपुर, देवरिया और श्रावस्ती में शुक्रवार को जल ज्ञान यात्रा आयोजित की गई। गाजीपुर में तो स्कूली बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। यहां मनिहारी की उच्च प्राथमिक कन्या विद्यालय की कक्षा सात में पढ़ने वाली अंजलि 'सुनो गांव-शहर के भाई, बिन जल न जीवन बच पाईज.' जल गीत सुना रही थीं, तो दूसरी ओर कक्षा आठ की प्रीति, आफरीन बानो और कक्षा सात की किरन कुमारी जल पर 'नाटक' प्रस्तुत कर रहे थे। जल जागरूकता की अलख जगाते स्कूली बच्चे हाथों में जल संरक्षण के स्लोगन लिखी तख्तियां पकड़े गांव में जागरूकता फैला रहे थे।

कुछ इस तरह का माहौल शुक्रवार को गाजीपुर के मनिहारी खण्ड के गुरैनी गांव में देखने को मिल रहा था। यहां नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, मनिहारी से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता मो. कासिम हाशमी, खण्ड शिक्षा अधिकारी हेमवंत कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया।

देवों की नगरी भी कहे जाने वाले गोरखपुर के देवरिया जिले में बड़ी संख्या में सरकारी स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। उनको जल संरक्षण की जानकारी देने के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना की जानकारी दी गई। उनको ग्रामीणों के घरों तक लगाए जा रहे नल कनेक्शन और प्रदान किये जा रहे स्वच्छ जल के बारे में बताया गया। उनको ग्राम्य पेयजल योजना का भ्रमण कराने के साथ ही जल गुणवत्ता की जांच के फायदे भी गिनाए गये।

स्वच्छ पेयजल के महत्व के बारे में जान रहे स्कूली बच्चे

हरदोई। हमारे जीवन में जल कितना महत्वपूर्ण है और उसके संरक्षण की आवश्यकता क्यों है इसके बारे में स्कूली बच्चों ने जाना। हरदोई में शुक्रवार का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास और अलग अनुभव वाला रहा। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन किया गया। हरदोई के प्रधान संघ के जिला उपाध्यक्ष बन्नू सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। यूपी में चल रही 'हर घर जल' योजना के बारे में बच्चों को अवगत कराया गया। बच्चों को नयागांव मुबारकपुर में नवनिर्मित पानी टंकी दिखाई गयी, ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाने की प्रक्रिया भी बच्चों ने देखी। इस यात्रा के दौरान बच्चों ने जल संरक्षण के प्रति संकल्प लिया। बता दें कि यूपी में स्कूली बच्चों के लिए आयोजित की जा रही जल ज्ञान यात्रा जानकारी और जागरूकता के उद्देश्य से बहुत प्रभावी साबित हो रही है।

बच्चों को समझाया गया स्वच्छ पेयजल का महत्व

हरदोई। जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से शुक्रवार को परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को स्वच्छ पेयजल का महत्व समझाया गया। बताया गया कि स्वच्छ पानी के सेवन से कई बीमारियों से बचाव होता है। विकास खंड अहिरोरी के नयागांव मुबारकपुर में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा कार्यक्रम हुआ। प्रधान संघ के जिला उपाध्यक्ष बन्नू सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। हर घर जल योजना की बच्चों को जानकारी दी। नवनिर्मित पानी टंकी और घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की प्रक्रिया भी बच्चों ने देखी। बच्चों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। अमित आर्य नमामि गंगे के पदाधिकारी व शिक्षक आदि शामिल रहे। (संवाद)

स्वस्थ रहने में स्वच्छ जल की भी भागीदारी :सीडीओ

कन्नौज। हमारे स्वस्थ रहने में शुद्ध पेयजल का बहुत योगदान है। स्वच्छ जल के प्रयोग से बीमारियां दूर रहती हैं ऐसी कई जानकारियां शुक्रवार को कन्नौज में स्कूली बच्चों को दी गईं। 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से किया गया। यात्रा का शुभारंभ कन्नौज के मुख्य विकास अधिकारी आरएन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। जल के प्रति जागरूकता को लेकर बच्चों ने रुचि दिखाई और बढ़ चढ़कर इस यात्रा में हिस्सा लिया। जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से स्कूली बच्चों को हर घर जल की आवश्यकता और उसके लक्ष्य के बारे में विस्तार से बताया गया। ग्रामीण परिवारों तक नल के माध्यम से सुलभ हो रहे शुद्ध पेयजल के बारे में भी बच्चों ने जाना।

बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला में जल नमूनों की जांच करके दिखाई गयी, मन में उठ रहे सवालों के जवाब पाकर बच्चे संतुष्ट हुए। बच्चों को बेहरापुर गैसापुर पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। बच्चों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग के लाभ बताये गए, यात्रा के बाद कला प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। बता दें कि उत्तर प्रदेश में आयोजित हो रही जल ज्ञान यात्रा स्कूली बच्चों को न सिर्फ जल परियोजनाओं से अवगत करा रही है साथ ही जल संरक्षण के प्रति जानकारी भी दे रही है।

स्वस्थ रहने में स्वच्छ जल की भी भागीदारी

विश्ववार्ता ब्यूरो

कन्नौज। हमारे स्वस्थ रहने में शुद्ध पेयजल का बहुत योगदान है। स्वच्छ जल के प्रयोग से बीमारियाँ दूर रहती हैं ऐसी कई विशेष जानकरी शुक्रवार को कन्नौज में स्कूली बच्चों को दी गयी। ये अवसर था 'जल ज्ञान यात्रा' का जिसका आयोजन नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से किया गया।

यात्रा का शुभारंभ कन्नौज के मुख्य विकास अधिकारी आर.एन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। जल के प्रति जागरूकता को लेकर बच्चों ने रुचि दिखाई और बढ़ चढ़कर इस यात्रा में हिस्सा लिया। जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से स्कूली बच्चों को हर घर जल की आवश्यकता और उसके लक्ष्य के बारे में विस्तार से बताया गया। ग्रामीण परिवारों तक नल के माध्यम से सुलभ हो रहे शुद्ध पेयजल के बारे में भी बच्चों ने जाना।

बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला में जल नमूनों की जांच करके दिखाई गयी, मन में उठ रहे सवालों के जवाब पाकर बच्चे संतुष्ट हुए। बच्चों को बेहरापुर गैसापुर पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। बच्चों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग के लाभ बताये गए, यात्रा के बाद कला प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। बता दें कि उत्तर प्रदेश में आयोजित हो रही जल ज्ञान यात्रा स्कूली बच्चों को न सिर्फ जल परियोजनाओं से अवगत करा रही है, साथ ही जल संरक्षण के प्रति जानकारी भी दे रही है।

छात्र-छात्राओं को कराया गया एसटीपी प्लांट का भ्रमण

उन्नाव। निराला प्रेक्षागृह से निकाली गई जल ज्ञान बस यात्रा को सीडीओ ऋषिराज, एडीएम नरेंद्र सिंह ने हरी झंडी दिखाई। इसमें छात्र छात्राओं को विकासखंड सिकंदरपुर कर्ण के ग्राम डकारी में निर्मित 15 एमएलडी क्षमता के एसटीपी प्लांट का भ्रमण कराया गया। छात्र-छात्राओं को घरेलू दूषित उत्प्रवाह के रोक उसका शोधन कर गंगा नदी में प्रवाहित किए जाने की जानकारी दी गई। लैब केमिस्ट निवेदिता भारद्वाज ने जनपद स्तरीय जल विश्लेषण प्रयोगशाला का भ्रमण करा भूगर्भ जल में पाए जाने वाली रासायनिक अशुद्धियों की जल जांच की जानकारी भी दी। (संवाद)

जागरूकता

उन्नाव में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल, जल ज्ञान यात्रा का आयोजन

जल ज्ञान यात्रा से संवर रहा स्कूली बच्चों का भविष्य

- एडीएम नरेन्द्र कुमार सिंह एवं सीडीओ ऋषि राज ने किया शुभारंभ
- विकास खंड विछिया की टीकर गढ़ी पाइप पेयजल योजना का भ्रमण कराया

विश्ववार्ता ब्यूरो

उन्नाव । स्वच्छ जल और उसकी एहमियत क्या होती है इसको उन्नाव के स्कूली बच्चों ने भलीभांति जाना। उन्नाव में गुरुवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

यात्रा का शुभारंभ एडीएम नरेन्द्र कुमार सिंह एवं सीडीओ ऋषि राज ने हरी झंडी दिखाकर किया। जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से स्कूली बच्चों को यूपी में चल रही 'हर घर जल' योजना की जानकारी दी गयी। बच्चों को सबसे पहले विकास खंड विछिया की टीकर गढ़ी पाइप पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। यहां बनी पानी टंकी और पम्प हाउस दिखाया गया। ग्रामीणों को दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया बच्चों को दिखाई गई। जिसके बाद स्कूली बच्चों ने पानी टंकी भी देखी। इसके बाद उनको ग्राम डकारी में 15 एमएलडी क्षमता के एसटीपी प्लांट को दिखाया गया। इसके बाद उनको अकरमपुर स्थित जल विश्लेषण प्रयोगशाला में जल की गुणवत्ता की जांच दिखाई गई। स्कूली बच्चों ने भी यहां अपने हाथों से जल जांच की।

इस यात्रा के द्वारा स्कूली बच्चों ने जल के महत्व को समझा और लोकगीत के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी हुए। इस यात्रा में शामिल हुए बच्चों का उत्साह और खुशी देखते ही बनी। यात्रा के दौरान जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ बच्चों के मन में उठे सवालों के जवाब वहां के अधिकारियों ने बहुत सरल और प्रभावी ढंग से दिए जिसे पाकर बच्चों के चेहरे पर संतुष्टि साफ़ देखी जा सकती थी। बता दें कि स्कूली बच्चों को जल की एहमियत और जल परियोजनाओं की जानकारी से जोड़ने के लिए यूपी में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। ऐसी सकारात्मक पहल करने वाला उत्तर प्रदेश एकमात्र राज्य है।

abp LIVE

UP News: नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकला यूपी, ऐसा करने वाला अकेला राज्य

UP Nal Connections News: इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है.

यूपी नल कनेक्शन देने में निकला आगे (सांकेतिक तस्वीर)

UP Tap Connections News: यूपी में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है. यूपी ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया. जबकि, राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं. इस उपलब्धि को हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है. जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश निरंतर जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में बुलंदियां हासिल कर रहा है.

उन्होंने कहा कि हम बहुत जल्द यूपी के एक-एक ग्रामीण परिवार तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा करेंगे. विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब यूपी में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था. वहीं, 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था. इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में यूपी का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है.

प्रतिदिन दिये जा रहे 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन

विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं. बुंदेलखंड के अधिकतर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है. महोबा में 97.57 प्रतिशत, ललितपुर में 97.33 प्रतिशत, झांसी में 96.40 फीसद और बांदा में 95.39 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है.

किस जिले में कितने कनेक्शन दिये

वहीं, विंध्य क्षेत्र में भी तेजी से नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं. मिर्जापुर जिले में 96.27 प्रतिशत प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं. पश्चिम क्षेत्र की बात करें तो बागपत जिले में 93.77 प्रतिशत, शामली में 92.94 फीसद, मेरठ 91.32 प्रतिशत और पूरब के वाराणसी में ग्रामीण परिवारों को 90 फीसदी से ऊपर नल कनेक्शन प्रदान कर स्वच्छ पेयजल की सप्लाई भी शुरू करा दी गई है.

इन जिलों पर अब सरकार का फोकस

बुंदेलखंड और विंध्य के जिलों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के बाद अब सरकार का फोकस आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर है. योजना के चतुर्थ फेज के तहत इन जिलों में गंगा और यमुना नदियों से पानी देने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है. इन जिलों में जल सप्लाई पहुंचाने का कार्य दिसंबर 2024 तक पूरा किया जाना है.

यूपी नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से आगे निकला

लखनऊ, 19 दिसंबर (आईएएनएस)। यूपी में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है। यूपी ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया। जबकि, राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है।

इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश निरंतर जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में बुलंदियां हासिल कर रहा है। हम बहुत जल्द यूपी के एक-एक ग्रामीण परिवार तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा करेंगे।

विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब यूपी में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था। वहीं, 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था। इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में यूपी का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है।

विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। बुंदेलखंड के अधिकतर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है। महोबा में 97.57 प्रतिशत, ललितपुर में 97.33 प्रतिशत, झांसी में 96.40 फीसद और बांदा में 95.39 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है।

वहीं, विंध्य क्षेत्र में भी तेजी से नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। मिर्जापुर जिले में 96.27 प्रतिशत प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। पश्चिम क्षेत्र की बात करें तो बागपत जिले में 93.77 प्रतिशत, शामली में 92.94 फीसद, मेरठ 91.32 प्रतिशत और पूरब के वाराणसी में ग्रामीण परिवारों को 90 फीसदी से ऊपर नल कनेक्शन प्रदान कर स्वच्छ पेयजल की सप्लाई भी शुरू करा दी गई है।

बुंदेलखंड और विंध्य के जिलों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के बाद अब सरकार का फोकस आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर है। योजना के चतुर्थ फेज के तहत इन जिलों में गंगा और यमुना नदियों से पानी देने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इन जिलों में जल सप्लाई पहुंचाने का कार्य दिसंबर 2024 तक पूरा किया जाना है।

NEWS असर सही खबर सही असर

नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकला यूपी, ऐसा करने वाला अकेला राज्य

विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं. बुंदेलखंड के अधिकतर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है. महोबा में 97.57 प्रतिशत, ललितपुर में 97.33 प्रतिशत, झांसी में 96.40 फीसद और बांदा में 95.39 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है.

यूपी में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है. यूपी ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया. जबकि, राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं. इस उपलब्धि को हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है. जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश निरंतर जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में बुलंदियां हासिल कर रहा है.

उन्होंने कहा कि हम बहुत जल्द यूपी के एक-एक ग्रामीण परिवार तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा करेंगे. विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब यूपी में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था. वहीं, 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था. इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में यूपी का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है.

विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं. बुंदेलखंड के अधिकतर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है. महोबा में 97.57 प्रतिशत, ललितपुर में 97.33 प्रतिशत, झांसी में 96.40 फीसद और बांदा में 95.39 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है.

हिन्दुस्तान

नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से आगे निकला यूपी

लखनऊ। विशेष संवाददाता

यूपी में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है। प्रदेश ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा कर लिया है। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिए गये हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने वाला यूपी अकेला राज्य है। इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है।

बुंदेलखंड-विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत घरों तक पहुंचा जल

उन्होंने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। बुंदेलखंड के अधिकतर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है। महोबा में 97.57 फीसदी, ललितपुर में 97.33, झांसी में 96.40 और बांदा में 95.39 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है। वहीं विंध्य क्षेत्र में मिर्जापुर में 96.27 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। पश्चिम क्षेत्र में बागपत में 93.77 फीसदी, शामली में 92.94, मेरठ 91.32 प्रतिशत और पूरब के वाराणसी में 90 फीसदी ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ पेयजल सप्लाई भी शुरू कराई है।

अब आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर फोकस

अब सरकार का फोकस आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर है। योजना के चतुर्थ फेज के तहत इन जिलों में गंगा और यमुना नदियों से पानी देने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इन जिलों में जल सप्लाई पहुंचाने का कार्य दिसंबर 2024 तक पूरा किया जाना है।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

उप्र ने नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत को भी किया पार

India | Status of tap water supply in rural homes

Total number of households (HHs)	Households with tap water connections as on 15 Aug 2019	Households with tap water connections as on date
		+1,18,132
19,24,75,601	3,23,62,838	13,85,73,532
	(16.81%)	(72.00%)

Uttar Pradesh | Status of tap water supply in rural homes

Total number of households (HHs)	Households with tap water connections as on 15 Aug 2019	Households with tap water connections as on date
		+34,222
2,63,28,557	5,16,221	1,89,62,431
	(1.96%)	(72.02%)

लखनऊ, 19 दिसम्बर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में रोजाना युद्धस्तर पर दिए जा रहे नल कनेक्शन का असर अब आंकड़ों में भी दिखने लगा है। उप्र में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है। यूपी ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं।

इस उपलब्धि को हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है। इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश निरंतर जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में बुलंदियां हासिल कर रहा है। हम बहुत जल्द उप्र के एक-एक ग्रामीण परिवार तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा करेंगे।

इसलिए महत्वपूर्ण है ये उपलब्धि

2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब उप्र में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था। वही 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था। इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में उप्र का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है।

बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत घरों तक पहुंचा नल से जल

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। बुंदेलखंड के अधिक्तर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है। महोबा में 97.57 प्रतिशत, ललितपुर में 97.33 प्रतिशत, झांसी में 96.40 फीसद और बांदा में 95.39 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है। वहीं विंध्य क्षेत्र में भी तेजी से नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। मीरजापुर जिले में 96.27 प्रतिशत प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। पश्चिम क्षेत्र की बात करें तो बागपत जिले में 93.77 प्रतिशत, शामली में 92.94 फीसद, मेरठ 91.32 प्रतिशत और पूरब के वाराणसी में ग्रामीण परिवारों को 90 प्रतिशत से ऊपर नल कनेक्शन प्रदान कर स्वच्छ पेयजल की सप्लाई भी शुरू करा दी गई है।

अब आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर फोकस

प्रवक्ता ने बताया कि बुंदेलखंड और विंध्य के जिलों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के बाद अब सरकार का फोकस आगरा, मथुरा और फिरोजाबाद पर है। योजना के चतुर्थ फेज के तहत इन जिलों में गंगा और यमुना नदियों से पानी देने का विषेश अभियान चलाया जा रहा है। इन जिलों में जल सप्लाई पहुंचाने का कार्य दिसम्बर 2024 तक पूरा किया जाना है।

live VNS

उप्र ने नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत को भी किया पार

- जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव ने विभाग की पूरी टीम को दी बधाई

लखनऊ, 19 दिसम्बर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में रोजाना युद्धस्तर पर दिए जा रहे नल कनेक्शन का असर अब आंकड़ों में भी दिखने लगा है। उप्र में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है। यूपी ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं।
इस उपलब्धि को हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है। इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश निरंतर जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में बुलंदियां हासिल कर रहा है। हम बहुत जल्द उप्र के एक-एक ग्रामीण परिवार तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा करेंगे।

इसलिए महत्वपूर्ण है ये उपलब्धि

2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब उप्र में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था। वही 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था। इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में उप्र का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है।
बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत घरों तक पहुंचा नल से जल

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। बुंदेलखंड के अधिक्तर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है। महोबा में 97.57 प्रतिशत, ललितपुर में 97.33 प्रतिशत, झांसी में 96.40 फीसद और बांदा में 95.39 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है। वहीं विंध्य क्षेत्र में भी तेजी से नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। मीरजापुर जिले में 96.27 प्रतिशत प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। पश्चिम क्षेत्र की बात करें तो बागपत जिले में 93.77 प्रतिशत, शामली में 92.94 फीसद, मेरठ 91.32 प्रतिशत और पूरब के वाराणसी में ग्रामीण परिवारों को 90 प्रतिशत से ऊपर नल कनेक्शन प्रदान कर स्वच्छ पेयजल की सप्लाई भी शुरू करा दी गई है।

अब आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर फोकस

प्रवक्ता ने बताया कि बुंदेलखंड और विंध्य के जिलों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के बाद अब सरकार का फोकस आगरा, मथुरा और फिरोजाबाद पर है। योजना के चतुर्थ फेज के तहत इन जिलों में गंगा और यमुना नदियों से पानी देने का विषेश अभियान चलाया जा रहा है। इन जिलों में जल सप्लाई पहुंचाने का कार्य दिसम्बर 2024 तक पूरा किया जाना है।

योजना से मिले ग्रामीण युवाओं व महिलाओं को रोजगार के मौके

सरकारी प्रवक्ता के अनुसार उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की ग्रामीण परिवारों को हर घर जल पहुंचाने की योजना का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा है। योजना से ग्रामीण युवाओं को रोजगार के मौके भी दिये जा रहे हैं। अब तक सात लाख से अधिक युवाओं को प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, मोटर मैकेनिक, फिटर, राजमिस्त्री और पम्प ऑपरेटर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 4,80,000 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को पानी जांच की ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

NATIONAL NEWS VISION

नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत से आगे निकला यूपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रोजाना युद्धस्तर पर दिए जा रहे नल कनेक्शन का असर अब आंकड़ों में भी दिखने लगा है। यूपी में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्टीय औसत से अधिक हो गई है।

यूपी ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है।

राष्ट्रीय औसत 72 प्रतिशत, यूपी ने 72.2 प्रतिशत घरों तक पहुंचाया नल से जल

इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है।

यूपी ने नल कनेक्शन देने में राष्ट्रीय औसत को भी किया पार

उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश निरंतर जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में बुलंदियां हासिल कर रहा है। हम बहुत जल्द यूपी के एक-एक ग्रामीण परिवार तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा करेंगे।

युद्ध स्तर पर यूपी में पूरा किया जा रहा हर घर जल योजना का कार्य

2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब यूपी में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था। वही 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था। इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में यूपी का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है।

बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत अधिक घरों तक पहुंचा नल से जल

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। बुंदेलखंड के अधिक्तर जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई दी गई है।

जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में यूपी को फिर मिली एक और उपलब्धि

महोबा में 97.57%, ललितपुर में 97.33%, झांसी में 96.40% और बांदा में 95.39% ग्रामीण परिवारों को हर घर जल की सौगात मिली है। वहीं विंध्य क्षेत्र में भी तेजी से नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं। मिर्जापुर जिले में 96.27% प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं।

News
भारत

जल जीवन मिशन की समीक्षा करने पहुंचे प्रमुख सचिव ने ली अफसरों की जमकर क्लास

झांसी: जल जीवन मिशन का कार्य कर रही बीजीसीसी कम्पनी को लापरवाही भारी पड़ सकती है। कम्पनी के लापरवाह रवैये के खिलाफ नमामि गंगे विभाग सख्त कदम उठा सकता है। मंगलवार को बुंदेलखंड पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने इसके संकेत दे दिये। उन्होंने झांसी की मोठ तहसील में बरतरी ग्राम पेयजल योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान अन्य एजेंसियों की तुलना में उनको बीजीसीसी कम्पनी का काम काफी सुस्त मिला।

मौके पर पहुंचे प्रमुख सचिव ने कम्पनी को निर्देश दिये कि तीन दिन में काम नहीं सुधरा तो टर्मिनेशन के साथ ब्लैक लिस्टिंग के लिए तैयार रहें। उनके साथ जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, सीडीओ झांसी जुनैद अहमद, एडीएम, जल निगम के चीफ इंजीनियर समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव ने बीजीसीसी कम्पनी को एक दिन में 50 गांव की कमिशनिंग करने, सड़कों की मरम्मत के लिए सभी गांव में तत्काल टीम तैनात करने, ओएनएम की टीम बढ़ाने और सभी प्रोजेक्टस पर तत्काल मैन पावर तीन गुना करने का लक्ष्य दिया है। बरथरी में डब्ल्यूटीपी की दशा देखा बिफरे प्रमुख सचिव ने कम्पनी प्रबंधन से सवाल पूछा की नियत नहीं या क्षमता नहीं प्रमुख सचिव के सवालों पर कम्पनी प्रबंधन और जल निगम के अफसर बगले झांकते नजर आए। कम्पनी प्रबंधन ने प्रमुख सचिव नमामि गंगे से एक और मोहलत मांगी है। इससे पहले बरथरी ग्राम पेयजल योजना का लगभग एक घंटे तक प्रमुख सचिव ने गहनता से निरीक्षण किया और बड़ी बारीकी से एक- एक चीज देखी और अधिकारियों से सवाल भी किये। इससे पहले प्रमुख सचिव ने ललितपुर में भी योजनाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने झांसी सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ योजनाओं की समीक्षा की। यहां से वो सीधे बरथरी ग्राम पेयजल योजना का निरीक्षण करने पहुंचे।

जनसेवा एक्सप्रेस
रखे खबर आपकी

तीन दिन में काम नहीं सुधरा तो टर्मिनेशन के साथ ब्लैक लिस्टिंग को रहें तैयार : प्रमुख सचिव

झांसी। जल जीवन मिशन का कार्य कर रही बीजीसीसी कम्पनी को लापरवाही भारी पड़ सकती है। कम्पनी के लापरवाह रवैये के खिलाफ नमामि गंगे विभाग सख्त कदम उठा सकता है। मंगलवार को बुंदेलखंड पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने इसके संकेत दे दिये। उन्होंने झांसी की मोठ तहसील में बरथरी ग्राम पेयजल योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान अन्य एजेंसियों की तुलना में उनको बीजीसीसी कम्पनी का काम काफी सुस्त मिला। मौके पर पहुंचे प्रमुख सचिव ने कम्पनी को निर्देश दिये कि तीन दिन में काम नहीं सुधरा तो टर्मिनेशन के साथ ब्लैक लिस्टिंग के लिए तैयार रहें। उनके साथ जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, सीडीओ झांसी जुनैद अहमद, एडीएम, जल निगम के चीफ इंजीनियर समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव ने बीजीसीसी कम्पनी को एक दिन में 50 गांव की कमिशनिंग करने, सड़कों की मरम्मत के लिए सभी गांव में तत्काल टीम तैनात करने, ओएनएम की टीम बढ़ाने और सभी प्रोजेक्टस पर तत्काल मैन पावर तीन गुना करने का लक्ष्य दिया है। बरथरी में डब्ल्यूटीपी की दशा देखा बिफरे प्रमुख सचिव ने कम्पनी प्रबंधन से सवाल पूछा कि… नियत नहीं या क्षमता नहीं? प्रमुख सचिव के सवालों पर कम्पनी प्रबंधन और जल निगम के अफसर बगले झांकते नजर आए।

कम्पनी प्रबंधन ने प्रमुख सचिव नमामि गंगे से एक और मोहलत मांगी है। इससे पहले बरतरी ग्राम पेयजल योजना का लगभग एक घंटे तक प्रमुख सचिव ने गहनता से निरीक्षण किया और बड़ी बारीकी से एक- एक चीज देखी और अधिकारियों से सवाल भी किये। इससे पहले प्रमुख सचिव ने ललितपुर में भी योजनाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने झांसी सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ योजनाओं की समीक्षा की। यहां से वो सीधे बरतरी ग्राम पेयजल योजना का निरीक्षण करने पहुंचे।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

तीन दिन में काम नहीं सुधरा तो टर्मिनेशन के साथ ब्लैक लिस्टिंग को रहें तैयार : प्रमुख सचिव

-बुंदेलखड में काम कर रही लापरवाह बीजीसीसी कम्पनी को प्रमुख सचिव का अल्टीमेटम

-प्रतिदिन 50 गांव की कमिशनिंग का लक्ष्य, सभी गांव में सड़कों की मरम्मत के लिए युद्ध स्तर पर टीमें उतारने के निर्देश

झांसी, 19 दिसम्बर (हि.स.)। जल जीवन मिशन का कार्य कर रही बीजीसीसी कम्पनी को लापरवाही भारी पड़ सकती है। कम्पनी के लापरवाह रवैये के खिलाफ नमामि गंगे विभाग सख्त कदम उठा सकता है। मंगलवार को बुंदेलखंड पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने इसके संकेत दे दिये। उन्होंने झांसी की मोठ तहसील में बरथरी ग्राम पेयजल योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान अन्य एजेंसियों की तुलना में उनको बीजीसीसी कम्पनी का काम काफी सुस्त मिला। मौके पर पहुंचे प्रमुख सचिव ने कम्पनी को निर्देश दिये कि तीन दिन में काम नहीं सुधरा तो टर्मिनेशन के साथ ब्लैक लिस्टिंग के लिए तैयार रहें। उनके साथ जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, सीडीओ झांसी जुनैद अहमद, एडीएम, जल निगम के चीफ इंजीनियर समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव ने बीजीसीसी कम्पनी को एक दिन में 50 गांव की कमिशनिंग करने, सड़कों की मरम्मत के लिए सभी गांव में तत्काल टीम तैनात करने, ओएनएम की टीम बढ़ाने और सभी प्रोजेक्टस पर तत्काल मैन पावर तीन गुना करने का लक्ष्य दिया है। बरथरी में डब्ल्यूटीपी की दशा देखा बिफरे प्रमुख सचिव ने कम्पनी प्रबंधन से सवाल पूछा कि... नियत नहीं या क्षमता नहीं? प्रमुख सचिव के सवालों पर कम्पनी प्रबंधन और जल निगम के अफसर बगले झांकते नजर आए। कम्पनी प्रबंधन ने प्रमुख सचिव नमामि गंगे से एक और मोहलत मांगी है। इससे पहले बरतरी ग्राम पेयजल योजना का लगभग एक घंटे तक प्रमुख सचिव ने गहनता से निरीक्षण किया और बड़ी बारीकी से एक- एक चीज देखी और अधिकारियों से सवाल भी किये। इससे पहले प्रमुख सचिव ने ललितपुर में भी योजनाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने झांसी सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ योजनाओं की समीक्षा की। यहां से वो सीधे बरतरी ग्राम पेयजल योजना का निरीक्षण करने पहुंचे।

NATIONAL NEWS VISION

बुंदेलखड में काम कर रही लापरवाह बीजीसीसी कम्पनी पर गिर सकती कार्रवाई की गाज

झांसी। जल जीवन मिशन का कार्य कर रही बीजीसीसी कम्पनी को लापरवाही भारी पड़ सकती है। कम्पनी के लापरवाह रवैये के खिलाफ नमामि गंगे विभाग सख्त कदम उठा सकता है। मंगलवार को बुंदेलखंड पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने इसके संकेत दे दिये।

प्रमुख सचिव को झांसी में जल जीवन मिशन की योजनाओं के निरीक्षण में सुस्त मिली रफ्तार

उन्होंने झांसी की मोठ तहसील में बरतरी ग्राम पेयजल योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान अन्य एजेंसियों की तुलना में उनको बीजीसीसी कम्पनी का काम काफी सुस्त मिला।

समीक्षा बैठक के बाद झांसी की बरतरी पेयजल योजना का किया निरीक्षण

मौके पर पहुंचे प्रमुख सचिव ने कम्पनी को निर्देश दिये कि तीन दिन में काम नहीं सुधरा तो टर्मिनेशन के साथ ब्लैक लिस्टिंग के लिए तैयार रहें। उनके साथ जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, सीडीओ झांसी जुनैद अहमद, एडीएम, जल निगम के चीफ इंजीनियर समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव ने कम्पनी प्रबंधन के साथ अफसरों को जमकर फटकारा

प्रमुख सचिव ने बीजीसीसी कम्पनी को एक दिन में 50 गांव की कमिशनिंग करने, सड़कों की मरम्मत के लिए सभी गांव में तत्काल टीम तैनात करने, ओएनएम की टीम बढ़ाने और सभी प्रोजेक्ट्स पर तत्काल मैन पावर तीन गुना करने का लक्ष्य दिया है।

जागरण

UP News: पेयजल लाइन बिछा रही कंपनियों को महंगी पड़ी सड़क मरम्मत में कोताही, लापरवाह एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना ठोका है। गोमतीनगर के किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में समीक्षा बैठक बड़े ही गंभीर माहौल में हुई। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव भी मौजूद रहे।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव ने करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर ठोका करोड़ों का जुर्माना।

डिजिटल डेस्क, लखनऊ। ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को सड़क मरम्मत में कोताही महंगी पड़ गई। लापरवाही की कीमत कम्पनियों को करोड़ों में चुकानी पड़ी। जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के तहत गांव-गांव में बिछाई जा रही पाइप लाइनों को डालने के बाद सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना ठोका है। गोमतीनगर के किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में समीक्षा बैठक बड़े ही गंभीर माहौल में हुई। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव भी मौजूद रहे।

ETV BHARAT

उत्तर प्रदेश

Uttar Pradesh

ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कंपनियों की लापरवाही, करोड़ों का लगाया गया जुर्माना

लखनऊ : ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कंपनियों ने सड़क मरम्मत में जमकर कोताही की है. जल जीवन मिशन की हर घर योजना के तहत गांव-गांव में बिछाई जा रही पाइप लाइनों को डालने के बाद सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई. नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना लगाया है.

समीक्षा बैठक में लिया गया निर्णय

गोमतीनगर के किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया है. इस दौरान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव भी मौजूद रहे. विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी कंपनी पर एक फीसदी जुर्माना लगाया गया. इसके अलावा वाराणसी और प्रयागराज में एलएनटी पर एक फीसदी जुर्माना ठोंका गया. वहीं मुज्जफरनगर और महाराजगंज में जेएमसी लक्ष्मी पर एक फीसदी का जुर्माना व बीएसए इंफ्रा पर भी जुर्माना लगाया गया है.

जल निगम (ग्रामीण) के एमडी को सौंपी कमान

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव ने सड़क मरम्मत पर लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए इसकी कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह को सौंपी है. बैठक में 75 जिलों के अधिशासी अभियंता, बुंदेलखंड-विंध्य के एडीएम नमामि गंगे और आला अधिकारी मौजूद रहे. कार्यों की निगरानी के लिए तैनात टीपीआई एजेंसी सेंसिस के दो अधिकिारियों के खिलाफ प्रमुख सचिव ने तत्काल कार्रवाई कर सूचित करने के निर्देश दिये हैं.

कुशीनगर के चार लापरवाह जेई होंग बर्खास्त

सड़क मरम्मत में लापरवाह कुशीनगर के चार जेई बर्खास्त होंगे. अधिशासी अभियंता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ 6 संविदा इंजीनियरों के तबादले के निर्देश जारी भी किए गए हैं. सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं और अधिशासी अभियंताओं को सड़क मरम्मत और हर घर जल पहुंचने में सुस्ती पर चेतावनी भी दी गई है.

गांव की सड़कों का हाल जानने जल निगम ने उतारी अफसरों की टीम

सड़कों की दशा देखने जल निगम के अधिकारियों की टीम गांव-गांव पहुंच रही है. सड़कों की तेजी से मरम्मत और निगरानी के लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने मुख्यालय स्तर से सभी मंडलों के नोडल नामित करने के साथ ही गांव में पहुंचकर सड़कों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिये हैं.

हिन्दुस्तान

सड़कों की मरम्मत में लापरवाह एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना

-पेयजल लाइन बिछा रही कंपनियों को महंगी पड़ी सड़क मरम्मत में कोताही

हिन्दुस्तान

-प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने लापरवाह इंजीनियरों को भी लगाई फटकार

लखनऊ। विशेष संवाददाता

ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कंपनियों को सड़क मरम्मत में कोताही महंगी पड़ गई। लापरवाही की कीमत कंपनियों को करोड़ों में चुकानी पड़ी। जल जीवन मिशन की हर घर योजना के तहत गांव-गांव में बिछाई जा रही पाइप लाइनों को डालने के बाद सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना ठोंका है।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी कंपनी पर एक फीसदी जुर्माना लगाया गया। वाराणसी और प्रयागराज में एलएनटी पर एक फीसदी जुर्माना ठोंका गया। मुज्जफरनगर और महाराजगंज में जेएमसी लक्ष्मी पर एक फीसदी का जुर्माना लगाया गया है। बीएसए इंफ्रा पर भी जुर्माना लगा है। इस मामले में प्रमुख सचिव ने इंजीनियरों को भी जमकर फटकार लगाते हुए चेतावनी दी है।

एमडी जल निगम को कार्रवाई के निर्देश

गोमतीनगर स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में हुई बैठक में उन्होंने सड़क मरम्मत में लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए इसकी कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डा. बलकार सिंह को सौंपी है। बैठक में 75 जिलों के अधिशासी अभियंता, बुंदेलखंड-विंध्य के एडीएम नमामि गंगे और आला अधिकारी मौजूद रहे। कार्यों की निगरानी के लिए तैनात टीपीआई एजेंसी सेंसिस के दो अधिकारियों के खिलाफ प्रमुख सचिव ने तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डा. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव भी मौजूद रहे।

कुशीनगर के 4 लापरवाह जेई होंगे बर्खास्त

सड़क मरम्मत में लापरवाही पर कुशीनगर के चार जेई बर्खास्त होंगे। अधिशासी अभियंता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ 6 संविदा इंजीनियरों के तबादले के निर्देश जारी किये गये हैं। सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं और अधिशासी अभियंताओं को सड़क मरम्मत और हर घर जल पहुंचने में सुस्ती पर चेतावनी भी दी गई है। सड़कों की दशा देखने जल निगम के अधिकारियों की टीम गांव-गांव पहुंच रही है। सड़कों के मरम्मत और निगरानी के लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने मुख्यालय स्तर से सभी मण्डलों के नोडल नामित करने के साथ ही गांव में पहुंचकर सड़कों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिये हैं।

हिन्दुस्थान समाचार
स्थापित – 1948
Hindusthan Samachar
बहुभाषी न्यूज एजेंसी

पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को महंगी पड़ी सड़क मरम्मत में कोताही, करोड़ों का जुर्माना

लखनऊ, 06 दिसम्बर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रहीं कम्पनियों को सड़क मरम्मत में कोताही महंगी पड़ गई। जल जीवन मिशन की हर घर योजना के तहत गांव-गांव में बिछाई जा रही पाइप लाइनों को डालने के बाद सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना ठोका है।

गोमतीनगर के किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में आज की समीक्षा बैठक बड़े ही गंभीर माहौल में हुई। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव भी मौजूद रहे।

करीब आधा दर्जन एजेंसियों पर एक-एक फीसदी का ठोका जुर्माना

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी कम्पनी पर एक फीसदी जुर्माना लगाया गया। वाराणसी और प्रयागराज में एलएनटी पर एक फीसदी जुर्माना ठोका गया। मुज्जफरनगर और महाराजगंज में जेएमसी लक्ष्मी पर एक फीसदी का जुर्माना ठोका गया है। बीएसए इंफ्रा पर भी जुर्माना लगाया गया है। इस मामले में उन्होंने इंजीनियरों को भी जमकर फटकार लगाते हुए चेतावनी जारी की है।

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव ने सड़क मरम्मत पर लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए इसकी कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह को सौंपी है। बैठक में 75 जिलों के अधिशासी अभियंता, बुंदेलखंड-विंध्य के एडीएम नमामि गंगे और आला अधिकारी मौजूद रहे। कार्यों की निगरानी के लिए तैनात टीपीआई एजेंसी सेंसिस के दो अधिकिारियों के खिलाफ प्रमुख सचिव ने तत्काल कार्यवाई कर सूचित करने के निर्देश दिये हैं।

कुशीनगर के चार लापरवाह जेई होंगे बर्खास्त

सड़क मरम्मत में लापरवाह कुशीनगर के चार जेई बर्खास्त होंगे। अधिशासी अभियंता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ 6 संविदा इंजीनियरों के तबादले के निर्देश जारी भी किये गये हैं। सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं और अधिशासी अभियंताओं को सड़क मरम्मत और हर घर जल पहुंचने में सुस्ती पर चेतावनी भी दी गई है।

गांव की सड़कों का हाल जानने जल निगम ने उतारी अफसरों की टीम

सड़कों की दशा देखने जल निगम के अधिकारियों की टीम गांव-गांव पहुंच रही हैं। सड़कों के तेजी से मरम्मत और निगरानी के लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने मुख्यालय स्तर से सभी मण्डलों के नोडल नामित करने के साथ ही गांव में पहुंचकर सड़कों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिये हैं।

Jal Jivan Mission : पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को महंगी पड़ी सड़क मरम्मत में कोताही, सड़कों की मरम्मत में लापरवाह एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना

Jal Jivan Mission

- सड़क मरम्मत पर लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई की कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी को सौंपी

लखनऊ। 6 दिसम्बर : **Jal Jivan Mission** : ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को सड़क मरम्मत में कोताही महंगी पड़ गई। लापरवाही की कीमत कम्पनियों को करोड़ों में चुकानी पड़ी। जल जीवन मिशन की हर घर योजना के तहत गांव-गांव में बिछाई जा रही पाइप लाइनों को डालने के बाद सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना ठोका है। गोमतीनगर के किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में समीक्षा बैठक बड़े ही गंभीर माहौल में हुई। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव भी मौजूद रहे।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी कम्पनी पर एक फीसदी जुर्माना लगाया गया। वाराणसी और प्रयागराज में एलएनटी पर एक फीसदी जुर्माना ठोका गया। मुज्जफरनगर और महाराजगंज में जेएमसी लक्ष्मी पर एक फीसदी का जुर्माना ठोका गया है। बीएसए इंफ्रा पर भी जुर्माना लगाया गया है। इस मामले में उन्होंने इंजीनियरों को भी जमकर फटकार लगाते हुए चेतावनी जारी की है। समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव ने सड़क मरम्मत पर लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए इसकी कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह को सौंपी है। बैठक में 75जिलों के अधिशासी अभियंता, बुंदेलखंड-विंध्य के एडीएम नमामि गंगे और आला अधिकारी मौजूद रहे। कार्यों की निगरानी के लिए तैनात टीपीआई एजेंसी सेंसिस के दो अधिकारियों के खिलाफ प्रमुख सचिव ने तत्काल कार्यवाई कर सूचित करने के निर्देश दिये हैं।

NATIONAL NEWS VISION

पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को महंगी पड़ी सड़क मरम्मत में कोताही

लखनऊ। ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को सड़क मरम्मत में कोताही महंगी पड़ गई। लापरवाही की कीमत कम्पनियों को करोड़ों में चुकानी पड़ी।

जल जीवन मिशन की हर घर योजना के तहत गांव-गांव में बिछाई जा रही पाइप लाइनों को डालने के बाद सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई।

सड़कों की मरम्मत में लापरवाह एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना ठोका है।

सड़क मरम्मत में लापरवाह एजेंसियों पर चला प्रमुख सचिव की कार्रवाई का हंटर

गोमतीनगर के किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में समीक्षा बैठक बड़े ही गंभीर माहौल में हुई। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव भी मौजूद रहे।

लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई की कमान जल निगम (ग्रामीण) एमडी को

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी कम्पनी पर एक फीसदी जुर्माना लगाया गया। वाराणसी और प्रयागराज में एलएनटी पर एक फीसदी जुर्माना ठोका गया।

जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना की समीक्षा बैठक में बड़ी कार्रवाई

मुज्जफरनगर और महाराजगंज में जेएमसी लक्ष्मी पर एक फीसदी का जुर्माना ठोका गया है। बीएसए इंफ्रा पर भी जुर्माना लगाया गया है।

प्रमुख सचिव की खरी-खरी, जमीन पर दिखे रिजल्ट वरना सख्त कार्रवाई के लिए रहें तैयार

इस मामले में उन्होंने इंजीनियरों को भी जमकर फटकार लगाते हुए चेतावनी जारी की है। समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव ने सड़क मरम्मत पर लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए इसकी कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह को सौंपी है।

जल जीवन मिशन के तहत काम कर रहीं करीब आधा दर्जन एजेंसियों पर एक-एक फीसदी जुर्माना

बैठक में 75जिलों के अधिशासी अभियंता, बुंदेलखंड-विंध्य के एडीएम नमामि गंगे और आला अधिकारी मौजूद रहे। कार्यो की निगरानी के लिए तैनात टीपीआई एजेंसी सेंसिस के दो अधिकारियों के खिलाफ प्रमुख सचिव ने तत्काल कार्यवाई कर सूचित करने के निर्देश दिये हैं।

कुशीनगर के 4 लापरवाह जेई होंगे बर्खास्त, सप्ताह भर में गांव की सड़कें दुरुस्त नहीं हुई तो कर्रवाई

सड़क मरम्मत में लापरवाह कुशीनगर के चार जेई बर्खास्त होंगे। अधिशासी अभियंता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ 6 संविदा इंजीनियरों के तबादले के निर्देश जारी भी किये गये हैं।

प्रभात खबर

Jal Jeevan Mission: पेयजल लाइन बिछा रही कंपनियों पर करोड़ों का जुर्माना, कुशीनगर में 4 जेई बर्खास्त होंगे

सड़क मरम्मत में लापरवाह एजेंसियों पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कड़ी कार्रवाई की है. जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना की समीक्षा बैठक में कंपनियों के कार्य में लापरवाही का खुलासा हुआ था.

लखनऊ: जल जीवन मिशन की हर घर योजना के तहत गांव-गांव में बिछाई जा रही पाइप लाइनों को डालने के बाद सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर करोड़ों रुपये का जुर्माना किया गया है. नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर जुर्माना लगाया है. इसके अलावा कुशीनगर में चार जूनियर इंजीनियर बर्खास्त किये गये हैं और कई पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिये गये हैं.

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव की मौजूदगी में ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कंपनियों के कामकाज की समीक्षा की गयी. बताया जा रहा है कि पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी कंपनी, वाराणसी और प्रयागराज में एलएनटी, मुज्जफरनगर और महाराजगंज में जेएमसी लक्ष्मी पर एक फीसदी का जुर्माना लगाया गया है. बीएसए इंफ्रा पर भी जुर्माना लगाया गया है. इंजीनियरों को भी फटकार लगाते हुए चेतावनी जारी की गयी है.

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सड़क मरम्मत पर लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए इसकी कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह को सौंपी है. बैठक में 75 जिलों के अधिशासी अभियंता, बुंदेलखंड-विंध्य के एडीएम नमामि गंगे और आला अधिकारी मौजूद थे. कार्यों की निगरानी के लिए तैनात टीपीआई एजेंसी सेंसिस के दो अधिकारियों के खिलाफ प्रमुख सचिव ने तत्काल कार्रवाई करके सूचित करने के निर्देश दिये हैं.

कुशीनगर के 4 लापरवाह जेई होंगे बर्खास्त

सड़क मरम्मत में लापरवाह कुशीनगर के चार जेई बर्खास्त किये जाएंगे. अधिशासी अभियंता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई और छह संविदा इंजीनियरों के तबादले के निर्देश जारी भी किये गये हैं. सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं और अधिशासी अभियंताओं को सड़क मरम्मत और हर घर जल पहुंचने में सुस्ती पर चेतावनी भी दी गई है.

उधर सड़कों की दशा देखने जल निगम के अधिकारियों की टीम गांव-गांव पहुंच रही हैं. सड़कों के तेजी से मरम्मत और निगरानी के लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने मुख्यालय स्तर से सभी मंडलों के नोडल नामित करने के साथ ही गांव में पहुंचकर सड़कों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिये हैं.

समर सलिल
www.samarsaleel.com

सड़कों की मरम्मत में लापरवाह एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना

लखनऊ। ग्रामीण इलाकों में पेयजल लाइन बिछा रही कम्पनियों को सड़क मरम्मत में कोताही महंगी पड़ गई। लापरवाही की कीमत कम्पनियों को करोड़ों में चुकानी पड़ी। जल जीवन मिशन की हर घर योजना के तहत गांव-गांव में बिछाई जा रही पाइप लाइनों को डालने के बाद सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में करीब आधा दर्जन कार्यदायी एजेंसियों पर करोड़ों का जुर्माना ठोका है। गोमतीनगर के किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में समीक्षा बैठक बड़े ही गंभीर माहौल में हुई। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव भी मौजूद रहे।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक पाइप डालने के बाद सड़क मरम्मत में कोताही पर जालौन और झांसी में काम कर रही बीजीसीसी कम्पनी पर एक फीसदी जुर्माना लगाया गया। वाराणसी और प्रयागराज में एलएनटी पर एक फीसदी जुर्माना ठोका गया। मुज्जफरनगर और महाराजगंज में जेएमसी लक्ष्मी पर एक फीसदी का जुर्माना ठोका गया है। बीएसए इंफ्रा पर भी जुर्माना लगाया गया है। इस मामले में उन्होंने इंजीनियरों को भी जमकर फटकार लगाते हुए चेतावनी जारी की है।

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव ने सड़क मरम्मत पर लापरवाह एजेंसियों और अफसरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए इसकी कमान जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह को सौंपी है। बैठक में 75जिलों के अधिशासी अभियंता, बुंदेलखंड-विंध्य के एडीएम नमामि गंगे और आला अधिकारी मौजूद रहे। कार्यों की निगरानी के लिए तैनात टीपीआई एजेंसी सेंसिस के दो अधिकारियों के खिलाफ प्रमुख सचिव ने तत्काल कार्यवाई कर सूचित करने के निर्देश दिये हैं।

कुशीनगर के 4 लापरवाह जेई होंगे बर्खास्त

सड़क मरम्मत में लापरवाह कुशीनगर के चार जेई बर्खास्त होंगे। अधिशासी अभियंता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ 6 संविदा इंजीनियरों के तबादले के निर्देश जारी भी किये गये हैं। सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं और अधिशासी अभियंताओं को सड़क मरम्मत और हर घर जल पहुंचने में सुस्ती पर चेतावनी भी दी गई है।

गांव की सड़कों का हाल जानने जल निगम ने उतारी अफसरों की टीम

सड़कों की दशा देखने जल निगम के अधिकारियों की टीम गांव-गांव पहुंच रही हैं। सड़कों के तेजी से मरम्मत और निगरानी के लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने मुख्यालय स्तर से सभी मण्डलों के नोडल नामित करने के साथ ही गांव में पहुंचकर सड़कों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिये हैं।

NEWSTRACK
JUST JOURNALISM...

UP News: पेयजल योजनाओं की निरंतर निगरानी करें अधिकारीः डॉ. बलकार सिंह

UP News: एटा के बढ़ैरा गांव में उत्तर भारत का सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) बनने जा रहा है। इसकी तैयारी को लेकर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने निर्देश दिये हैं।

एमडी डॉ. बलकार सिंह ने एटा पहुंचकर की कार्यों की समीक्षा (न्यूजट्रैक)

UP News: यूपी के एटा जनपद के बढ़ैरा गांव में उत्तर भारत का सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) बनने जा रहा है। इसकी तैयारी को लेकर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने योजना पर निरंतर निगरानी के निर्देश दिये हैं। प्रमुख सचिव के निर्देश पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने एटा पहुंचकर जिला प्रशासन, जल निगम, सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्यों की समीक्षा की।

जल निगम(ग्रामीण) के एमडी देर शाम बढ़ैरा गांव में निर्मित होने वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वो इस बात की पड़ताल कर लें कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण स्थल के निर्धारित क्षेत्र में जलभराव की स्थिति तो नहीं है। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार का विवाद नहीं होना चाहिये।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

आगरा, मथुरा और फिरोजाबाद में दिसम्बर 2024 तक हर घर जल

आगरा, 16 दिसम्बर (हि.स.)। भूगर्भ जल के खारा और फ्लोराइडयुक्त होने का संकट अब आगरा, मथुरा और फिरोजाबाद में खत्म होने वाला है। जल जीवन मिशन योजना की हर घर जल योजना यहां जमीन पर उतर चुकी है। दिसम्बर 2024 तक तीनों जिलों के 9 लाख 70 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सौगात देने की तैयारी है।

शनिवार को आगरा पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने जल निगम कार्यालय में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी तीनों जिलों में कार्यों की प्रगति जानी। अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिये कि वो अपने-अपने कार्यों का होमवर्क करें, हर हाल में फील्ड में उतरें और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें।

उन्होंने फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने और यात्राओं को सफल बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए योजनाओं को समय से पूरा करने को भी कहा। समीक्षा बैठक में आगरा जल निगम के इंजीनियर और जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

सचिव ने मथुरा में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का स्थलीय निरीक्षण भी किया

समीक्षा बैठक के बाद नामामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने मथुरा पहुंचकर नोझील विकासखंड की मांट तहसील के बैरा गांव में बन रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी स्थलीय निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों से कार्य को तेजी से पूरा कराने के भी उन्होंने सख्ती से निर्देश दिये।

जल निगम लैब में कमियां मिलने पर अधिकारियों को फटकार लगाई

सचिव डॉ. बलकार सिंह ने समीक्षा बैठक के बाद जल निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। वह जल निगम में बनी लैब भी गए जहां कमियां पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों को उन्होंने फटकार लगाई। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए भी कहा। बता दें कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग हर घर को नल से जल पहुंचाने की योजना को तेजी से पूरा करने में जुटा है। अधिकारियों की ओर से बराबर योजनाओं की मॉनीटरिंग और निरीक्षण किया जा रहा है। इन तीनों जिलो में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सतही जल स्रोत से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। फिरोजाबाद में 1994 करोड़, आगरा में 2600 करोड़ और 2558 करोड़ की लागत से मथुरा बहुल ग्राम समूह पेयजल योजनाओं (सतही स्रोत) में कार्य कराए जाने हैं।

हर घर जल योजना के तहत होने वाले निर्माण कार्य

- फिरोजाबाद - 473 एमएलडी का एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 8 सीडब्ल्यूआर, 268 ओवर हैड टैंक और 280696 गृहजल संयोजन देने के साथ 5600 किमी पाइप लाइन बिछाई जानी है।

- आगरा - 17 भूमिगत जलाशय , 407 ओवर हैड टैंक और 10241 किमी पाइप लाइन बिछाने के साथ 396213 ग्रामीण परिवारों में क्रियाशील गृहजल संयोजन दिये जाएंगे।

- मथुरा - 214 एमएलडी का एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 7 सीडब्ल्यूआर, 214 ओवर हैड टैंक बनाने के साथ 294054 ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील गृहजल संयोजन दिये जाने हैं। यहां 5400 किमी पाइप लाइन बिछाने का काम किया जाएगा।

NATIONAL NEWS VISION

फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में अगले साल दिसम्बर तक हर घर जल

आगरा। भूगर्भ जल के खारा और फ्लोराइडयुक्त होने का संकट अब फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में खत्म होने वाला है। जल जीवन मिशन योजना की हर घर जल योजना यहां जमीन पर उतर चुकी है। दिसम्बर 2024 तक तीनों जिलों के के 9 लाख 70 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सौगात देने की तैयारी है।

डॉ. बलकार सिंह पहुंचे आगरा, जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा की

शनिवार को आगरा पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम(ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने जल निगम कार्यालय में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी तीनों जिलों में कार्यों की प्रगति जानी।

फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में खत्म होगा खारे पानी का संकट

अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिये कि वो अपने-अपने कार्यों का होमवर्क करें, हर हाल में फील्ड में उतरें और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें। उन्होंने फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने और यात्राओं को सफल बनाने के निर्देश दिये।

जल निगम(ग्रामीण) आगरा के लैब भी गए, कमियो पर जिम्मेदार अधिकारियों को लगाई फटकार

उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए योजनाओं को समय से पूरा करने को भी कहा। समीक्षा बैठक में आगरा जल निगम के इंजीनियर और जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

अमर उजाला

Aligarh News: प्रमुख सचिव ने मुख्य अभियंता एवं अधिशासी अभियंता को जमकर फटकारा, यह रही वजह

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव - फोटो : सूचना विभाग

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने 17 दिसंबर को अलीगढ़ में खैर तहसील के हसनपुर जरैलिया गांव में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया । इस दौरान जरैलिया गांव के निवासी वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी प्रताप सिंह, जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह, सीडीओ आकांक्षा राना, जल निगम के चीफ इंजीनियर, अधिशासी अभियंता समेत विभागीय अधिकारी मौजूद रहे ।

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने जरैलिया गांव के लोगों को आश्वस्त किया कि अब उनके गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी । सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पित है । बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। जिन गांव में खारे पानी की समस्या है वहां लगातार कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है । दिसंबर 2024 तक हर घर को शुद्ध पीने के पानी की आपूर्ति देने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। प्रमुख सचिव कंपोजिट विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए ।

समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव, नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव ने जल निगम के चीफ इंजीनियर और अधिशासी अभियंता को जमकर फटकार लगाई । कहा कि योजना के कार्य की प्रगति धीमी रही तो अधिकारियों की खैर नहीं । उन्होंने एक-एक कर एजेंसियों की रिपोर्ट ली । कार्य की धीमी प्रगति को देखते हुए चेतावनी दी कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने के लिए तैयार रहें । उन्होंने काटी गई सड़कों को पुराने स्वरूप में लौटाने के निर्देश दिए।

NATIONAL NEWS VISION

जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण करने अलीगढ़ पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे

अलीगढ़। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने रविवार को खैर तहसील के हसनपुर जरैलिया गांव में जल जीवन मिशन की योजन का निरीक्षण किया।

इस दौरान जरैलिया गांव के निवासी वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी प्रताप सिंह, जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह, जल निगम के चीफ इंजीनियर, अधिशासी अभियंता समेत विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

हर घर जल योजना की समीक्षा, चीफ इंजीनियर और अधिशासी अभियंता को जमकर फटकारा

इस दौरान प्रमुख सचिव ने जरैलिया गांव के लोगों को आश्वस्त किया कि अब उनके गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। जिन गांव में खारे पानी की समस्या है वहां लगातार कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है।

कार्य की धीमी प्रगति देख एजेंसियों को अगले 10 दिनों का अल्टीमेटम, कठोर कार्रवाई की दी चेतावनी

दिसम्बर 2024 तक हर घर को शुद्ध पेयजल की सप्लाई देने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। प्रमुख सचिव गांव वालों की ओर से कम्पोजित विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

इससे पहले कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव, नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव ने जल निगम के चीफ इंजीनियर और अधिशासी अभियंता को जमकर फटकार लगाई। कहा कि योजना के कार्य की प्रगति धीमी रही तो अधिकारियों की खैर नहीं।

उन्होंने एक-एक कर एजेंसियों की रिपोर्ट ली। कार्य की धीमी प्रगति को देखते हुए चेतावनी दी कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने के लिए तैयार रहें।

अगली समीक्षा बैठक के बाद उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई का फैसला लिया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को कार्य सुधारने के लिए अगले 10 दिन का समय दिया है।

अमर उजाला

Etah News: बढ़ैरा गांव में बनेगा जल शोधन प्लांट

संवाद न्यूज एजेंसी, एटा Updated Mon, 18 Dec 2023 10:50 PM IST

एटा। जिले के बढ़ैरा गांव में रविवार रात जल निगम के प्रबंध निदेशक पहुंचे। बताया कि यहां जल शोधन प्लांट (वाटर ट्रीटमेंट प्लांट) बनने जा रहा है। जो उत्तर भारत के सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में से एक होगा।

प्लांट की तैयारी को लेकर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने योजना पर निरंतर निगरानी के निर्देश दिए हैं। प्रमुख सचिव के निर्देश पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने एटा पहुंचकर जिला प्रशासन, जल निगम, सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस बात की पड़ताल कर लें कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण स्थल के निर्धारित क्षेत्र में जलभराव की स्थिति तो नहीं है। निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार का विवाद नहीं होना चाहिए। निर्माण के दौरान आने वाली समस्याओं का भी तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए। इस प्लांट से पानी को ट्रीट करके ग्रामीणों के घरों तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति पहुंचाई जाएगी।

लाइफस्टाइल नामा .com
आपकी लाइफ, आपका स्टाइल

पेयजल योजनाओं की निरंतर निगरानी करें अधिकारी : डॉ. बलकार सिंह

एटा, 18 दिसंबर (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश के एटा के बढ़ैरा गांव में उत्तर भारत का सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) बनने जा रहा है। इसकी तैयारी को लेकर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने योजना पर निरंतर निगरानी के निर्देश दिये हैं।

प्रमुख सचिव के निर्देश पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने एटा पहुंचकर जिला प्रशासन, जल निगम, सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्यों की समीक्षा की।

जल निगम (ग्रामीण) के एमडी ने बढ़ैरा गांव में निर्मित होने वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थल पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वो इस बात की पड़ताल कर लें कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण स्थल के निर्धारित क्षेत्र में जलभराव की स्थिति तो नहीं है।

उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार का विवाद नहीं होना चाहिए। समस्याओं का भी तत्काल निस्तारण किया जाए।

बता दें कि जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के तहत एटा में उत्तर भारत का सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनने जा रहा है। इस डब्ल्यूटीपी पर पानी को ट्रीट करके ग्रामीणों के घरों तक शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंचाई जाएगी। उत्तर प्रदेश का भी यह सबसे सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट होगा।

NATIONAL NEWS VISION

योजना ही नहीं ये है वरदान, जल ज्ञान यात्रा से छात्रों को मिला ज्ञान

गाजियाबाद। औद्योगिक नगरी गाजियाबाद में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन किया गया। जल जीवन मिशन की ओर से निकाली गई यात्रा में सरकारी स्कूलों के बच्चों को जल के प्रति जागरूक किया गया।

गाजियाबाद में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल

ग्रामीण परिवारों को दी जा रही पानी सप्लाई की जानकारी देने के साथ ही स्कूली बच्चों को परियोजना का भ्रमण भी कराया गया। उन्हें जल निगम की प्रयोगशाला घुमाया गया और जल गुणवत्ता की जांच करके दिखाई गई। छात्रों को विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण और संचयन के बारे में भी बताया गया।

यात्रा में शामिल गाजियाबाद के सरकारी स्कूलों के बच्चों ने समझी जल की कीमत

गाजियाबाद जिले में भोजपुर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा को रवाना किया। यात्रा के दौरान जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता भारत भूषण, असिस्टेंट इंजीनियर रामदत्त, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर आशीष कुमार गोंड मौजूद रहे।

जल निगम की प्रयोगशाला पहुंचे छात्रों ने खुद जांची जल की गुणवत्ता

खंड कार्यालय भोजपुर से शुरू हुई जल ज्ञान यात्रा में शामिल स्कूली बच्चों को जल निगम गाजियाबाद प्रयोगशाला ले जाया गया और वहां जल नमूनों की जांच करके दिखाई गई।

परिवर्तन
समाचार

योजना ही नहीं, यह है वरदान, जल ज्ञान यात्रा से विद्यार्थियों को मिला ज्ञान

गाजियाबादः नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर औद्योगिक नगरी गाजियाबाद में 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन किया गया। जल जीवन मिशन की ओर से आयोजित यात्रा में सरकारी स्कूलों के बच्चों को पानी के प्रति जागरूक किया गया। ग्रामीण परिवारों को उपलब्ध करायी जा रही जलापूर्ति की जानकारी स्कूली बच्चों को भी परियोजना का भ्रमण करा कर दी गयी. उन्हें जल निगम प्रयोगशाला में दिखाया गया और पानी की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को जल संरक्षण और संचयन के बारे में भी सिखाया गया।

गाजियाबाद जिले में भोजपुर ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह ने जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भ्रमण के दौरान अधीक्षण अभियंता जल निगम (ग्रामीण) भारत भूषण, सहायक अभियंता रामदत्त एवं जिला समन्वयक आशीष कुमार गोंड उपस्थित रहे। ब्लॉक कार्यालय भोजपुर से शुरू हुई जल ज्ञान यात्रा में शामिल स्कूली बच्चों को जल निगम गाजियाबाद प्रयोगशाला ले जाया गया, जहां पानी के नमूनों की जांच की गई। स्कूली बच्चों ने भी अपने हाथों से पानी का परीक्षण किया। उन्हें स्वच्छ पेयजल के महत्व के बारे में भी बताया गया। इसके बाद छात्रों को पट्टी जलापूर्ति योजना, भोजपुर में ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति की प्रक्रिया दिखाई गई। स्कूली बच्चों को ओवर हेड टैंक दिखाया गया और पंप हाउस से पानी की आपूर्ति कैसे की जाती है। स्कूली बच्चों ने योजना के तहत बनी पानी की टंकी के साथ सेल्फी ली और जल संरक्षण के नारे लगाए. जल ज्ञान यात्रा में भाग लेने वाले स्कूली बच्चों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

कौशांबी में 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन, स्कूली बच्चों ने देखी वाटर सप्लाई की प्रक्रिया

कौशांबी, 01 दिसंबर (हि.स.)। धार्मिक नगरी कौशांबी में शुक्रवार का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास रहा। सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल 'जल ज्ञान यात्रा' में शामिल होने का मौका मिला। छात्रों को इस बारे में जागरूक किया गया कि कैसे नल से शुद्ध जल के इस्तेमाल से जीवन स्वस्थ और खुशहाल बन सकता है।

यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों को जल की कीमत और उससे जीवन के महत्व के बारे में बताया गया। बच्चों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से मिलने वाले लाभ की जानकारी भी हासिल की। छात्रों ने जल निगम की प्रयोगशाला भी पहली बार देखी। साथ ही उन्हें पेयजल स्कीम का भ्रमण कराया गया। छात्रों ने वहां बनाई गई पानी टंकी व पम्प हाउस देखा और उसकी प्रक्रिया समझी। स्कूली बच्चों ने यात्रा के दौरान श्हर घर जल-हर घर नलश् के नारे भी लगाए।

जल जागरूकता के लिए निकाली गई जल ज्ञान यात्रा को जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विकासखंड चायल के उच्चतर प्राथमिक विद्यालयों के करीब 100 बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। इस दौरान जल निगम (ग्रामीण) अधिशासी अभियंता जयपाल सिंह, अवर अभियंता रामेश्वर निराला व जे.ई. अजय कुमार भी मौजूद रहे। सबसे पहले स्कूली बच्चों को जल जांच प्रयोगशाला ले जाया गया। यहां उनको जल गुणवत्ता की जांच करके दिखाई गई। बच्चों के लिए यह नजारा एकदम नया था, इससे स्कूली बच्चों में उत्साह देखते ही बना। उन्हें शुद्ध पेयजल से होने वाले फायदों की जानकारी दी गई। छात्रों ने अधिकारियों से कई तरह के सवाल भी किये , जिसका जवाब पाकर वे संतुष्ट भी हुए।

इसके बाद स्कूली बच्चों को विकास खंड कड़ा स्थित ग्राम पंचायत अफजलपुर सांतो की पेयजल स्कीम ले जाया गया। यहां उन्हें गांव-गांव के घर तक की जाने वाली शुद्ध पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई।

KULDEEP CHAURASIYA PRO

खबर जो पहुंचे आप तक

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन

कौशांबी। धार्मिक नगरी कौशांबी में शुक्रवार का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास रहा सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल 'जल ज्ञान यात्रा' में शामिल होने का मौका मिला। छात्रों को इस बारे में जागरूक किया गया कि कैसे नल से शुद्ध जल के इस्तेमाल से जीवन स्वस्थ और खुशहाल बन सकता है। यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों को जल की कीमत और उससे जीवन के महत्व के बारे में बताया गया। बच्चों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से मिलने वाले लाभ की जानकारी भी हासिल की। छात्रों ने जल निगम की प्रयोगशाला भी पहली बार देखी। साथ ही उन्हें पेयजल स्कीम का भ्रमण कराया गया। छात्रों ने वहां बनाई गई पानी टंकी व पम्प हाउस देखा और उसकी प्रक्रिया समझी। स्कूली बच्चों ने यात्रा के दौरान 'हर घर जल-हर घर नल' के नारे भी लगाए।

जल जागरूकता के लिए निकाली गई जल ज्ञान यात्रा को जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विकासखंड चायल के उच्चतर प्राथमिक विद्यालयों के करीब 100 बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। इस दौरान जल निगम (ग्रामीण) अधिशासी अभियंता जयपाल सिंह, अवर अभियंता रामेश्वर निराला व जे.ई. अजय कुमार भी मौजूद रहे। सबसे पहले स्कूली बच्चों को जल जांच प्रयोगशाला ले जाया गया। यहां उनको जल गुणवत्ता की जांच करके दिखाई गई। बच्चों के लिए यह नजारा एकदम नया था, इससे स्कूली बच्चों में उत्साह देखते ही बना। उन्हें शुद्ध पेयजल से होने वाले फायदों की जानकारी दी गई। छात्रों ने अधिकारियों से कई तरह के सवाल भी किये , जिसका जवाब पाकर वे संतुष्ट भी हुए। इसके बाद स्कूली बच्चों को विकास खंड कड़ा स्थित ग्राम पंचायत अफजलपुर सांतो की पेयजल स्कीम ले जाया गया। यहां उन्हें गांव-गांव के घर तक की जाने वाली शुद्ध पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई डीएम सुजीत कुमार ने यात्रा को दिखाई हरी झंडी कर रवाना किया छात्रों ने नल से शुद्ध जल के लाभ के बारे में जानकारी ली जल निगम की प्रयोगशाला में स्कूली बच्चों ने एफटीके किट से जानी जल गुणवत्ता की जांच और छात्रों ने ग्राम पंचायत अफजलपुर सांतो की पेयजल स्कीम में वाटर सप्लाई की प्रक्रिया देखी

Kaushambi News: जीवन बनेगा स्वस्थ और खुशहाल, 'जल ज्ञान यात्रा' से सीखे नौनिहाल

Kaushambi News: नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन। डीएम सुजीत कुमार ने यात्रा को दिखाई हरी झंडी, छात्रों ने जाने नल से शुद्ध जल के लाभ। जल निगम की प्रयोगशाला में स्कूली बच्चों ने एफटीके किट से जानी जल गुणवत्ता की जांच। छात्रों ने ग्राम पंचायत अफजलपुर सांतो की पेयजल स्कीम में देखी वाटर सप्लाई की प्रक्रिया

Kaushambi News: धार्मिक नगरी कौशांबी में शुक्रवार का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास रहा। सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल 'जल ज्ञान यात्रा' में शामिल होने का मौका मिला। छात्रों को इस बारे में जागरूक किया गया कि कैसे नल से शुद्ध जल के इस्तेमाल से जीवन स्वस्थ और खुशहाल बन सकता है। यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों को जल की कीमत और उससे जीवन के महत्व के बारे में बताया गया। बच्चों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से मिलने वाले लाभ की जानकारी भी हासिल की।

छात्रों ने जल निगम की प्रयोगशाला भी पहली बार देखी। साथ ही उन्हें पेयजल स्कीम का भ्रमण कराया गया। छात्रों ने वहां बनाई गई पानी टंकी व पम्प हाउस देखा और उसकी प्रक्रिया समझी। स्कूली बच्चों ने यात्रा के दौरान 'हर घर जल-हर घर नल' के नारे भी लगाए।

NATIONAL NEWS VISION

जीवन बनेगा स्वस्थ और खुशहाल, 'जल ज्ञान यात्रा' से सीखे नौनिहाल

कौशांबी। धार्मिक नगरी कौशांबी में शुक्रवार का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास रहा। सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल 'जल ज्ञान यात्रा' में शामिल होने का मौका मिला।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन

छात्रों को इस बारे में जागरूक किया गया कि कैसे नल से शुद्ध जल के इस्तेमाल से जीवन स्वस्थ और खुशहाल बन सकता है। यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों को जल की कीमत और उससे जीवन के महत्व के बारे में बताया गया। बच्चों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से मिलने वाले लाभ की जानकारी भी हासिल की।

परिवर्तन
समाचार

जीवन बनेगा स्वस्थ और सुखी, 'जल ज्ञान यात्रा' से लें सीख

कौशांबी: धार्मिक नगरी कौशांबी में शुक्रवार का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास रहा। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग द्वारा शुरू की गई 'जल ज्ञान यात्रा' में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को भाग लेने का अवसर मिला। छात्रों को इस बारे में जागरूक किया गया कि शुद्ध नल के पानी का उपयोग कैसे जीवन को स्वस्थ और खुशहाल बना सकता है। यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों को पानी की कीमत और उससे जीवन के महत्व के बारे में बताया गया। बच्चों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के लाभों के बारे में भी जाना। छात्रों ने पहली बार जल निगम की प्रयोगशाला भी देखी। उन्हें पेयजल योजना का भ्रमण भी कराया गया। विद्यार्थियों ने वहां बनी पानी की टंकी और पंप हाउस को देखा और प्रक्रिया को समझा। मार्च के दौरान स्कूली बच्चों ने 'हर घर जल-हर घर नल' जैसे नारे भी लगाये.

जल ज्ञान यात्रा को जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जल ज्ञान यात्रा में विकासखंड चायल के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया। जल निगम (ग्रामीण) के अधीक्षण अभियंता जयपाल सिंह, अवर अभियंता रामेश्वर निराला व जे.ई. अजय कुमार भी मौजूद थे. सबसे पहले स्कूली बच्चों को जल परीक्षण प्रयोगशाला में ले जाया गया। यहां पानी की गुणवत्ता जांच कर दिखाई गई। यह नजारा बच्चों के लिए बिल्कुल नया था, इससे स्कूली बच्चों में उत्साह पैदा हो गया। उन्हें स्वच्छ पेयजल के फायदों के बारे में बताया गया। विद्यार्थियों ने अधिकारियों से कई सवाल भी पूछे, जिनके जवाब से वे संतुष्ट हुए। इसके बाद बच्चों को विकास खंड कड़ा की ग्राम पंचायत अफजलपुर सांतो की पेयजल योजना पर ले जाया गया। यहां उन्हें ग्रामीणों के घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की प्रक्रिया दिखाई गयी.

उदयपुर किरण

कौशांबी में 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन, स्कूली बच्चों ने देखी वाटर सप्लाई की प्रक्रिया

Kaushambi , 01 दिसंबर . धार्मिक नगरी Kaushambi में Friday का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास रहा. सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल 'जल ज्ञान यात्रा' में शामिल होने का मौका मिला. छात्रों को इस बारे में जागरूक किया गया कि कैसे नल से शुद्ध जल के इस्तेमाल से जीवन स्वस्थ और खुशहाल बन सकता है.

यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों को जल की कीमत और उससे जीवन के महत्व के बारे में बताया गया. बच्चों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से मिलने वाले लाभ की जानकारी भी हासिल की. छात्रों ने जल निगम की प्रयोगशाला भी पहली बार देखी. साथ ही उन्हें पेयजल स्कीम का भ्रमण कराया गया. छात्रों ने वहां बनाई गई पानी टंकी व पम्प हाउस देखा और उसकी प्रक्रिया समझी. स्कूली बच्चों ने यात्रा के दौरान श्हर घर जल-हर घर नलश् के नारे भी लगाए.

जल जागरूकता के लिए निकाली गई जल ज्ञान यात्रा को जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. विकासखंड चायल के उच्चतर प्राथमिक विद्यालयों के करीब 100 बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया. इस दौरान जल निगम (ग्रामीण) अधिशासी अभियंता जयपाल सिंह, अवर अभियंता रामेश्वर निराला व जे.ई. अजय कुमार भी मौजूद रहे. सबसे पहले स्कूली बच्चों को जल जांच प्रयोगशाला ले जाया गया. यहां उनको जल गुणवत्ता की जांच करके दिखाई गई. बच्चों के लिए यह नजारा एकदम नया था, इससे स्कूली बच्चों में उत्साह देखते ही बना. उन्हें शुद्ध पेयजल से होने वाले फायदों की जानकारी दी गई. छात्रों ने अधिकारियों से कई तरह के सवाल भी किये, जिसका जवाब पाकर वे संतुष्ट भी हुए.

इसके बाद स्कूली बच्चों को विकास खंड कड़ा स्थित ग्राम पंचायत अफजलपुर सांतो की पेयजल स्कीम ले जाया गया. यहां उन्हें गांव-गांव के घर तक की जाने वाली शुद्ध पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई.

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar
स्थापित – 1948
बहुभाषी न्यूज़ एजेंसी

सीतापुर में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन, बच्चों ने देखी 'हर घर जल' योजना से बदलती तस्वीर

सीतापुर, 05 दिसम्बर (हि.स.)। जल जीवन मिशन की 'हर घर जल' योजना से उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव में शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंच रही है। सीतापुर के बर्मी गांव का तो क्या ही कहना, जिसे 'हर घर जल' गांव घोषित किया जा चुका है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर जिले में 'जल ज्ञान यात्रा' आयोजित की गई। यहां बर्मी गांव में आए बदलाव को सरकारी स्कूलों के बच्चों ने नजदीक से देखा। बच्चों के लिए यह नजारा बिलकुल ही अलग था।

यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों के लिए बर्मी गांव किसी मॉडल विलेज से कम नहीं था, जहां पीने के पानी की अब कोई समस्या नहीं है। यहां हर घर में नल कनेक्शन लगा है, जिससे ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल मिल रहा है। साथ ही यहां स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, चिकित्सालयों और पंचायत भवनों पर भी नल कनेक्शन लगा हुआ है।

सीतापुर के सरकारी स्कूलों के बच्चों को जल जीवन मिशन की योजना के तहत बनाई गई पेयजल परियोजनाओं का भ्रमण कराया गया। छात्रों को जल निगम (ग्रामीण) की प्रयोगशाला में जल गुणवत्ता की जांच भी दिखाई गई। 'हर घर जल' गांव पहुंचे बच्चों को ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें योजना से किस तरह लाभ मिल रहा है।

जल ज्ञान यात्रा को बीएसए कार्यालय से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता आलोक पटेल ने हरी झंडी दिखाई। जल ज्ञान यात्रा सबसे पहले जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला पहुंची। यहां स्कूली बच्चों को पानी की जांच में प्रयोग होने वाले उपकरणों और उसके इस्तेमाल को दिखाया गया। बच्चों को गांव-गांव में फील्ड टेस्ट किट से पानी की जांच कर रही ग्रामीण महिलाओं के बारे में भी जानकारी दी गई । उन्हें बताया गया कि किस तरह ये महिलाएं घर-घर जाकर एफटीके किट से 11 तरह की जल जांच करती है।

ग्राम पंचायत बर्मी विकासखंड मिश्रिख (ग्रामीण) पेयजल योजना पर पहुंचे बच्चों ने ग्रामीणों को दी जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया देखी। जल निगम के अधिकारियों ने स्कूली बच्चों को हर घर जल योजना से ग्रामीणों के जीवन में आए बदलाव की जानकारी भी दी। छात्रों को पेयजल के महत्व और उपलब्धता के साथ ही सोलर संचालित ओवर हैड टैंक भी दिखाया गया। उन्हें ग्राम पंचायत बर्मी मिश्रिख में बने अमृत वाटिका ले जाया गया, जहां नुक्कड़-नाटक के माध्यम से जल के जीवन में महत्व को बताया गया।

NATIONAL NEWS VISION

इस गांव में 'हर घर जल', सीतापुर के बर्मी की बात ही निराली

सीतापुर। जल जीवन मिशन की 'हर घर जल' योजना से उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव में शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंच रही है। सीतापुर के बर्मी गांव का तो क्या ही कहना, जिसे 'हर घर जल'गांव घोषित किया जा चुका है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर जिले में 'जल ज्ञान यात्रा' आयोजित की गई।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन

यहां बर्मी गांव में आए बदलाव को सरकारी स्कूलों के बच्चों ने नजदीक से देखा। बच्चों के लिए यह नजारा बिलकुल ही अलग था। बर्मी गांव उनके लिए किसी मॉडल विलेज से कम नहीं था, जहां पीने के पानी की अब कोई समस्या नहीं है। यहां हर घर में नल कनेक्शन लगा है, जिससे ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल मिल रहा है।

ग्राम पंचायत बर्मी पहुंचे बच्चों ने देखी अमृत वाटिका, जल जागरूकता कार्यक्रम से समझी महत्ता

साथ ही यहां स्कूलों,आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ ही चिकित्सालय और पंचायत भवन पर भी नल कनेक्शन लगा हुआ है। सीतापुर के सरकारी स्कूलों के बच्चों को जल जीवन मिशन की योजना के तहत बनाई गई पेयजल परियोजनाओं का भ्रमण कराया गया।

हर घर में नल कनेक्शन, ग्रामीण परिवारों को मिल रहा शुद्ध पेयजल

छात्रों को जल निगम (ग्रामीण) की प्रयोगशाला में जल गुणवत्ता की जांच भी दिखाई गई। 'हर घर जल' गांव पहुंचे बच्चों को ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें योजना से किस तरह लाभ मिल रहा है।

SOCIALIST
न्याय न्यूज

स्कूल-आंगनबाड़ी-चिकित्सालय और पंचायत भवन में भी लगे नल

सीतापुर। 5 दिसम्बर

जल जीवन मिशन की 'हर घर जल' योजना से उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव में शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंच रही है। सीतापुर के बर्मी गांव का तो क्या ही कहना, जिसे 'हर घर जल'गांव घोषित किया जा चुका है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर जिले में 'जल ज्ञान यात्रा' आयोजित की गई। यहां बर्मी गांव में आए बदलाव को सरकारी स्कूलों के बच्चों ने नजदीक से देखा। बच्चों के लिए यह नजारा बिलकुल ही अलग था। बर्मी गांव उनके लिए किसी मॉडल विलेज से कम नहीं था, जहां पीने के पानी की अब कोई समस्या नहीं है। यहां हर घर में नल कनेक्शन लगा है, जिससे ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल मिल रहा है। साथ ही यहां स्कूलों,आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ ही चिकित्सालय और पंचायत भवन पर भी नल कनेक्शन लगा हुआ है। सीतापुर के सरकारी स्कूलों के बच्चों को जल जीवन मिशन की योजना के तहत बनाई गई पेयजल परियोजनाओं का भ्रमण कराया गया। छात्रों को जल निगम (ग्रामीण) की प्रयोगशाला में जल गुणवत्ता की जांच भी दिखाई गई। 'हर घर जल' गांव पहुंचे बच्चों को ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें योजना से किस तरह लाभ मिल रहा है।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा को बी.एस.ए कार्यालय से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता आलोक पटेल ने हरी झंडी दिखाई। जल ज्ञान यात्रा सबसे पहले जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला पहुंची। यहां स्कूली बच्चों को पानी की जांच में प्रयोग होने वाले उपकरणों और उसके इस्तेमाल को दिखाया गया। बच्चों को गांव-गांव में फील्ड टेस्ट किट से पानी की जांच कर रही ग्रामीण महिलाओं के बारे में भी जानकारी दी गई । उन्हें बताया गया कि किस तरह ये महिलाएं घर-घर जाकर एफटीके किट से 11 तरह की जल जांच करती है। ग्राम पंचायत बर्मी विकासखंड मिश्रिख (ग्रामीण) पेयजल योजना पर पहुंचे बच्चों ने ग्रामीणों को दी जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया देखी। जल निगम के अधिकारियों ने स्कूली बच्चों को हर घर जल योजना से ग्रामीणों के जीवन में आए बदलाव की जानकारी भी दी। छात्रों को पेयजल के महत्व और उपलब्धता के साथ ही सोलर संचालित ओवर हेड टैंक भी दिखाया गया। उन्हें ग्राम पंचायत बर्मी मिश्रिख में बने अमृत वाटिका ले जाया गया, जहां नुक्कड़-नाटक के माध्यम से जल के जीवन में महत्व को बताया गया।

समर सलिल
www.samarsaleel.com

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन

सीतापुर। जल जीवन मिशन की 'हर घर जल' योजना से उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव में शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंच रही है। सीतापुर के बर्मी गांव का तो क्या ही कहना, जिसे 'हर घर जल'गांव घोषित किया जा चुका है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर जिले में 'जल ज्ञान यात्रा' आयोजित की गई। यहां बर्मी गांव में आए बदलाव को सरकारी स्कूलों के बच्चों ने नजदीक से देखा। बच्चों के लिए यह नजारा बिलकुल ही अलग था।

बर्मी गांव उनके लिए किसी मॉडल विलेज से कम नहीं था, जहां पीने के पानी की अब कोई समस्या नहीं है। यहां हर घर में नल कनेक्शन लगा है, जिससे ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल मिल रहा है। साथ ही यहां स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ ही चिकित्सालय और पंचायत भवन पर भी नल कनेक्शन लगा हुआ है।

सीतापुर के सरकारी स्कूलों के बच्चों को जल जीवन मिशन की योजना के तहत बनाई गई पेयजल परियोजनाओं का भ्रमण कराया गया। छात्रों को जल निगम (ग्रामीण) की प्रयोगशाला में जल गुणवत्ता की जांच भी दिखाई गई। 'हर घर जल' गांव पहुंचे बच्चों को ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें योजना से किस तरह लाभ मिल रहा है।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा को बीएसए कार्यालय से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता आलोक पटेल ने हरी झंडी दिखाई। जल ज्ञान यात्रा सबसे पहले जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला पहुंची।

NATIONAL NEWS VISION

जल से है बेहतर कल, जल ज्ञान यात्रा से सीखे नौनिहाल

बांदा। महर्षि वामदेव की तपोभूमि कहे जाने वाले बांदा जिले में छात्रों के लिए गुरुवार का दिन बेहद खास रहा। सरकारी स्कूलों के सैकड़ों छात्रों को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल "जल ज्ञान यात्रा' से जुड़ने का मौका मिला।

बांदा में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का आयोजन

जल जागरूकता के लिए निकाली गई यात्रा में बच्चों ने जल के जीवन में महत्व और उसकी उपयोगिता समझी। नौनिहालों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाई जा रही शुद्ध पेयजल सप्लाई की परियोजना देखी। इस दौरान वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का नजारा स्कूली बच्चों के लिए बेहतरीन अनुभव रहा।

जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद एवं जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने दिखाई हरी झण्डी

जल जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेते हुए छात्रों ने एफटीके किट से पानी की जांच भी देखी। यह पहला मौका था जब बांदा के स्कूली बच्चों को जल जीवन मिशन की 'हर घर जल' योजना को नजदीक से समझने और उसके फायदों के बारे

'जल ज्ञान यात्रा' का शुभारंभ जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद एवं जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने हरी झंडी दिखाकर जी.आई.सी. ग्राउंड से किया। यात्रा में पद्मश्री उमाशंकर पाण्डेय, ए.डी.एम. नमामि गंगे एम.पी. सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) महेन्द्र राम भी मौजूद रहे।

सरकारी स्कूलों के बच्चों को जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना की दी गई जानकारी

पानी की कीमत समझाने कि लिए निकाली गई यात्रा में बडोखरखुर्द विकास खण्ड की चिन्हित ग्राम पंचायतों के अंतर्गत 10 उच्च प्राथमिक विद्यालयों के सैकड़ों छात्र शामिल हुए। यहां उन्हें जल जांच की प्रक्रिया दिखाने के साथ ही भूजल उपचार और अन्य संबंधित मुद्दों की जानकारी दी गई।

NATIONAL NEWS VISION

लखीमपुर के स्कूली बच्चों के लिए यादगार बनी जल ज्ञान यात्रा

लखीमपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल पर बुधवार को लखीमपुर जिले में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। सरकारी स्कूलों के बच्चों को यात्रा के दौरान जल की कीमत बताने के साथ जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना की जानकारी दी गई। उनको जल निगम की लैब में जल जांच करके दिखाई गई।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल में शामिल हुए सरकारी स्कूलों के बच्चे

जल गुणवत्ता की उपयोगिता बताने के साथ ग्रामीणों को जल सप्लाई की जाने वाली परियोजना का भी भ्रमण कराया गया।

जल निगम की लैब में स्कूली बच्चों ने पानी गुणवत्ता की जांच देखी

लखीमपुर में सरकारी स्कूल के बच्चों में जल जागरूकता के लिए निकाली गई जल ज्ञान यात्रा को अपर जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह एवं डीडीओ दिनकर विद्यार्थी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्कूली बच्चों को जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना की दी गई जानकारी

इस दौरान अधिशासी निदेशक जल निगम वाई के नीरज भी मौजूद रहे। स्कूली बच्चों को जल जीवन मिशन द्वारा निर्मित पानी टंकी (ग्राम पेयजल-डिम्होरा साइट) ले जाया गया।

समर सलिल
www.samarsaleel.com

जल से है बेहतर कल, जल ज्ञान यात्रा से सीखे नौनिहाल

बांदा। महर्षि वामदेव की तपोभूमि कहे जाने वाले बांदा जिले में छात्रों के लिए गुरुवार का दिन बेहद खास रहा। सरकारी स्कूलों के सैकड़ों छात्रों को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल "जल ज्ञान यात्रा' से जुड़ने का मौका मिला। जल जागरूकता के लिए निकाली गई यात्रा में बच्चों ने जल के जीवन में महत्व और उसकी उपयोगिता समझी।

नौनिहालों ने जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाई जा रही शुद्ध पेयजल सप्लाई की परियोजना देखी। इस दौरान वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का नजारा स्कूली बच्चों के लिए बेहतरीन अनुभव रहा।

जल जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेते हुए छात्रों ने एफटीके किट से पानी की जांच भी देखी। यह पहला मौका था जब बांदा के स्कूली बच्चों को जल जीवन मिशन की 'हर घर जल' योजना को नजदीक से समझने और उसके फायदों के बारे में जानकारी मिली।

'जल ज्ञान यात्रा' का शुभारंभ जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद एवं जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने हरी झंडी दिखाकर जीआईसी ग्राउंड से किया। यात्रा में पद्मश्री उमाशंकर पाण्डेय, एडीएम नमामि गंगे एमपी सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) महेन्द्र राम भी मौजूद रहे।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

जल ज्ञान यात्रा' में सरकारी और प्राइवेट स्कूल के बच्चों ने एक साथ मिलकर सीखे बूंद-बूंद संभालने के गुर

अमृत विचार लखनऊ : पीने के पानी में कौन-कौन से हैवी मेटल होते हैं?, पानी का पीएच लेविल कितना होता है? इस तरह के प्रश्न बीकेटी के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने गुरुवार को राजधानी में जल जीवन मिशन की ओर से आयोजित 'जल ज्ञान यात्रा' में पूछे। जल निगम लैब के विशेषज्ञों ने उत्तर देते हुए बताया कि जल परीक्षण से ही भारी धातुओं का पता लगाया जा सकता है। हैवी मैटल मानव शरीर में बीमारियों का मुख्य कारण होते हैं। कुछ इस तरह का नजारा बीकेटी की ग्राम पंचायत कुम्हारावां में देखने को मिला। स्कूली बच्चों ने यहां बूंद-बूंद संभालने के गुर भी सीखे।

इंटौंजा के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय और लखनऊ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, बीकेटी के 100 स्कूली बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। सोलर से संचालित 225 किलो लीटर क्षमता की 14 मीटर ऊँची पानी टंकी की खासियत जानना उनके लिए एकदम नया अनुभव था। उन्होंने यात्रा में हर घर जल योजना के तहत गांव में पानी सप्लाई के लिए बनाई गई पेयजल योजना को नजदीक से पहली बार देखा। यहां बना पम्प हाउस कैसे कार्य करता है उसकी जानकारी प्राप्त की। उसमें लगे पैनल्स का क्या कार्य है जैसे कई सवाल भी किये।

जिसके जवाब प्लांट पर मौजूद जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारियों ने उनको दिये। जल से संबंधित जानकारी लेने की उत्सुकता उनमें देखते ही बनी। पानी टंकी परिसर में उनको जल गुणवत्ता की जांच करके दिखाई गई। यहां स्कूली बच्चों ने कई सवाल किये। जिसके उत्तर उनको मिले। इस अवसर पर जल को संरक्षित करने और योजना की जानकारी देता नुक्कड़ नाटक भी उनको सीख दे गया।

स्कूली बच्चों की सेल्फी में दिखाई दी कुम्हरांवा की पानी टंकी

स्कूली बच्चों को बताया गया कि पेयजल योजना सोलर से संचालित होती है। हर घर जल योजना के तहत जल सप्लाई करने के साथ बिजली की बचत भी की जा रही है। स्कूलों की छात्राओं की ओर से ली गई सेल्फी में कुम्हरांवा की पानी टंकी भी दिखाई दी। उनको बताया गया कि इस पानी टंकी से वर्तमान में चार गांव को पानी सप्लाई की जा रही है। पहली बार गांवों में ग्रामीणों के घरों में हर घर जल योजन के तहत नल कनेक्शन पहुंचे हैं।

अमर उजाला

UP: 'जल ज्ञान यात्रा' के जरिए छात्रों ने समझी पानी की अहमियत, बूंद-बूंद बचाने के लिए किया गया प्रेरित

जल ज्ञान यात्रा - फोटो : अमर उजाला

दुनिया के लिए पानी की अहमियत को समझाने के लिए खास अभियान चलाया जा रहा है। इसके मद्देनजर जल जीवन मिशन को लेकर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। जल जीवन मिशन की परियोजनाओं पर सहभागी बनाने के लिए लखनऊ के सरोजनीनगर में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्कूली बच्चों को बूंद-बूंद जल बचाने के लिए प्रेरित भी किया गया। इस दौरान नवोदय विद्यालय पिपरसंड और केन्द्रीय विद्यालय सीआरपीएफ बिजनौर के 100 से अधिक छात्र शामिल हुए।

हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

इसमें शामिल छात्र-छात्राओं को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सीआरपीएफ के प्रधानाचार्य आरके सिंह, नवोदय विद्यालय की प्रधानाचार्य साधना शुक्ला और योजना के जिला समन्वयक डॉ. हरपाल सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सबसे पहले छात्र-छात्राओं को सरोजनीनगर स्थित गोंदौली पेयजल परियोजना ले जाया गया। छात्रों को ओवरहैड टैंक और पंप हाउस की कार्यप्रणाली समझाई गई। उनको क्लोरीनेशन रूम दिखाया गया। सप्लाई किए जाने से पहले पानी को कैसे शुद्ध किया जाता है ये भी दिखाया गया।

ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति

जल ज्ञान यात्रा में छात्रों को क्लोरीनयुक्त जल के फायदे भी बताए गए। उन्हें बताया गया कि 100 केएल के ओवरहैड टैंक में 30 लीटर क्लोरीन मिलाई जाती है। जो पानी में मौजूद बैक्टीरिया और दूसरे हानिकारक तत्वों को खत्म करके ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करती है। पंप हाउस में लगे इलेक्ट्रानिक पैनल से पानी की गुणवत्ता और सप्लाई पर नजर रखी जाती है। यह पूरी प्रक्रिया आटोमेटिक है। खास बात यह है कि यह पूरी प्रकिया सौर ऊर्जा से संचालित की जाती है।

छात्रों ने गोदौली गांव का भी भ्रमण किया

ओवरहैंड टैंक देखने के बाद छात्रों ने गोदौली गांव का भी भ्रमण किया। स्वजन फाउंडेशन की ओर से बच्चों को नुक्कड़ नाटक व लोकगीत के जरिए जल संचयन की अहमियत बताई गई। छात्रों ने जल संरक्षण की शपथ भी ली।

हिन्दुस्तान

जल ज्ञान यात्रा में बच्चों ने सीखे पानी बचाने के गुर

हिन्दुस्तान

लखनऊ। विशेष संवाददाता

पीने के पानी में कौन-कौन से हैवी मेटल होते हैं? पानी का पीएच लेवल कितना होता है? इस तरह के प्रश्न बीकेटी के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने गुरुवार को राजधानी में जल जीवन मिशन की ओर से आयोजित 'जल ज्ञान यात्रा' में पूछे। जल निगम लैब के विशेषज्ञों ने उत्तर देते हुए बताया कि जल परीक्षण से ही भारी धातुओं का पता लगाया जा सकता है। हैवी मैटल मानव शरीर में बीमारियों का मुख्य कारण होते हैं। यह नजारा बीकेटी की ग्राम पंचायत कुम्हरावां में देखने को मिला। स्कूली बच्चों ने जल संरक्षण के गुर भी सीखे।

इटौंजा के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय और लखनऊ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, बीकेटी के 100 स्कूली बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। सोलर से संचालित 225 किलो लीटर क्षमता की 14 मीटर ऊंची पानी टंकी की खासियत जानना उनके लिए नया अनुभव था। उन्होंने यात्रा में हर घर जल योजना के तहत गांव में पानी सप्लाई के लिए बनाई गई पेयजल योजना को नजदीक से देखा। यहां बना पम्प हाउस कैसे कार्य करता है उसकी जानकारी प्राप्त की। उनको जल गुणवत्ता की जांच भी करके दिखाई गई। नुक्कड़ नाटक के जरिए भी उन्हें योजना की जानकारी दी गई।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar
स्थापित – 1948
बहुभाषी न्यूज एजेंसी

'जल ज्ञान यात्रा' में स्कूली बच्चों ने सीखे बूंद-बूंद संभालने के गुर

लखनऊ, 07 दिसम्बर (हि.स.)। जल जीवन मिशन की ओर से गुरुवार को राज्य में लखनऊ के अलावा पीलीभीत, शामली और रायबरेली में भी जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने इन यात्राओं में भाग लिया और जल जांच की उपयोगिता जानी।

इस दौरान स्कूली बच्चों को पता चला कि परीक्षण बिना पानी में मौजूद भारी धातुओं का पता नहीं लग सकता है। बच्चों ने लखनऊ के बीकेटी की ग्राम पंचायत कुम्हरावां की पेयजल योजना पर सोलर संचालित पानी टंकी देखी। जल निगम (ग्रामीण) लैब के विशेषज्ञों ने स्कूली बच्चों को जल परीक्षण करके दिखाया। नुक्कड़ नाटकों का आयोजन हुआ जिसमें जल संरक्षण और हर घर जल योजना की जानकारी भी स्कूली बच्चों को मिली।

लखनऊ में इंटौंजा के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय और लखनऊ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, बीकेटी के 100 स्कूली बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। सोलर से संचालित 225 किलो लीटर क्षमता की 14 मीटर ऊँची पानी टंकी की खासियत जानना उनके लिए एकदम नया अनुभव था। उन्होंने यात्रा में हर घर जल योजना के तहत गांव में पानी सप्लाई के लिए बनाई गई पेयजल योजना को नजदीक से पहली बार देखा। यहां बना पम्प हाउस कैसे कार्य करता है उसकी जानकारी प्राप्त की। उसमें लगे पैनल्स का क्या कार्य है जैसे कई सवाल भी किये, जिसके जवाब प्लांट पर मौजूद जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारियों ने उनको दिये। जल से संबंधित जानकारी लेने की उत्सुकता उनमें देखते ही बनी।

गोमती नदी के उदगम स्थल कहे जाने वाले पीलीभीत में जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता मनीष गंगवार ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारम्भ किया। स्कूली बच्चों ने 'जल ही जीवन है' के नारे लगाए। उनको सबसे पहले जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला ले जाया गया। जहां उनको जल गुणवत्ता जांच करके दिखाई गई। रूपपुर कमालू पाइप पेयजल योजना का भ्रमण कराने के साथ उनको गांव-गांव में दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई।

गोमती नदी के उदगम स्थल कहे जाने वाले पीलीभीत में जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता मनीष गंगवार ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारम्भ किया। स्कूली बच्चों ने 'जल ही जीवन है' के नारे लगाए। उनको सबसे पहले जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला ले जाया गया। जहां उनको जल गुणवत्ता जांच करके दिखाई गई। रूपपुर कमालू पाइप पेयजल योजना का भ्रमण कराने के साथ उनको गांव-गांव में दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई।

रायबरेली में जल ज्ञान यात्रा को जल निगम कार्यालय से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता एस. रहमान ने हरी झण्डी दिखाई। उनको सबसे पहले प्रयोगशाला ले जाया गया और वहां जल गुणवत्ता का परीक्षण करके दिखाया गया। इसके बाद उनको रायपुर मेहरी योजना का भ्रमण कराया गया। यहां रायबरेली की सदर विधायक अदिति सिंह भी मौजूद रहीं। उन्होंने भी बच्चों को जल की उपयोगिता बताई। उनको नुक्कड़ नाटक दिखाया गया और जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

शामली में यात्रा का शुभारंभ जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता फूल सिंह यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया। स्कूली बच्चों को जल निगम प्रयोगशाला में जल जांच भी करके दिखाई गई। स्कूली बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला ले जाया गया। उनको जलालपुर ग्राम पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। यहां बनी पानी टंकी, पम्प हाउस आदि दिखाया गया। उसकी उपयोगिता और खासियत बताई गई। गांव-गांव में दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया दिखाने के साथ हर घर जल योजना की जानकारी दी गई। जल जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण की महत्ता बताई गई।

NATIONAL NEWS VISION

'जल ज्ञान यात्रा' में स्कूली बच्चों ने सीखे बूंद-बूंद संभालने के गुर

लखनऊ। जल जीवन मिशन की ओर से गुरुवार को राज्य में लखनऊ समेत पीलीभीत, शामली, रायबरेली में भी जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने इन यात्राओं में भाग लिया और जल जांच की उपयोगिता जानी।

लखनऊ समेत तीन जिलों (पीलीभीत, शामली, रायबरेली) में हुई जल ज्ञान यात्रा

स्कूली बच्चों को पता चला कि...परीक्षण बिना पानी में मौजूद भारी धातुओं का पता नहीं लग सकता है। लखनऊ के बीकेटी की ग्राम पंचायत कुम्हरावां की पेयजल योजना पर सोलर संचालित पानी टंकी देखी। जल निगम(ग्रामीण) लैब के विशेषज्ञों ने स्कूली बच्चों को जल परीक्षण करके दिखाया।

सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने लिया जल ज्ञान यात्रा में भाग

नुक्कड़ नाटकों का आयोजन हुआ जिसमें जल संरक्षण और हर घर जल योजना की जानकारी भी स्कूली बच्चों को मिली। लखनऊ में इंटौंजा के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय और लखनऊ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, बीकेटी के 100 स्कूली बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया।

स्कूली बच्चों को पता चला कि...परीक्षण बिना नहीं लग सकता पानी में मौजूद भारी धातुओं का पता

सोलर से संचालित 225 किलो लीटर क्षमता की 14 मीटर ऊँची पानी टंकी की खासियत जानना उनके लिए एकदम नया अनुभव था। उन्होंने यात्रा में हर घर जल योजना के तहत गांव में पानी सप्लाई के लिए बनाई गई पेयजल योजना को नजदीक से पहली बार देखा।

लखनऊ के बीकेटी की ग्राम पंचायत कुम्हरावां में देखी पेयजल योजना

यहां बना पम्प हाउस कैसे कार्य करता है उसकी जानकारी प्राप्त की। उसमें लगे पैनल्स का क्या कार्य है जैसे कई सवाल भी किये। जिसके जवाब प्लांट पर मौजूद जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारियों ने उनको दिये। जल से संबंधित जानकारी लेने की उत्सुकता उनमें देखते ही बनी।

अमर उजाला

UP: 'जल ज्ञान यात्रा' के जरिए छात्रों ने समझी पानी की अहमियत, बूंद-बूंद बचाने के लिए किया गया प्रेरित

जल जीवन मिशन के तहत स्कूली छात्रों को परियोजनाओं की बारीकियां बताई गई। जल ज्ञान यात्रा में छात्रों को क्लोरीनयुक्त जल के फायदे भी बताए गए। ओवरहैंड टैंक देखने के बाद छात्रों ने गोदौली गांव का भी भ्रमण किया।

जल ज्ञान यात्रा - फोटो : अमर उजाला

दुनिया के लिए पानी की अहमियत को समझाने के लिए खास अभियान चलाया जा रहा है। इसके मद्देनजर जल जीवन मिशन को लेकर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। जल जीवन मिशन की परियोजनाओं पर सहभागी बनाने के लिए लखनऊ के सरोजनीनगर में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्कूली बच्चों को बूंद-बूंद जल बचाने के लिए प्रेरित भी किया गया। इस दौरान नवोदय विद्यालय पिपरसंड और केन्द्रीय विद्यालय सीआरपीएफ बिजनौर के 100 से अधिक छात्र शामिल हुए।

हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

इसमें शामिल छात्र-छात्राओं को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सीआरपीएफ के प्रधानाचार्य आरके सिंह, नवोदय विद्यालय की प्रधानाचार्य साधना शुक्ला और योजना के जिला समन्वयक डॉ. हरपाल सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सबसे पहले छात्र-छात्राओं को सरोजनीनगर स्थित गोंदौली पेयजल परियोजना ले जाया गया। छात्रों को ओवरहैड टैंक और पंप हाउस की कार्यप्रणाली समझाई गई। उनको क्लोरीनेशन रूम दिखाया गया। सप्लाई किए जाने से पहले पानी को कैसे शुद्ध किया जाता है ये भी दिखाया गया।

ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति

जल ज्ञान यात्रा में छात्रों को क्लोरीनयुक्त जल के फायदे भी बताए गए। उन्हें बताया गया कि 100 केएल के ओवरहैड टैंक में 30 लीटर क्लोरीन मिलाई जाती है। जो पानी में मौजूद बैक्टीरिया और दूसरे हानिकारक तत्वों को खत्म करके ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करती है। पंप हाउस में लगे इलेक्ट्रानिक पैनल से पानी की गुणवत्ता और सप्लाई पर नजर रखी जाती है। यह पूरी प्रक्रिया आटोमेटिक है। खास बात यह है कि यह पूरी प्रकिया सौर ऊर्जा से संचालित की जाती है।

छात्रों ने गोदौली गांव का भी भ्रमण किया

ओवरहैंड टैंक देखने के बाद छात्रों ने गोदौली गांव का भी भ्रमण किया। स्वजन फाउंडेशन की ओर से बच्चों को नुक्कड़ नाटक व लोकगीत के जरिए जल संचयन की अहमियत बताई गई। छात्रों ने जल संरक्षण की शपथ भी ली।

अमर उजाला

गंगा सम्मान समारोह: जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव बोले - नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव व अन्य। - फोटो : amar ujala

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत शुक्रवार को जल निगम (ग्रामीण) के प्रेक्षागृह में गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें राज्य के विभिन्न जनपदों में गंगा सफाई के लिये कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, गंगा समितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव व प्रमुख सचिव नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर देश में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन करने वाले यूपी के विभिन्न जिलों के अधिकारियों को भी जल शक्ति मंत्री ने सम्मानित किया।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। अविरल नदियाँ मूल प्राकृतिक संसाधन है इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वछता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से अमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों के बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता। जल शक्ति मंत्री ने बताया कि यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति की है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। प्रगति का जो जश्न हम आज मना रहे है वो महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का ही परिणाम है।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर -घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि जहां पहले नदियों में 5500 करोड़ प्रति लीटर सीवेज होता था उसमें से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था वहीं आज 3500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में यूपी में जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वो सभी तैयार हो जायेंगे।

गांव -गांव में लगेगी जल चौपाल : जल शक्ति मंत्री

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल निगम (ग्रामीण) में इस अवसर पर आयोजित नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग कि योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से गांव -गांव में पंप हाउस परिसरों जल चौपाल लगाने के निर्देश दिए। इन जल चौपाल में ग्रामीणों के साथ जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित रहेंगे और जल सप्लाई की निरंतर निगरानी होगी।

दैनिक भास्कर
BHASKARHINDI.COM

गंगा सम्मान समरोह: नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य : स्वतंत्र देव

डिजिटल डेस्क, लखनऊ। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत शुक्रवार को जल निगम (ग्रामीण) के प्रेक्षागृह में गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें राज्य के विभिन्न जनपदों में गंगा सफाई के लिये कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, गंगा समितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव व प्रमुख सचिव नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने महिलाओं को सम्मानित किया। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि अविरल नदियां मूल प्राकृतिक संसाधन हैं। इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है।

उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वछता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से अमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों के बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता। यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति की है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। प्रगति का जो जश्न हम आज मना रहे हैं, वो महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का ही परिणाम है।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर -घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी।

उन्होंने कहा कि जहां पहले नदियों में 5,500 एमएलडी सीवेज होता था, उसमें से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था। वहीं, आज 3,500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में यूपी में जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वो सभी तैयार हो जायेंगे।

हिन्दुस्तान

गंगा सफाई करने वाली महिलाओं को मिला गंगा सम्मान

हिन्दुस्तान

लखनऊ। विशेष संवाददाता

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को यूपी में गंगा सफाई में विशेष कार्य करने वाली संस्थाओं व गंगा समितियों में काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गंगा सम्मान का जश्न महिलाओं के समर्पण और सहयोग के प्रयास का परिणाम है। नदियों के प्रति समाज की सोच बदलना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दिशा में आगे बढ़कर सबको काम करना होगा। इस मौके पर जल शक्ति मंत्री ने राणा प्रताप मार्ग स्थित उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) द्वारा नवनिर्मित प्रशासनिक भवन और अमृत वाटिका का मन्त्रोंचार के बीच विधिवत उद्घाटन किया।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत जल निगम (ग्रामीण) के प्रेक्षागृह में गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह थे। सम्मानित होने वाली महिलाओं व संस्थाओं की संख्या करीब 70 थी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति बेहतर हुई है और प्रवाह निर्मल हुआ है। गंगा की स्वच्छता में महिलाओं का योगदान सराहनीय रहा है। यूपी की छोटी नदियों का भी कायाकल्प हो रहा है।

स्वतंत्र देव सिंह ने जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण की विभिन्न श्रेणियों में अव्वल रहे अधिकारियों को भी सम्मानित किया। भारत में श्रेष्ठ जनपदों को सम्मानित किए जाने के क्रम में जल जीवन सर्वेक्षण अवार्ड व प्रमाण पत्र दिए गए। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर-घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पहले नदियों में 5500 एमएलडी सीवेज होता था जिसमें से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था। आज 3500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में यूपी में जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वे सभी तैयार हो जाएंगे।

गांवों में लागेगी जल चौपाल

इस कार्यक्रम के अलावा स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को जल निगम (ग्रामीण) नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग कि योजनाओं की समीक्षा की। जिसमें अधिकारियों को गांव-गांव में पंप हाउस परिसरों जल चौपाल लगाने के निर्देश दिए।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar
स्थापित – 1948
बहुभाषी न्यूज एजेंसी

नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य : स्वतंत्र देव

लखनऊ, 08 दिसम्बर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को यहां कहा कि पिछले 10 सालों में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। उन्होंने कहा कि अविरल नदियां मूल प्राकृतिक संसाधन हैं इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है।

स्वतंत्र देव सिंह आज नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत आयोजित गंगा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वछता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए उन्होंने कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से अमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों के बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता।

जल शक्ति मंत्री ने बताया कि उप्र में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति की है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। प्रगति का जो जश्न हम आज मना रहे है वो महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का ही परिणाम है।

जल निगम (ग्रामीण) के प्रेक्षागृह में आयोजित गंगा सम्मान समारोह में राज्य के विभिन्न जनपदों में गंगा सफाई के लिये कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, गंगा समितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव व प्रमुख सचिव नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर देश में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन करने वाले उप्र के विभिन्न जिलों के अधिकारियों को भी जल शक्ति मंत्री ने सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर-घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि जहां पहले नदियों में 5500 करोड़ प्रति लीटर सीवेज होता था उसमें से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था वहीं आज 3500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में उप्र में जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वे सभी तैयार हो जायेंगे।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शामिल उप्र के अधिकारियों को भी सम्मानित किया

जल शक्ति मंत्री ने कार्यक्रम में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण की विभिन्न श्रेणियों में अव्वल रहे अधिकारियों को भी सम्मानित किया। भारत में श्रेष्ठ जनपदों को सम्मानित किये जाने हेतु जल जीवन सर्वेक्षण अवार्ड व प्रमाण पत्र दिए। अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 के बीच विभिन्न श्रेणियों में सम्पूर्ण भारत में उत्तर प्रदेश के जनपदों ने उत्कृष्ट प्रर्दशन किया है। इनमें शाहजहाँपुर, बुलन्दशहर, बरेली, हापुड़, गाजियाबाद, मीरजापुर, झांसी, ललितपुर, देवरिया, श्रावस्ती, बांदा, महोबा, हमीरपुर, चित्रकूट तथा सोनभद्र जिले के अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

गांव-गांव में लगेगी जल चौपाल : जल शक्ति मंत्री

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने इस अवसर पर आयोजित नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से गांव-गांव में पंप हाउस परिसरों में जल चौपाल लगाने के निर्देश दिए। इन जल चौपाल में ग्रामीणों के साथ जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित रहेंगे और जल सप्लाई की निरंतर निगरानी होगी।

नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन भी हुआ

जल शक्ति मंत्री ने इस अवसर पर राणा प्रताप मार्ग स्थित उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) द्वारा नवनिर्मित प्रशासनिक भवन और अमृत वाटिका का विधि विधान से वैदिक मन्त्रों के उच्चारण के बीच उद्घाटन किया।

जागरण

मुजफ्फरनगर में नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से आयोजित की गई जल ज्ञान यात्रा, स्कूली बच्चों ने समझी जल की महत्ता

यूपी के मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें उनको जल की जीवन में महत्ता के बारे में जानकारी मिली। उनको मालूम चला कि जल को संरक्षित करना जीवन में कितना जरूरी है। स्कूली बच्चों ने यात्रा में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जल जांच की उपयोगिता जानी।

डिजिटल डेस्क, मुजफ्फरनगर। चीनी, इस्पात और कागज उद्योगों के लिए मशहूर मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें उनको जल की जीवन में महत्ता के बारे में जानकारी मिली। उनको मालूम चला कि जल को संरक्षित करना जीवन में कितना जरूरी है। स्कूली बच्चों ने यात्रा में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जल जांच की उपयोगिता जानी। घर-घर पहुंचाई जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया को ग्राम पेयजल योजना पर जाकर समझा। पानी की टंकी और पम्प हाउस को नजदीक से देखा।

NBT
नवभारत टाइम्स
Hindi

गंगा सफाई के लिए काम करने वालों का सम्मान, स्वतंत्र देव ने कहा- यूपी की नदियों का हुआ कायाकल्प

गंगा के लिए काम करने वालों का हुआ सम्मान

लखनऊ: नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की तरफ से शुक्रवार को गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें गंगा सफाई के लिये काम करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, गंगा समितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव ने महिलाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर देश में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन करने वाले यूपी के विभिन्न जिलों के अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

इस मौके पर स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पिछले 10 सालों में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। अविरल नदियां मूल प्राकृतिक संसाधन है इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वछता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से अमूलचूल परिवर्तन आया है। आप लोगों के बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता। यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति कि है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। प्रगति का जो जश्न हम आज मना रहे है वो महिलाओं के समर्पण का ही परिणाम है।

डेढ़ सालों में तैयार हो जाएंगे सीवेज ट्रीटमेंट के अधूरे प्रोजेक्ट

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर -घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि जहाँ पहले नदियों में 5500 करोड़ प्रति लीटर सीवेज होता था उसमे से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था वहीं आज 3500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में यूपी में जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वो सभी तैयार हो जायेंगे।

NATIONAL NEWS VISION

जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों ने समझी जल की महत्ता

मुजफ्फरनगर। चीनी, इस्पात और कागज उद्योगों के लिए मशहूर मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें उनको जल की जीवन में महत्ता के बारे में जानकारी मिली। उनको मालूम चला कि जल को संरक्षित करना जीवन में कितना जरूरी है।

जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला में जल जांच परीक्षण कराया गया

स्कूली बच्चों ने यात्रा में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जल जांच की उपयोगिता जानी। घर-घर पहुंचाई जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया को ग्राम पेयजल योजना पर जाकर समझा। पानी की टंकी और पम्प हाउस को नजदीक से देखा।

सीडीओ संदीप भागिया, मनरेगा के जिला समन्वयक आरके यादव और बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला ने हरी झण्डी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया।

मुजफ्फरनगर में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा आयोजित

मुजफ्फरनगर में पहली बार आयोजित जल ज्ञान यात्रा में सरकारी और प्राइवेट स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। सबसे पहले उनको जल निगम(ग्रामीण) प्रयोगशाला में ले जाया गया। जहां उनको जल परीक्षण करके दिखाया गया। बच्चों ने भी अपने हाथों से जल परीक्षण किया।

इस अवसर पर उनको जल जांच की उपियोगिता बताई गई। स्कूली बच्चों ने जल निगम अधिकारियों से कई सवाल किये जिसके उत्तर भी मिले। इसके बाद उनको इलाहबास ग्राम पेयजल योजना, विकास खण्ड-मोरना का भ्रमण कराया गया।

पानी टंकी, पम्प हाउस का कराया भ्रमण, स्वच्छ पेयजल की उपियोगिता समझाई

यहां उनको गांव-गांव में दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई। हर घर जल योजना की जानकारी दी गई। बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए पानी टंकी परिसर में कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

Lucknow News: नदियों को संरक्षित रखना हम सब का कर्तव्य, बोले स्वतंत्र देव

Lucknow News: गंगा सम्मान का जश्न महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का परिणाम । गांव में पेयजल सप्लाई की निगरानी के लिये अधिकारी लगाएं चौपाल। जल शक्ति मंत्री ने यूपी में गंगा स्वछता में योगदान दें रहीं जागरूक महिलाओं को जल निगम (ग्रामीण) मुख्यालय में सम्मानित किया।

Lucknow News: पिछले दस सालों में मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। अविरल नदियाँ मूल प्राकृतिक संसाधन है इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है। ये बातें जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने आज यहाँ कही। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वछता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से अमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों के बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता। जल शक्ति मंत्री ने बताया कि यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति की है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है। जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। प्रगति का जो जश्न हम आज मना रहे है वो महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का ही परिणाम है।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर -घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि जहाँ पहले नदियों में 5500 करोड़ प्रति लीटर सीवेज होता था उसमे से 20 से 25 प्रतिशत ही ट्रीट होता था। वहीं आज 3500 एमएलडी सीवेज हम ट्रीट कर रहे हैं, अगले डेढ़ सालों में यूपी में जो सीवेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट अधूरे हैं वो सभी तैयार हो जायेंगे।

गांव-गांव में लागेगी जल चौपाल : जल शक्ति मंत्री

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल निगम (ग्रामीण) में इस अवसर पर आयोजित नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग कि योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से गांव -गांव में पंप हाउस परिसरों जल चौपाल लगाने के निर्देश दिए। इन जल चौपाल में ग्रामीणों के साथ जल निगम (ग्रामीण) के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित रहेंगे और जल सप्लाई की निरंतर निगरानी होगी।

जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शामिल यूपी के जनपदों के अधिकारियों को भी सम्मानित किया, जल शक्ति मंत्री ने कार्यक्रम में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण की विभिन्न श्रेणियों में अव्वल रहे अधिकारियों को सम्मानित भी किया। भारत में श्रेष्ठ जनपदों को सम्मानित किये जाने हेतु जल जीवन सर्वेक्षण अवार्ड व प्रमाण पत्र दिए। अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 के बीच विभिन्न श्रेणियों में सम्पूर्ण भारत में उत्तर प्रदेश के जनपदों ने उत्कृष्ट प्रर्दशन किया है। इनमें जनपद शाहजहाँपुर को Aspirants Performance Category (0-25% FHTC Coverage) श्रेणी में देश के 121 जनपदों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। बुलन्दशहर को Aspirants Performance Category (0-25% FHTC Coverage) श्रेणी में देश के 121 जनपदों में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बरेली को Aspirants Performance Category (0-25% FHTC Coverage) श्रेणी में देश के 121 जनपदों में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

NATIONAL NEWS VISION

नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य: स्वतंत्र देव

लखनऊ। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत शुक्रवार को जल निगम (ग्रामीण) के प्रेक्षागृह में गंगा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें राज्य के विभिन्न जनपदों में गंगा सफाई के लिये कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, गंगा समितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

जल शक्ति मंत्री ने यूपी में गंगा स्वछता में योगदान दें रहीं जागरूक महिलाओं को किया सम्मानित

मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव व प्रमुख सचिव नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर देश में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन करने वाले यूपी के विभिन्न जिलों के अधिकारियों को भी जल शक्ति मंत्री ने सम्मानित किया।

गांव में पेयजल सप्लाई की निगरानी के लिये अधिकारी लगाएं चौपाल : स्वतंत्र देव

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सभी नदियों की स्थिति सुदृढ़ और प्रवाह निर्मल हुआ है। अविरल नदियाँ मूल प्राकृतिक संसाधन है इन नदियों को संरक्षित रखना हम सबका कर्तव्य है।

गंगा सम्मान का जश्न महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का परिणाम

उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गंगा स्वछता के लिये योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि नदी स्वच्छता में इनके प्रयास से अमूलचूल परिवर्तन आया है।

उन्होंने कहा कि आप लोगों के बिना गंगा सफाई का कार्य नहीं हो सकता। जल शक्ति मंत्री ने बताया कि यूपी में शहरी सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने प्रगति कि है। छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है।

जनता को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। प्रगति का जो जश्न हम आज मना रहे है वो महिलाओं के समर्पण और साहयोगात्मक प्रयास का ही परिणाम है। नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव, जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह भी मौजूद रहे

नदियों के प्रति समाज कि सोच बदलना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी: अनुराग श्रीवास्तव

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा सफाई की जागरूकता को राज्य के घर -घर तक पहुंचाने के अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके गंगा सफाई कार्य में योगदान के लिये बधाई दी।

समर सलिल
www.samarsaleel.com

जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों ने समझी जल की महत्ता

मुजफ्फरनगर। चीनी, इस्पात और कागज उद्योगों के लिए मशहूर मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें उनको जल की जीवन में महत्ता के बारे में जानकारी मिली।

उनको मालूम चला कि जल को संरक्षित करना जीवन में कितना जरूरी है। स्कूली बच्चों ने यात्रा में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जल जांच की उपयोगिता जानी। घर-घर पहुंचाई जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया को ग्राम पेयजल योजना पर जाकर समझा। पानी की टंकी और पम्प हाउस को नजदीक से देखा।

सीडीओ संदीप भागिया, मनरेगा के जिला समन्वयक आरके यादव और बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला ने हरी झण्डी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। मुजफ्फरनगर में पहली बार आयोजित जल ज्ञान यात्रा में सरकारी और प्राइवेट स्कूल के बच्चों ने भाग लिया।

सबसे पहले उनको जल निगम(ग्रामीण) प्रयोगशाला में ले जाया गया। जहां उनको जल परीक्षण करके दिखाया गया। बच्चों ने भी अपने हाथों से जल परीक्षण किया।

इस अवसर पर उनको जल जांच की उपियोगिता बताई गई। स्कूली बच्चों ने जल निगम अधिकारियों से कई सवाल किये जिसके उनको उत्तर भी मिले। इसके बाद उनको इलाहबास ग्राम पेयजल योजना, विकास खण्ड-मोरना का भ्रमण कराया गया।

यहां उनको गांव-गांव में दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया दिखाई गई। हर घर जल योजना की जानकारी दी गई। बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए पानी टंकी परिसर में कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

हिन्दुस्तान

बच्चों ने नुक्कड़ नाटक करके ग्रामीणों को किया जागरूक

हिन्दुस्तान

विकास भवन परिसर से बुधवार को जल जीवन मिशन के तहत जल ज्ञान यात्रा को रवाना किया गया। समारोह में जिले के परिषदीय व निजी विद्यालयों के बच्चों को हिस्सा बनाया गया जिससे बच्चे जल के महत्व को समझ सकें।

विकास भवन में आयोजित जल ज्ञान यात्रा का उद्देश्य बच्चों के माध्यम से बड़ों तक पानी का महत्व पहुंचाना रहा। समारोह में दस परिषदीय तो दो निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया। बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाट्य के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास भी किया गया। सीडीओ सुमित यादव ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। जिसमें स्कूली बच्चे भी यात्रा के साथ गए। बच्चों को आशियाना स्थित जल निगम की प्रयोगशाला लेकर जाया गया। जहां बच्चों को दूषित पानी को स्वच्छ करने की तकनीक बताई गई। दूषित पानी को पीने से पहले जांचने के उपाय बताए। इसके बाद यात्रा ग्राम मीरपुर में निर्माणाधीन पानी की टंकी के पास लेकर जाया गया। जहां बच्चों के साथ टंकी से संबंधित कार्यों को लेकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने ग्रामीणों के बीच नुक्कड़ नाटक करके पानी के प्रति जागरूक किया।

जागरण

UP News: नुक्कड़ नाटक ने बच्चों का खींचा ध्यान, दिया जल सप्लाई से जुड़ा हर ज्ञान; ग्रामीणों को किया जागरूक

राज्य में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का आयोजन मुरादाबाद चंदौली और बाराबंकी में किया गया। रामगंगा नदी के तट पर बसे मुरादाबाद जिले में बुधवार का दिन सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए ख़ास और जागरूकता भरा रहा। उन्होंने स्कूल से निकल ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाई जा रही जल सप्लाई की प्रक्रिया को देखा।

सरकारी स्कूलों के बच्चों ने पूरे उत्साह से जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया

जागरण संवाददाता, लखनऊ। राज्य में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का आयोजन मुरादाबाद, चंदौली और बाराबंकी में किया गया। रामगंगा नदी के तट पर बसे मुरादाबाद जिले में बुधवार का दिन सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए ख़ास और जागरूकता भरा रहा। उन्होंने स्कूल से निकल ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाई जा रही जल सप्लाई की प्रक्रिया को देखा। विकास भवन से सीडीओ सुमित यादव ने हरी झण्डी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा शुरू कराई। उनको कूरा मीरपुर वाटर सप्लाई स्कीम ले जाया गया।

जहां उन्होंने पानी टंकी, पम्प हाउस देखा और यहां से ग्रामीणों तक सप्लाई की जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया भी उन्होंने नज़दीक से देखा। जल जागरुकता पर नुक्कड़ और चित्रकला प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। उन्होंने जल की उपयोगिता समझी और उसको कागज पर उकेरा भी।

निष्पक्ष दस्तक

ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल

ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल

नुक्कड़ नाटक ने बच्चों का खींचा ध्यान, दिया जल सप्लाई से जुड़ा हर ज्ञान। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल जल ज्ञान यात्रा का मुरादाबाद, चंदौली और बाराबंकी में हुआ आयोजन। ग्राम पेयजल योजनाओं का स्कूली बच्चों को कराया गया भ्रमण, जल गुणवत्ता जांच की उपयोगिता बताई। सरकारी स्कूलों के बच्चों ने पूरे उत्साह से जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया, जल जागरूकता कार्यक्रम भी हुए।

लखनऊ। राज्य में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का आयोजन मुरादाबाद, चंदौली और बाराबंकी में किया गया। रामगंगा नदी के तट पर बसे मुरादाबाद जिले में बुधवार का दिन सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए ख़ास और जागरूकता भरा रहा। उन्होंने स्कूल से निकल ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाई जा रही जल सप्लाई की प्रक्रिया को देखा। विकास भवन से सीडीओ सुमित यादव ने हरी झण्डी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा शुरू कराई। उनको कूरा मीरपुर वाटर सप्लाई स्कीम ले जाया गया। जहां उन्होंने पानी टंकी, पम्प हाउस देखा और यहां से ग्रामीणों तक सप्लाई की जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया भी उन्होंने नज़दीक से देखा। जल जागरूकता पर नुक्कड़ और चित्रकला प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। उन्होंने जल की उपयोगिता समझी और उसको कागज पर उकेरा भी।

ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहर समेटे चंदौली जिले में बड़ी संख्या में सरकारी स्कूल के बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। स्कूली बच्चों के लिए इस यात्रा में शामिल होना एकदम अलग अनुभव रहा। यात्रा का शुभारंभ बीएसए कार्यालय से सीडीओ सुरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने हरी झण्डी दिखाकर किया। इसी तरह से घाघरा नदी के किनारे बसे बाराबंकी जिले में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें 10 स्कूलों के 100 स्कूली बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। स्कूली बच्चों को ग्राम पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। स्कूली बच्चों ने ग्रामीणों को पानी सप्लाई की प्रक्रिया को नजदीक से देखा। उनको जल जांच की उपयोगिता बताने के साथ उसका परीक्षण भी करके दिखाया गया। जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभिंयता अमित कुमार ने हरी झण्डी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। ग्राम प्रधान सुधीर कुमार वर्मा भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

स्कूली बच्चे हाथों में जल जागरूकता की स्लोगन लिखी तख्तियां लिये विकासखंड हरख की पेयजल योजना नानमऊ पहुंचे। यहां उनको योजना परिसर में जल गुणवत्ता जांच दिखाई गई। उनको बताया गया पानी की 11 तरह की जांच की जा रही है। इसके लिए ग्रामीण महिलाओं को एक किट दी गई है जिसमें जल जांच के उपकरण रहते हैं। किट का नाम फील्ड टेस्ट किट है। उनको यहां पम्प हाउस और पानी टंकी भी दिखाई गई। ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया भी दिखाई गई। स्कूली बच्चों को मंजीठा ग्राम पंचायत में पेयजल योजना भी देखने का मौका मिला। यहां अधिकारियों ने उनको हर घर जल योजना की जानकारी दी और गांव-गांव में स्वच्छ पेयजल पहुंचने से आए बदलाव की कहानी भी सुनाई। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्कूली बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

NATIONAL NEWS VISION

नुक्कड़ नाटक ने बच्चों का खींचा ध्यान, दिया जल सप्लाई से जुड़ा हर ज्ञान

लखनऊ। राज्य में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का आयोजन मुरादाबाद, चंदौली और बाराबंकी में किया गया। रामगंगा नदी के तट पर बसे मुरादाबाद जिले में बुधवार का दिन सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए ख़ास और जागरूकता भरा रहा।

जल ज्ञान यात्रा का मुरादाबाद, चंदौली और बाराबंकी में हुआ आयोजन

उन्होंने स्कूल से निकल ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाई जा रही जल सप्लाई की प्रक्रिया को देखा। विकास भवन से सीडीओ सुमित यादव ने हरी झण्डी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा शुरू कराई।

उनको कूरा मीरपुर वाटर सप्लाई स्कीम ले जाया गया। जहां उन्होंने पानी टंकी, पम्प हाउस देखा और यहां से ग्रामीणों तक सप्लाई की जा रही पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया भी उन्होंने नज़दीक से देखा। जल जागरूकता पर नुक्कड़ और चित्रकला प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। उन्होंने जल की उपयोगिता समझी और उसको कागज पर उकेरा भी।

ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहर समेटे चंदौली जिले में बड़ी संख्या में सरकारी स्कूल के बच्चों ने जल ज्ञान यात्रा में भाग लिया। स्कूली बच्चों के लिए इस यात्रा में शामिल होना एकदम अलग अनुभव रहा। यात्रा का शुभारंभ बीएसए कार्यालय से सीडीओ सुरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने हरी झण्डी दिखाकर किया।

ग्राम पेयजल योजनाओं का स्कूली बच्चों को कराया गया भ्रमण

इसी तरह से घाघरा नदी के किनारे बसे बाराबंकी जिले में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें 10 स्कूलों के 100 स्कूली बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। स्कूली बच्चों को ग्राम पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। स्कूली बच्चों ने ग्रामीणों को पानी सप्लाई की प्रक्रिया को नजदीक से देखा।

NEWSTRACK
JUST JOURNALISM...

Har Ghar Jal Scheme: फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में अगले साल दिसंबर तक पहुंचेगा 'हर घर जल'- डॉ. बलकार सिंह

Har Ghar Jal Scheme: नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम(ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह पहुंचे आगरा, जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा की। फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा के 9.70 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को मिलेगा शुद्ध पेयजल।

डॉ. बलकार सिंह (Social Media)

Har Ghar Jal Scheme: भूगर्भ जल के खारा और फ्लोराइड युक्त होने का संकट अब फिरोजाबाद (Firozabad), आगरा (Agra) और मथुरा (Mathura) में खत्म होने वाला है। जल जीवन मिशन योजना (Jal Jeevan Mission) की 'हर घर जल योजना' यहां जमीन पर उतर चुकी है। दिसम्बर 2024 तक तीनों जिलों के के 9 लाख 70 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को 'नल से जल' की सौगात देने की तैयारी है।

आगरा में शनिवार (16 दिसंबर) को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव तथा जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने 'जल जीवन मिशन' की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी तीनों जिलों में कार्यों की प्रगति जानी।

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

डॉ. बलकार सिंह ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी। निर्देश दिया कि, वो अपने-अपने कार्यों का होमवर्क करें। हर हाल में फील्ड में उतरें और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें। उन्होंने फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने तथा यात्राओं को सफल बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए योजनाओं को समय से पूरा करने को भी कहा। समीक्षा बैठक में आगरा जल निगम के इंजीनियर और जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

मथुरा में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

समीक्षा बैठक के बाद नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने मथुरा पहुंचकर नौझील विकासखंड की मांट तहसील के बैरा गांव में बन रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (water treatment plant) का निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों से कार्य को तेजी से पूरा करने के भी निर्देश दिये।

जल निगम लैब में मिली खामियां, अधिकारियों की लगी फटकार

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव डॉ. बलकार सिंह ने समीक्षा बैठक के बाद जल निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। वो जल निगम में बनी लैब भी गए। वहां खामियां पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

हिन्दुस्तान

दिसंबर 2024 तक हर घर को मिलेगा नल से जल

हिन्दुस्तान

आगरा सहित फिरोजाबाद और मथुरा की जनता को खारे और फ्लोराइडयुक्त पानी से जल्द मुक्ति मिल जाएगी। जल जीवन मिशन योजना के तहत दिसम्बर 2024 तक तीनों जिलों के 9.70 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल मिलने लगेगा।

आगरा में 2600 करोड़, फिरोजाबाद में 1994 करोड़ और 2558 करोड़ की लागत से मथुरा बहुल ग्राम समूह पेयजल योजनाओं (सतही स्रोत) में कार्य कराए जाने हैं। शनिवार को आगरा आए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने जल निगम कार्यालय में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजनाओं (फेज-4) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से तीनों जिलों में कार्यों की प्रगति जानी। अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिये कि वो अपने-अपने कार्यों का होमवर्क करें, हर हाल में फील्ड में उतरें और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें। उन्होंने फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्राओं में भी अधिकारियों को भागीदारी करने और यात्राओं को सफल बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं को समय से पूरा करने को भी कहा। समीक्षा बैठक में आगरा जल निगम के इंजीनियर और जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

पेयजल योजनाओं की निरंतर निगरानी करें अधिकारी: बलकार सिंह

हिन्दुस्तान

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने रविवार को जिला प्रशासन, जल निगम, सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्यों की समीक्षा की। यह प्लांट से फिरोजाबाद और आगरा को पानी की आपूर्ति दी जाएगी।

जल निगम (ग्रामीण) के एमडी रविवार देर शाम बढ़ैरा गांव में निर्मित होने वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वो इस बात की पड़ताल कर लें कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण स्थल के निर्धारित क्षेत्र में जलभराव की स्थिति तो नहीं है। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार का विवाद नहीं होना चाहिए। निर्माण के दौरान आने वाली समस्याओं का भी तत्काल निस्तारण कराने के भी उन्होंने अधिकारियों से कहा है। जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के तहत एटा में उत्तर भारत का सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनने जा रहा है। इस डब्ल्यूटीपी पर पानी को ट्रीट करके ग्रामीणों के घरों तक शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंचाई जाएगी। उत्तर प्रदेश का भी यह सबसे सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट होगा। इस प्लांटसे फिरोजाबाद और आगरा को भरपूर पानी मिलेगा।

Investing.com

पेयजल योजनाओं की निरंतर निगरानी करें अधिकारी : डॉ. बलकार सिंह

पेयजल योजनाओं की निरंतर निगरानी करें अधिकारी : डॉ. बलकार सिंह

एटा, 18 दिसंबर (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश के एटा के बढ़ैरा गांव में उत्तर भारत का सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) बनने जा रहा है। इसकी तैयारी को लेकर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने योजना पर निरंतर निगरानी के निर्देश दिये हैं। प्रमुख सचिव के निर्देश पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव और जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने एटा पहुंचकर जिला प्रशासन, जल निगम, सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्यों की समीक्षा की।

जल निगम (ग्रामीण) के एमडी ने बढ़ैरा गांव में निर्मित होने वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थल पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वो इस बात की पड़ताल कर लें कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण स्थल के निर्धारित क्षेत्र में जलभराव की स्थिति तो नहीं है।

उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार का विवाद नहीं होना चाहिए। समस्याओं का भी तत्काल निस्तारण किया जाए।

बता दें कि जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के तहत एटा में उत्तर भारत का सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनने जा रहा है। इस डब्ल्यूटीपी पर पानी को ट्रीट करके ग्रामीणों के घरों तक शुद्ध पेयजल सप्लाई पहुंचाई जाएगी। उत्तर प्रदेश का भी यह सबसे सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट होगा।

C News भारत

जल जीवन मिशन हर घर जल जल ज्ञान यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

सिद्धार्थनगर : जल जीवन मिशन हर घर जल जल ज्ञान यात्रा के तत्वाधान में चलाए जा रहे जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी पवन अग्रवाल द्वारा जल ज्ञान यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। 03 बसो पर 10 विद्यालयों के कुल 125 के साथ 14 शिक्षक जल ज्ञान यात्रा में सम्मिलित थें। डीसी श्री चंद्रपाल सोनी डीपीएमयू अंकित पाठक संस्था मेंसर्श फाल्कन महाराष्ट्र ने भाग लेकर स्वागत गीत प्रस्तुत किया विभिन्न विद्यालयों से आए छात्रों को जल निगम ले जाकर लैब में वॉटर टेस्टिंग करना सिखाया गया इसके बाद ग्राम पंचायत कटकी विकासखंड उसका बाजार में परियोजना का अवलोकन कराया गया जल जीवन मिशन पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया जिसमे पाइप पेयजल परियोजना के बारे में बताया और दूषित पेयजल से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया जल जीवन मिशन के अंतर्गत बनाई जा रही पानी की टंकी और कनेक्शन लेने के लिए आदि बातों पर जानकारी दी गई। खुले में शौच करने से गंदगी हमारे घर तक कैसे आती है इन सब के बारे में जागरूक किया गया।ग्राम प्रधान राम प्रकाश यादव ग्राम पंचायत से आये सभी सदस्य गण एवं जल जीवन मिशन जिला परियोजना समन्वय तौक़ीर आज़म,गोविंद सिंह और नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने नाटक प्रस्तुत करके लोगो को जागरूक किया।

जागरण

UP News: गोरखपुर, सिद्धार्थनगर और कानपुर देहात में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन, बच्चों को बताई गई जल संरक्षण की अहमियत

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से मंगलवार को गोरखपुर सिद्धार्थनगर और कानपुर देहात में जल ज्ञान यात्रा का सफल आयोजन किया गया। गोरखपुर में सीडीओ संजय मीणा कानपुर देहात में बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला और सिद्धार्थनगर में जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने यात्रा का शुभारंभ किया। जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से स्कूली बच्चों को जल संरक्षण एवं उसके महत्व के बारे में बताया गया।

UP News: गोरखपुर, सिद्धार्थनगर और कानपुर देहात में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन

डिजिटल डेस्क, लखनऊ। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से मंगलवार को गोरखपुर, सिद्धार्थनगर और कानपुर देहात में जल ज्ञान यात्रा का सफल आयोजन किया गया। गोरखपुर में सीडीओ संजय मीणा, कानपुर देहात में बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला और सिद्धार्थनगर में जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने यात्रा का शुभारंभ किया।

जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से स्कूली बच्चों को जल संरक्षण एवं उसके महत्व के बारे में बताया गया। इस यात्रा में स्कूली बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जल ज्ञान यात्रा के अंतर्गत सभी बच्चों को जल जांच की प्रक्रिया दिखाने के साथ-साथ भूजल उपचार और अन्य संबंधित मुद्दों की जानकारी दी गई।

NEWSTRACK
JUST JOURNALISM...

स्कूली बच्चों ने अपने हाथों से जांची जल की गुणवत्ता, संत रविदास नगर, बदायूं और आजमगढ़ में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन

Jal Gyan Yatra: संत रविदास नगर(भदोही), बदायूं और आजमगढ़ में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन हुआ। सरकारी स्कूलों के बच्चों ने शिरकत की। पेयजल योजनाओं का भ्रमण किया। स्कूली बच्चों को पानी टंकी और पम्प हाउस के संचालन की जानकारी दी गई।

जल ज्ञान यात्रा का आयोजन (Social Media)

Lucknow News: नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से सोमवार (18 दिसंबर) को संत रविदास नगर (भदोही), बदायूं और आजमगढ़ में जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। सरकारी स्कूलों के बच्चों ने यात्रा में भाग लिया और जल की महत्ता को समझा। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने जल जागरूकता के लिए रैली निकाली। उन्होंने यहां पानी की कीमत को समझा और जल बचाने के लिए लोगों को जागरूक करने की शपथ भी ली।

राज्य सरकार की पहल जल ज्ञान यात्रा में भाग लेने वाले सरकारी स्कूलों के बच्चों को पेयजल परियोजनाओं का भ्रमण कराने के साथ जल जांच की प्रक्रिया दिखाई गई। उन्हें भूजल उपचार, ग्रे वाटर का उपचार और अन्य संबंधित मुद्दों की जानकारी भी दी गई।

बच्चों ने किया भ्रमण, जाना पेयजल योजना को

संत रविदास नगर में सीडीओ यशवंत कुमार सिंह, जल निगम(ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता मुजीब अहमद और डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर राम विलास यादव ने हरी झण्डी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों को जल निगम(ग्रामीण) भदोही की जल जांच प्रयोगशाला और विकास खंड औराई की ग्राम पंचायत मगैनी और विकासखंड भदोही की ग्राम पंचायत राधोपुर की ग्रामीण पेयजल योजना का भ्रमण किया।

बदायूं में जल जांच प्रयोगशाला गए बच्चे

बदायूं में सीडीओ केशव कुमार ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया। स्कूली बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) की जल जांच प्रयोगशाला ले जाया गया जहां उन्हें जल नमूनों की जांच करके दिखाई गई। स्कूली बच्चों ने भी अपने हाथों से पानी गुणवत्ता की जांच की। उनके लिए यह अनुभव एकदम नया था। स्कूली बच्चों ने यहां जल जागरूकता पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। उनको जल ज्ञान यात्रा और चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पुरस्कृत भी किया गया। इसके बाद उनको ग्राम पेयजल योजना विकासखंड सलारपुर ग्राम पंचायत सिगाई का भ्रमण कराया गया।

NATIONAL NEWS VISION

जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों को मिली 'जल संरक्षण' की सीख

संभल। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन गुरुवार को संभल जिले में किया गया। इसमें बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों से आए बच्चों ने भाग लिया। उनको यहां जल की महत्ता और उपयोगिता की जानकारी मिली।

संभल में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा आयोजित

ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रही जल जीवन मिशन की हर घर योजना के बारे में उन्हें पता चला। योजना के तहत बनाई गई पानी टंकी और पम्प हाउस में पेयजल सप्लाई की प्रक्रिया भी देखने को मिली। जल गुणवत्ता की जांच भी उन्होंने जल निगम (ग्रामीण) की लैब में जाकर देखी।

विकास भवन से सीडीओ श्रीमती कमलेश सचान ने जल ज्ञान यात्रा को हरी झण्डी दिखाई

संभल सीडीओ कमलेश सचान ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया जिसमें स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों को जल निगम प्रयोगशाला ले जाया गया जहाँ उन्होंने जल गुणवत्ता की जांच का परीक्षण करके दिखाया गया। स्कूली बच्चों को बताया गया कि ग्रामीण महिलाएं गांव-गांव में फील्ड टेस्ट किट से 11 तरह की पानी जांच करती हैं। स्कूली बच्चों ने भी अपने हाथ से जल की जांच करके देखी।

सिरोही पेयजल योजना में पेयजल योजना का बच्चों ने किया भ्रमण

इसके बाद उन्हें सिरोही पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। यहां पानी की टंकी देखी और पम्प हाउस में पहुंचे बच्चों ने कई तरह के सवाल परिसर में मौजूद जल निगम के अधिकारियों से किये। परिसर में ही उनके लिए जल जागरूकता की क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

INA NEWS
Initiate | News | Agency

हरदोई न्यूज़: स्वच्छ पेयजल के महत्व के बारे में जान रहे स्कूली बच्चे।

हरदोई। हमारे जीवन में जल कितना महत्वपूर्ण है और उसके संरक्षण की आवश्यकता क्यों है इसके बारे में स्कूली बच्चों ने जाना। हरदोई में शुक्रवार का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास और अलग अनुभव वाला रहा।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन किया गया। हरदोई के प्रधान संघ के जिला उपाध्यक्ष बन्नू सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। यूपी में चल रही "हर घर जल" योजना के बारे में बच्चों को अवगत कराया गया।

बच्चों को नयागांव मुबारकपुर में नवनिर्मित पानी टंकी दिखाई गयी, ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाने की प्रक्रिया भी बच्चों ने देखी। इस यात्रा के दौरान बच्चों ने जल संरक्षण के प्रति संकल्प लिया।

बता दें कि यूपी में स्कूली बच्चों के लिए आयोजित की जा रही जल ज्ञान यात्रा जानकारी और जागरूकता के उद्देश्य से बहुत प्रभावी साबित हो रही है।

JD NEWS
JAMBUDEEP SAMACHAR

हरदोई। स्कूली बच्चों को स्वच्छ पेयजल व जल संरक्षण के बारे में मिली जानकारी

हरदोई। (जम्बूदीप समाचार) हमारे जीवन में जल कितना महत्वपूर्ण है और उसके संरक्षण की आवश्यकता क्यों है इसके बारे में स्कूली बच्चों ने जाना। हरदोई में शुक्रवार का दिन स्कूली बच्चों के लिए बेहद खास और अलग अनुभव वाला रहा। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से 'जल ज्ञान यात्रा' का आयोजन किया गया। हरदोई के प्रधान संघ के जिला उपाध्यक्ष बन्नू सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। यूपी में चल रही "हर घर जल" योजना के बारे में बच्चों को अवगत कराया गया। बच्चों को नयागांव मुबारकपुर में नवनिर्मित पानी टंकी दिखाई गयी, ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाने की प्रक्रिया भी बच्चों ने देखी। इस यात्रा के दौरान बच्चों ने जल संरक्षण के प्रति संकल्प लिया। बता दें कि यूपी में स्कूली बच्चों के लिए आयोजित की जा रही जल ज्ञान यात्रा जानकारी और जागरूकता के उद्देश्य से बहुत प्रभावी साबित हो रही है।

जागरण

दूर रहेंगी बीमारी, स्वस्थ रहने में स्वच्छ पानी की भी भागीदारी; कन्नौज के स्कूली बच्चों के लिए यादगार बनी जल ज्ञान यात्रा

हमारे स्वस्थ रहने में शुद्ध पेयजल का बहुत योगदान है। स्वच्छ जल के प्रयोग से बीमारियां दूर रहती हैं ऐसी कई विशेष जानकारी शुक्रवार को कन्नौज में स्कूली बच्चों को दी गयी। यात्रा का शुभारंभ कन्नौज के मुख्य विकास अधिकारी आर.एन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। जल के प्रति जागरूकता को लेकर बच्चों ने रुचि दिखाई और बढ़-चढ़कर इस यात्रा में हिस्सा लिया।

डिजिटल डेस्क, कन्नौज। हमारे स्वस्थ रहने में शुद्ध पेयजल का बहुत योगदान है। स्वच्छ जल के प्रयोग से बीमारियां दूर रहती हैं ऐसी कई विशेष जानकारी शुक्रवार को कन्नौज में स्कूली बच्चों को दी गयी। ये अवसर था 'जल ज्ञान यात्रा' का जिसका आयोजन नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से किया गया। यात्रा का शुभारंभ कन्नौज के मुख्य विकास अधिकारी आर.एन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया।

जल के प्रति जागरूकता को लेकर बच्चों ने रुचि दिखाई और बढ़-चढ़कर इस यात्रा में हिस्सा लिया। जल ज्ञान यात्रा के माध्यम से स्कूली बच्चों को हर घर जल की आवश्यकता और उसके लक्ष्य के बारे में विस्तार से बताया गया। ग्रामीण परिवारों तक नल के माध्यम से सुलभ हो रहे शुद्ध पेयजल के बारे में भी बच्चों ने जाना।

बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला में जल नमूनों की जांच करके दिखाई गयी, मन में उठ रहे सवालों के जवाब पाकर बच्चे संतुष्ट हुए। बच्चों को बेहरापुर गैसापुर पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। बच्चों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग के लाभ बताये गए, यात्रा के बाद कला प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

हिन्दुस्तान

गीतों से बच्चों ने बताया जल का महत्व

हिन्दुस्तान

गाजीपुर, कार्यालय संवाददाता।
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से जल ज्ञान यात्रा का आयोजन मनिहारी के गुरैनी गांव में उच्च प्राथमिक कन्या विद्यालय में किया गया। इस दौरान आयोजित लेखन, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही गीतों के माध्यम से बच्चों ने जल का जीवन में महत्व बताया।

कार्यक्रम के तहत कक्षा सात में पढ़ने वाली अंजलि ने 'सुनो गांव-शहर के भाई, बिन जल न जीवन बच पाई जल गीत सुनाया। कक्षा आठ की प्रीति, आफरीन बानो और कक्षा सात की किरन कुमारी ने जल पर 'नाटक प्रस्तुत किया। वहीं जल जागरूकता की अलख जगाते हुए स्कूली बच्चों ने हाथों में जल संरक्षण के स्लोगन लिखी तख्तियां पकड़कर गांव में जागरूकता फैलाई।

इससे पहले खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, मनिहारी से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता मो. कासिम हाशमी, खण्ड शिक्षा अधिकारी हेमवंत कुमार ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली का रवाना किया। जल ज्ञान यात्रा में आठ स्कूलों के 200 से ज़्यादा बच्चों ने भाग लिया। पढ़ाई के साथ बच्चों ने जल संरक्षण का भी ज्ञान प्राप्त किया। यात्रा के दौरान बच्चों ने जल निगम (ग्रामीण) लैब में पानी की जांच देखी। पेयजल योजना का भ्रमण किया साथ ही उन्हें जल का महत्व बताने वाली सामग्री भी बांटी गयी। स्कूली बच्चों में जल ज्ञान यात्रा में भाग लेने के लिए उत्साह देखते ही बना। पंप हाउस से कैसे पानी टंकी से ग्रामीणों को सप्लाई के लिए भेजा जाता है इसकी प्रक्रिया दिखाई गई। परिसर में ही स्कूली बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) लैब कर्मियों ने जल जांच परीक्षण करके दिखाया। उनको फील्ड टेस्ट किट प्रशिक्षित महिलाओं ने 11 तरह की जल जांच करके भी दिखाई।

यात्रा, 'सुनो गांव-शहर के भाई, बिन जल न जीवन बच पाई....'

Jal Gyan Yatra: स्कूली बच्चों को ग्रामीणों को दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया भी दिखाई गई। पानी टंकी और पम्प हाउस कैसे काम करता है, बताया गया। हर घर जल योजना से ग्रामीणों को मिल रहे लाभ की जानकारी दी गई।

गाजीपुर, देवरिया और श्रावस्ती में जल ज्ञान यात्रा (Social Media)

Jal Gyan Yatra: प्रदेश भर में जल ज्ञान यात्रा की अलख जगाई जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार (22 दिसंबर) को गाजीपुर, देवरिया और श्रावस्ती में जल ज्ञान यात्रा आयोजित की गई। गाजीपुर में तो स्कूली बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। यहां मनिहारी की उच्च प्राथमिक कन्या विद्यालय की कक्षा सात में पढ़ने वाली अंजलि 'सुनो गांव-शहर के भाई, बिन जल न जीवन बच पाई....' जल गीत सुना रही थीं, तो दूसरी ओर कक्षा आठ की प्रीति, आफरीन बानो और कक्षा सात की किरन कुमारी जल पर 'नाटक' प्रस्तुत कर रहे थे।

जल जागरूकता की अलख जगी

जल जागरूकता की अलख जगाते स्कूली बच्चे हाथों में जल संरक्षण के स्लोगन लिखी तख्तियां पकड़े गांव में जागरूकता फैला रहे थे। कुछ इस तरह का माहौल गाजीपुर के मनिहारी खण्ड के गुरैनी गांव में भी देखने को मिला। यहां नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, मनिहारी से जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता मो. कासिम हाशमी, खण्ड शिक्षा अधिकारी हेमवंत कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया।

'हर घर जल योजना' के बारे में बताया गया

'देवों की नगरी' कहे जाने वाले गोरखपुर के देवरिया जिले में बड़ी संख्या में सरकारी स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। उन्हें जल संरक्षण की जानकारी देने के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी 'जल जीवन मिशन' की 'हर घर जल योजना' की जानकारी दी गई। बच्चों को ग्रामीणों के घरों तक लगाए जा रहे नल कनेक्शन और प्रदान किये जा रहे स्वच्छ जल के बारे में बताया गया। उनको ग्राम्य पेयजल योजना का भ्रमण कराने के साथ ही जल गुणवत्ता की जांच के फायदे भी गिनाए गये।

ज्ञान यात्रा के साक्षी बने बच्चे

वहीं, श्रावस्ती के स्कूली बच्चों ने शिक्षा के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में चल रही जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना (Har Ghar Jal) के बारे में जानकारी प्राप्त की। श्रावस्ती के एडीएम (वित्त एवं राजस्व) अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर जल ज्ञान यात्रा का शुभारंभ किया। जल ज्ञान यात्रा में उत्साही बच्चों ने पूरी रुचि दिखाते हुए बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस ज्ञान यात्रा के साक्षी बने। जल जीवन मिशन की यात्रा के दौरान बच्चों को औरैया निधान पेयजल योजना के बारे में बताया गया।

लैब में जल जांच कर दिखाया गया

ग्रामीणों को दी जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया भी दिखाई गई। पानी टंकी और पम्प हाउस कैसे काम करता है, बताया गया। हर घर जल योजना से ग्रामीणों को मिल रहे लाभ की जानकारी दी गई। उत्सुक बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) लैब कर्मी ने जल जांच का परीक्षण भी करके दिखाया। पूरी यात्रा के माध्यम से बच्चों ने पेयजल परियोजनाओं के बारे में जाना साथ ही शुद्ध पेयजल के लाभों के बारे में भी ज्ञान प्राप्त किया।

FAST NEWS FAST NEWS
FAST NEWS FAST NEWS FAST NEWS
अनादि
20 Dec 2023
झांसी
FAST NEWS
जल जीवन मिशन के प्रमुख सचिव की बैठक

FAST NEWS
Anaadi
20 Dec 2023
झांसी
06
जल जीवन मिशन के प्रमुख सचिव की बैठक

सचिव डॉ.बलकार सिंह स्थलीय निरीक्षण के लिए हुए मथुरा रवाना
TV100
10:36 AM
आगरा
सचिव डॉ.बलकार सिंह का आगरा दौरा
NEWS UPDATE
हरियाणा के सिरसा में आज कांग्रेस निकालेगी किसान-मजदूर आक्रोश रैली

\

जल जीवन मिशन,नमामि गंगे परियोजनाओं की मण्डलीय बैठक
TV100
17 December
आगरा
सचिव डॉ.बलकार सिंह का आगरा दौरा
NEWS UPDATE
हरियाणा के सिरसा में आज कांग्रेस निकालेगी किसान-मजदूर आक्रोश रैली

72.2 % ग्रामीण परिवारों तक कनेक्शन
ZEE उत्तर प्रदेश उत्तराखंड
आंकड़ों में भी दिख रहा असर

यूपी में राष्ट्रीय औसत से अधिक रफ्तार
ZEE उत्तर प्रदेश उत्तराखंड
आंकड़ों में भी दिख रहा असर

NEWS STATE
उत्तर प्रदेश
जल ज्ञान यात्रा का आयोजन
गाजियाबाद
रॉयल
'जल है तो कल है'
छात्रों ने जानी शुद्ध पेयजल की सप्लाई प्रक्रिया

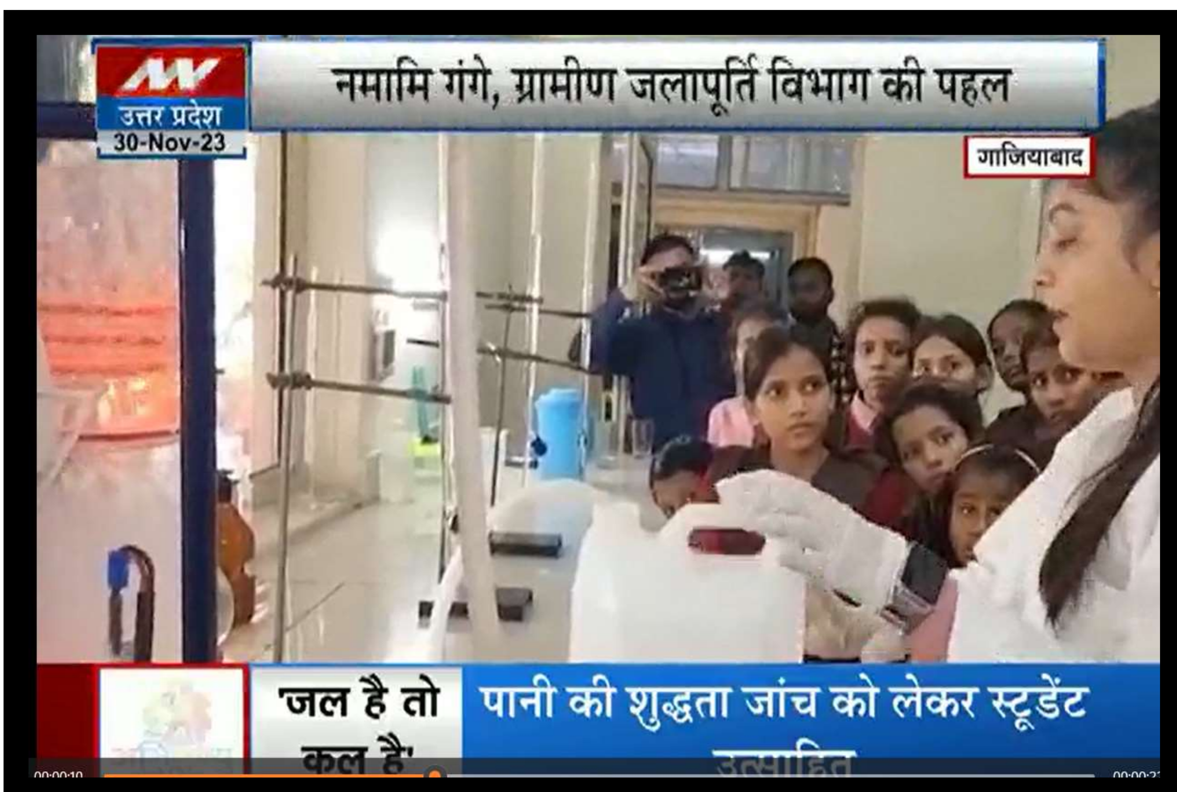

उत्तर प्रदेश
30-Nov-23
नमामि गंगे, ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की पहल
गाजियाबाद
'जल है तो कल है'
पानी की शुद्धता जांच को लेकर स्टूडेंट उत्साहित

जल जागरूकता के लिए निकाली गई यात्रा
लखीमपुर
भारत
समाचार

ADM और DDO ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
लखीमपुर
भारत
समाचार
06-12-2023

सप्ताह भर में गांव की सड़कें दुरुस्त नहीं हुईं तो कार्रवाई की चेतावनी
ANB न्यूज़
लखनऊ, यूपी

कुशीनगर के 4 लापरवाह जेई होंगे बर्खास्त
ANB न्यूज़
लखनऊ, यूपी

NEWS STATE
उत्तराखंड
मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने दी सौगात
लखनऊ

NEWS STATE
उत्तर प्रदेश
12:06 PM
जल निगम के नए भवन का उद्घाटन
लखनऊ
8 दिसंबर 2023
अनादि
TV27 NEWS

अधीनस्थों को दिशा निर्देश जारी किए
भारत समाचार
16-12-2023
मथुरा

डॉ. बलकार सिंह का नौहझील गांव बेहरा का दौरा
भारत समाचार
10 : 21 : PM
मथुरा
सचिव, नमामि गंगे ग्रामीण जलापूर्ति

NEWS STATE
उत्तर प्रदेश
16-Dec-23
जलापूर्ति विभाग के सचिव का दौरा
आगरा
हर घर जल
बुंदेलखंड में सबसे पहले पूरा हुआ काम

NEWS STATE
उत्तराखंड
11:32 PM
जलापूर्ति विभाग के सचिव का दौरा
आगरा
बलकार सिंह, सचिव, जलापूर्ति विभाग
हर घर जल
बुंदेलखंड में सबसे पहले पूरा हुआ काम

NEWS STATE
उत्तराखंड
9:13 PM
घर-घर पहुंच रहा शुद्ध पेयजल
अलीगढ़
ECO PLUS
हर घर जल योजना
प्रदेश भर में योजना का 75 फीसदी काम

उत्तर प्रदेश
17-Dec-23
अलीगढ़
हर घर जल योजना
जल जीवन मिशन के तहत मिल रहा शुद्ध

जनवरी तक पूरी होंगी योजनाएं
ZEE उत्तर प्रदेश उत्तराखंड
झांसी
विकास को मिल रही रफ्तार

जनवरी तक पूरी होंगी योजनाएं
ZEE उत्तर प्रदेश उत्तराखंड
झांसी
युद्ध स्तर पर हो रहा काम

बड़ी खबर
आग
INDIA न्यूज़
उत्तरप्रदेश
कार्यालय
अधीक्षण अभियन्ता, निर्माण मण्डल,
परियोजना प्रबन्धक, गंगा जल परियोजना इकाई
उ.प्र. जल निगम (नगरीय)
द्वितीय तल 4/4, संजय प्लेस, आगरा-282002
डॉ.बलकार सिंह, सचिव नमामि गंगे
संबंधित कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

बड़ी खबर
आगरा दौरे पर नमामि गंगे के सचिव
INDIA न्यूज़
Sat 16, Dec
कार्यालय
मुख्य अभियन्ता (आ.क्षे.)
उ. प्र. जल निगम (नगरीय)
4/4, संजय प्लेस, आगरा
डॉ.बलकार सिंह, सचिव नमामि गंगे
डॉ. बलकार सिंह ने की परियोजनाओं की समीक्षा

बुंदेलखंड जल जीवन मिशन के अंतर्गत किया गया कार्य पूरा
ANB न्यूज़
10 : 33 PM
झांसी, यूपी

नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव झांसी पहुंचे
ANB न्यूज़
19-12-2023
झांसी, यूपी

हिंदुस्तान CB NEWS एक्सक्लुसिव रिपोर्ट
हिंदुस्तान CB TV NEWS HD
आगरा यूपी
चोब सिंह सक्सेना
विशेष सूचना :
, खबरे प्रसारित करवाने के लिए व विज्ञापन के लिए संपर्क करें Mob. +91 94128
आगरा पहुचे सचिव, नमामि गंगे, ग्रामीण जलापूर्ति, प्रबंध निदेशक डॉ बलकार सिंह।

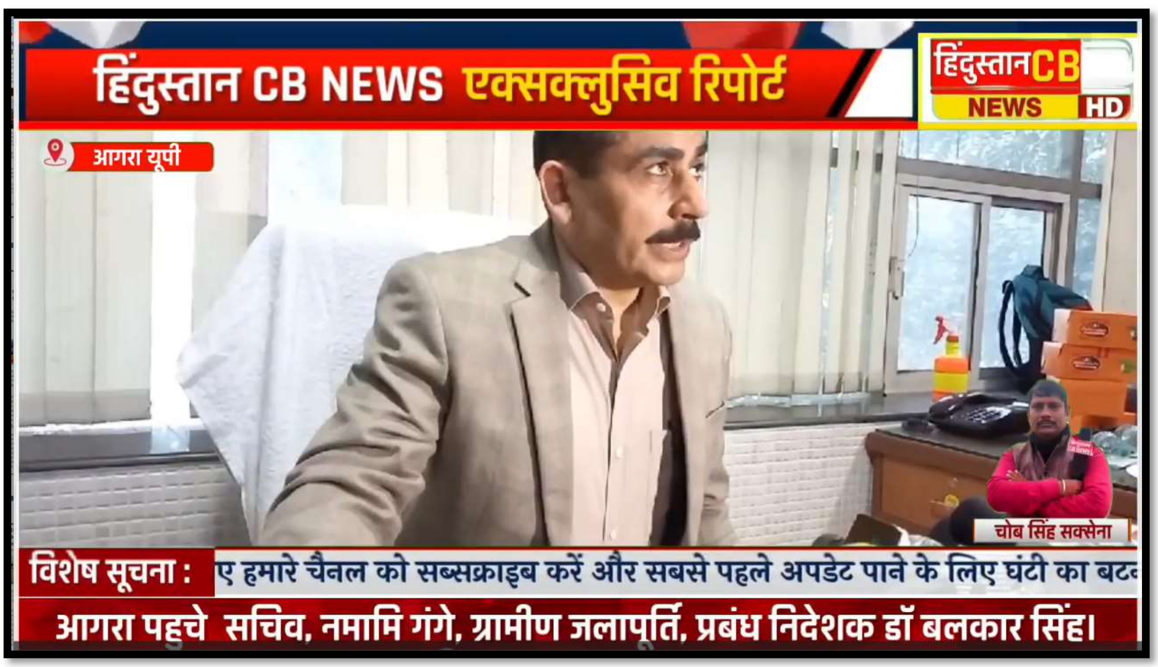
हिंदुस्तान CB NEWS एक्सक्लुसिव रिपोर्ट
हिंदुस्तान CB NEWS HD
आगरा यूपी
चोब सिंह सक्सेना
विशेष सूचना :
ए हमारे चैनल को सब्सक्राइब करें और सबसे पहले अपडेट पाने के लिए घंटी का बट
आगरा पहुचे सचिव, नमामि गंगे, ग्रामीण जलापूर्ति, प्रबंध निदेशक डॉ बलकार सिंह।